मौसम

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
रांची	29.8	23.8
डालटनगंज	30.0	25.5
धनबाद	31.8	26.2

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

https://epaper.shubhamsandesh.net

रांची, रविवार 03 अगस्त 2025 ● श्रावण शुक्ल पक्ष 10, संवत 2082 ● रांची एवं पटना से प्रकाशित ● वर्ष : 3, अंक : 117 ● मूल्य ₹ 4, पृष्ठ संख्या : 12

ग्रामसभा और पंचायत : साझा नेतृत्व की ओर लौटता ग्रामीण लोकतंत्र

सुधीर पाल

झारखंड के गांवों में हाल के वर्षों में लोकतंत्र की एक नई और जीवंत तस्वीर उभरी है, जिसमें परंपरागत ग्रामसभा और संवैधानिक पंचायत दोनों ने साझा नेतृत्व का एक अनोखा मॉडल प्रस्तुत किया है. यहां गांव की परंपरागत संस्थाओं के प्रतिनिधि मुंडा, मांझी, महतो, पाहन अब निर्वाचित मुखिया और पंचायत सदस्यों के साथ मिलकर ग्राम समाज का भविष्य तय कर रहे हैं. यह व्यवस्था न केवल परंपरा और विधि का तालमेल है, बल्कि स्थानीय लोकतंत्र को जमीन से जोड़ने वाली ताकत भी है. एक ओर हैं ग्रामसभाएं विधायिका की तरह गांव की नीति और दिशा तय करती हैं, दूसरी ओर पंचायतें कार्यपालिका की तरह योजनाओं का क्रियान्वयन करती हैं. दोनों मिलकर लोकतंत्र का साझा मॉडल बना रहे हैं.

ग्रामसभा व पंचायत : लोकतंत्र की दो धुरी

भारत का संविधान पंचायत राज संस्थाओं को तीसरी सरकार के रूप में मान्यता देता है. अनुच्छेद 243(बी) के तहत ग्राम पंचायतों का गठन होता है, वहीं अनुच्छेद 243(ए) ग्रामसभा को स्थानीय स्वशासन की इकाई मानता है. ग्रामसभा गांव के उन सभी वयस्क नागरिकों का मंच है, जो चुनाव में मतदाता के रूप में पंजीकृत हैं. यह मंच गांव के संसाधनों, पारंपरिक नियमों, सामाजिक विवादों और सामूहिक भलाई से जुड़े मुद्दों पर न केवल चर्चा करता है, बल्कि निर्णय भी लेता है. मुंडा, मांझी, महतो, पाहन जैसे स्थानीय नेता ग्रामसभा की परंपरागत ताकत के प्रतीक हैं और सामाजिक अनुशासन, भूमि विवाद, संस्कृति व त्योहारों से जुड़े विषयों में उनकी भूमिका महत्वपूर्ण है. ग्रामसभा न केवल योजना स्वीकृत करती है, बल्कि संसाधनों के उपयोग, सामाजिक विवादों के समाधान और ग्राम विकास की दिशा तय करती है. पंचायतें ग्राम सभा के माध्यम से चुने गए प्रतिनिधियों की संस्थाएं हैं, जिनके अंतर्गत मुखिया, उपमुखिया, वार्ड सदस्य, पंचायत समिति सदस्य होते हैं. ये प्रतिनिधि सरकार की योजनाओं को लागू करते हैं, प्रशासन से संवाद करते हैं और पंचायत निधियों का प्रबंधन करते हैं. पंचायतें सरकार की योजनाओं को लागू करने, निधियों का प्रबंधन करने और प्रशासन से संवाद स्थापित करने का उत्तरदायित्व निभाती हैं. इनकी वैधता संविधान से मिलती है, पर ग्रामसभा की मंजूरी के बिना इस कार्यपालिका की सफलता अधूरी रहती है. झारखंड में 2010, 2015 और 2022 में पंचायत चुनाव हुए हैं. पंचायत चुनाव से पहले गांवों में केवल पारंपरिक व्यवस्था थी. मांझी, महतो, परगनैत, मुंडा ही गांव की निगरानी करते थे. परंतु पंचायत चुनावों के बाद निर्वाचित मुखिया और पारंपरिक ग्राम प्रधानों यथा मुंडा, महतो, मांझी आदि के बीच एक नया समीकरण उभरा.

पैदा हुआ था संशय, लौट रहा मुखिया राज

2010 के चुनाव के समय एक संशय की स्थिति बनी हुई थी. ग्राम सभाओं को लग रह था कि फिर से मुखिया राज का समय लौट रहा है. आदिवासी क्षेत्रों में बाहरी लोग आकार चुनाव लड़ेंगे और शासन करेंगे। ग्रामीणों का भय बेवजह नहीं था. 1978 और उससे पहले हुए चुनाव में 100 फीसदी आदिवासी गांवों में भी बाहर से आए लोग और गैर आदिवासी ही मुखिया और प्रतिनिधि बने थे. कई गांवों में मुंडा-मांझी और मुखिया के बीच अधिकार को लेकर संघर्ष हुआ था. मुखिया को सरकारी योजनाओं और बजट की जिम्मेदारी मिली, लेकिन मांझी को गांव की सांस्कृतिक और सामाजिक स्वीकृति प्राप्त थी. इससे कई बार ग्रामसभा की उपेक्षा हुई. 2010 के बाद पंचायतों के गठन से पारंपरिक मांझी और निर्वाचित मुखिया के बीच अधिकारों को लेकर कई गांवों में टकराव की स्थिति बनी. जहां योजनाओं की आर्थिक-प्रशासनिक जिम्मेदारी मुखिया के पास थी, वहीं सामाजिक स्वीकृति मांझी के पास. इसका नतीजा यह हुआ कि कई बार सामूहिक निर्णय और योजनाओं का क्रियान्वयन प्रभावित हुआ.

समन्वय की ओर बढ़ता गांव

2015 और विशेषकर 2022 के चुनावों के बाद गांवों में एक नया अनुभव उभरा-मांझी और मुखिया की पारस्परिकता के बिना गांव चलता नहीं. खूंटी, पश्चिमी सिंहभूम, गुमला, सिमडेगा जैसे जिलों में अब मुखिया और मांझी मिलकर ग्रामसभा बैठकों की अध्यक्षता करते हैं, योजनाओं का निर्धारण करते हैं, विकास को साझा नेतृत्व की भावना से आगे बढ़ाते हैं. साझा संचालन में जब मुंडा-मांझी सामाजिक और सांस्कृतिक दृष्टि प्रदान करते हैं और मुखिया प्रशासनिक दिशा, तो गांव के निर्णय अधिक समावेशी और व्यावहारिक होते हैं-यही झारखंड की कई ग्रामसभाओं में दिखाई देता है. उदाहरण के लिए पश्चिम सिंहभूम के कई गांवों में मुंडा की अनुमति के बिना किसी भी प्रकार की योजना, स्थल का चयन या ज़मीन हस्तांतरण आदि नहीं होता है. ग्राम प्रधानों और पंचयत प्रतिनिधियों के बीच समन्वय बना हुआ है. अच्छी बात यह है कि अनुसूचित क्षेत्र वाले पंचायतों में मुखिया आदिवासी ही हैं. गुमला जिले के बसिया प्रखंड में एक महिला मुखिया ने ग्राम प्रधान की सलाह पर ही गांव में हैंडपंप की जगह जलमीनार लगाने का निर्णय लिया, क्योंकि ग्राम सभा ने जानकारी दी थी कि गांव में सालों से जलस्तर गिर रहा है. खूंटी की एक ग्रामसभा ने कंपनी को गांव में प्रवेश से रोका क्योंकि उसने ग्रामसभा की अनुमति नहीं ली थी. लोहरदगा के सिरका गांव ग्रामसभा ने निर्णय लिया कि वन क्षेत्र में कोई योजना तभी लगेगी जब पारंपरिक ग्राम सभा और वनाधिकार समिति सहमति देगी. ग्राम पंचायत ने ग्राम सभाओं के निर्णय का सम्मान किया. पाकुड़ के अमरापाडा में ग्राम सभा ने पावर कंपनी को जमीन नहीं देने का निर्णय लिया और ग्राम पंचायत के चुने हुए प्रतिनिधियों ने भी इस निर्णय का स्वागत किया और वी आंदोलन में ग्राम सभाओं के साथ हैं. ऐसे दर्जनों उदाहरण झारखंड में मौजूद हैं जहां ग्राम सभा और पंचायत ने मिलकर व्यापक जन हित के फैसले लिए हैं.

लोकसभा में रघुवंश बाबू ने पढ़ा था संकल्प

4 अगस्त, 2000 को लोकसभा में 'ग्रामसभा की भागीदारी' विषय पर आयोजित एक विशेष बहस में बिहार के सांसद रघुवंश प्रसाद सिंह ने जो संकल्प पढ़ा वह अपने आप में ग्रामसभा की स्वायत्तता का पुख्ता प्रमाण है. उन्होंने संसद में कहा कि जैसे राज्यों में विधानमंडल है और सरकार है, केन्द्र में पार्लियामेंट है और केबिनेट है, उसी तरह से वहां ग्रामसभा और पंचायतें हैं. मतलब यहां देश के पैमाने पर जो पार्लियामेंट का स्थान है, उसी तरह से राज्य-स्तर पर विधानसभा का और ग्राम-स्तर पर ग्रामसभा का स्थान है. अनुसूचित क्षेत्र में पारंपरिक स्वशासी संस्थाओं के साथ पंचायत व्यवस्था का कमोबेश संतुलन बना हुआ है. ग्राम सभाओं की बैठकों की अध्यक्षता ग्राम प्रधान करते हैं तथा गांव में उत्पन्न विवादों में ग्राम सभाएं अपनी भूमिका निभाती हैं. निर्वाचित संस्थाओं यथा- ग्राम पंचायत, पंचायत समिति की भूमिका सरकारी योजनाओं को लागू करने मात्र तक है. निर्वाचित प्रतिनिधियों यथा- मुखिया के तौर पर ज्यादातर जगहों पर युवा ही चुनकर आये हैं. पढ़े-लिखे और विकास योजनाओं से वास्ता पड़ने की वजह से उनकी विकास को लेकर समझ ग्राम प्रधानों से भिन्न है. पंचायत-प्रतिनिधियों को पता है कि गांव की जरूरतें और गांवों के विकास के लिये विकास के नये घटक और आयाम के साथ चलना जरूरी है. सरकारी संसाधनों का ज्यादा से ज्यादा दोहन तथा सरकारी संस्थाओं के साथ संबंध और समन्वय बनाने में वे परम्परागत प्रधानों की तुलना में ज्यादा सक्रिय हैं. झींकपानी के कोन्दुआ पंचायत के दोकट्टा गांव के डाकुआ पवन दास कहते हैं कि परम्परागत ग्रामसभा और पंचायत-प्रतिनिधियों में तालमेल हो गया है. दोनों की भूमिका स्पष्ट है. पुराने ढंग से तो हम गांव को नहीं चला सकते हैं. विकास के अर्थ और आयाम बदल गये हैं. एक स्वयंसेवी संस्था ने अध्ययन में पाया कि अध्ययन क्षेत्र में पारम्परिक नेताओं में से 56 फीसदी, निर्वाचित प्रतिनिधियों में से 74 फीसदी और आदिवासी उत्तरदाताओं में से 64 फीसदी कहते है कि पंचायत प्रणाली और बेहतर साबित हो रही है.

साझा मॉडल: दोनों व्यवस्थाओं की शक्तियों का मेल

पुनर्स्थापना की दृष्टि से जरूरी है कि इन दोनों व्यवस्थाओं को विरोधी नहीं, पूरक के रूप में देखा जाए. नेतृत्व का साझा मॉडल निम्नलिखित सिद्धांतों पर आधारित हो सकता है. निर्णय वही मान्य हों जो ग्रामसभा में पारित हों. ग्रामसभा में पारंपरिक और निर्वाचित दोनों नेतृत्व की सहभागिता अनिवार्य हो.

-शेष पेज 09 पर...

ब्रीफ न्यूज

अमेरिका भेजने वाले गिरोह का भंडाफोड़ 5 लोग गिरफ्तार

हजारीबाग। पुलिस ने डंकी रूट अवैध रूप से लोगों को अमेरिका भेजने वाले गिरोह का भंडाफोड़ किया है. गिरोह के मास्टर माइंड उदय कुशवाहा समेत पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया है.उदय 45 वर्षों से अमेरिका में रह रहा था. उसके पास से अमेरिका की नागरिकता और ओवरसीज सिटीजनशिप कार्ड भी है. इस मामले का खुलासा सोनू नामक युवक की शिकायत से हुआ. सोनू को अमेरिका में अवैध रूप से रहने के आरोप में डिपोर्ट किया गया था. -पूरी खबर पेज 6 पर

जिम करते आया हार्ट अटैक, क्रिकेटर की मौत

कोलकाता। बंगाल के उभरते हुए क्रिकेटर प्रियजीत घोष का शनिवार को दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया. प्रियजीत घोष की उम्र सिर्फ 22 साल थी. उन्हें शनिवार की सुबह जिम में वर्कआउट के दौरान हार्ट अटैक आया, जिसके कारण उनकी जिंदगी का सफर समाप्त हो गया. उनके असामयिक निधन से दोस्तों, परिवारवालों और टीममेट्स में शोक की लहर है.

भारत आएंगे मेसी, 3 शहरों का करेंगे दौरा

नयी दिल्ली। फुटबॉल के दिग्गज खिलाड़ी लियोनेल मेसी 14 साल बाद भारत का दौरा करेंगे. इससे पहले मेसी 2011 में भारत आए थे. खबर है कि भारत में मेसी क्रिकेट मैच खेलेंगे. इस क्रिकेट मैच में सचिन, एमएस धौनी, विराट कोहली और रोहित शर्मा भी एक्शन में दिखेंगे. दिसंबर में मेसी भारत दौरे पर आएंगे. वह कोलकाता, मुंबई और दिल्ली का दौरा करेंगे.

ट्रंप के 'डेड इकोनॉमी' वाले बयान पर पीएम मोदी का जवाब

दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी इकोनॉमी बनने जा रहा भारत

- मोदी ने ट्रंप और राहुल गांधी को जवाब देने के लिए दो मंचों का इस्तेमाल किया.
- वाराणसी की रैली के अलावा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पीएमओ के हैंडल से एक लेख के जरिए भी दोनों को आईना दिखाया गया.

एजेंसियां। वाराणसी

पीएम नरेंद्र मोदी ने भारत की अर्थव्यवस्था पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और कांग्रेस नेता राहुल गांधी को करारा जवाब दिया है. पीएम ने कहा कि भारत बहुत तेजी से दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की राह पर है. यह बात उन्होंने ट्रंप के बयान के बाद कही है. इसमें उन्होंने भारत को 'डेड इकॉनमी' बताया था. राहुल गांधी ने भी ट्रंप के सुर में सुर मिलाए थे. ट्रंप ने रूस के साथ भारत के संबंधों को लेकर भारत की अर्थव्यवस्था पर यह बात कही थी. पीएम मोदी ने ट्रंप और राहुल गांधी को जवाब देने के लिए दो मंचों का इस्तेमाल किया. वाराणसी की रैली के अलावा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पीएमओ के हैंडल से एक लेख के जरिए भी दोनों को आईना दिखाया गया. वाराणसी में एक रैली को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री बोले कि दुनिया में आर्थिक अस्थिरता है. सभी देश अपने-अपने हितों पर ध्यान दे रहे हैं. भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने जा रहा है. ऐसे में भारत को अपनी आर्थिक हितों को लेकर सतर्क रहना होगा.

सिर्फ स्वदेशी के इस्तेमाल का संकल्प लें लोग

उन्होंने कहा, हमारी सरकार देश के सर्वोत्तम हित में हर संभव प्रयास कर रही है. जो लोग देश का भला चाहते हैं और भारत को दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में देखना चाहते हैं, चाहे वह कोई भी राजनीतिक दल हो, उन्हें अपने मतभेदों को भुलाकर 'स्वदेशी' उत्पादों के लिए संकल्प लेना चाहिए. मोदी ने कारोबारियों से अपील करते हुए कहा कि जब दुनिया इस प्रकार की अस्थिरता के माहौल से गुजर रही है, तो हम भी सिर्फ और सिर्फ स्वदेशी माल ही बेचेंगे. ये संकल्प भी देश की सच्ची सेवा होगी. अब हर पल स्वदेशी ही खरीदेंगे. ये महात्मा गांधी को बड़ी श्रद्धांजलि होगी.

हर नागरिक बने स्वदेशी का प्रचारक

प्रधानमंत्री मोदी ने इस संकल्प को सिर्फ सरकार या राजनीतिक दलों तक सीमित ना रखकर हर नागरिक की जिम्मेदारी बताया. उन्होंने कहा, सरकार इस दिशा में हर प्रयास कर रही है. लेकिन देश के नागरिक के रूप में हमारे कुछ दायित्व हैं. ये बात सिर्फ मोदी नहीं, हिंदुस्तान के हर व्यक्ति को हर पल बोलते रहना चाहिए- दूसरे को कहते रहना चाहिए. जो देश का भला चाहते हैं, जो देश को तीसरे नंबर की इकोनॉमी बनाना चाहते हैं, उसे अपने संकोच को छोड़कर देशहित में हर पल देशवासियों के अंदर एक भाव जगाना होगा- वह संकल्प है, हम स्वदेशी को अपनाएं. मोदी ने साफ किया कि 'वोकल फॉर लोकल' और 'मेक इन इंडिया' को अब केवल नारा नहीं, व्यवहारिक जीवन का हिस्सा बनाना होगा.

व्यापारी सिर्फ स्वदेशी माल बेचें, यही सच्ची देशसेवा

प्रधानमंत्री मोदी ने देश के व्यापारियों और उद्योगजगत से विशेष आग्रह किया और कहा, अब समय आ गया है कि सिर्फ और सिर्फ स्वदेशी उत्पादों को ही बेचा जाए. उन्होंने कहा, मैं व्यापार जगत से जुड़े भाइयों को आगाह करता हूं- अब हमारी दुकानों पर सिर्फ स्वदेशी सामान बिकना चाहिए. यही देश की सच्ची सेवा होगी. जब हर घर में नया सामान आए तो वो स्वदेशी ही हो, यही हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए. पीएम मोदी का यह बयान ऐसे समय में आया है, जब वैश्विक व्यापारिक दबाव, रूस-यूक्रेन युद्ध, चीन से आयात पर बहस और अमेरिका की टैरिफ पॉलिसी जैसे मुद्दे अंतरराष्ट्रीय मंचों पर चर्चा के केंद्र में हैं.

राहुल गांधी को ऐसे दिखाया आईना

बता दें कि राहुल गांधी ने भी एक्स पर एक पोस्ट में भारतीय अर्थव्यवस्था को 'डेड' बताया था. इस पर भी पीएमओ की ओर से प्रतिक्रिया दी गई. इसके लिए एक लेख का हवाला दिया गया. 'इंडियाज इकॉनमी इज अलाइव एंड किकिंग' शीर्षक वाले इस लेख में गया गया है कि राहुल गांधी का यह दावा उनकी अज्ञानता, समझ की कमी, झूठ बोलने के शौक और मोदीनॉमिक्स के प्रति उनकी नापसंदगी का नतीजा है. लेकिन, सच अलग है. सच यह है कि भारत की अर्थव्यवस्था अनिश्चितता, भू-राजनीतिक तनाव और बदलते व्यापार के बीच उम्मीद की किरण बनकर उभरी है. पीएम मोदी के नेतृत्व में देश ने वित्तीय वर्ष 2024-25 में 6.5 फीसदी की वास्तविक जीडीपी ग्रोथ हासिल की है. वहीं, नॉमिनल जीडीपी ग्रोथ रेट 9.8 फीसदी रही है. भारतीय अर्थव्यवस्था पूरी तरह से ठीक स्थिति में है. न्यूज18 में छपे लेख में कहा गया है कि राहुल की बात करें तो उनकी कांग्रेस पार्टी लगातार तीन लोकसभा चुनावों में हार चुकी है.

25% टैरिफ का ऐलान : बीती 31 जुलाई को ट्रंप ने भारत से सभी आयातों पर 25 फीसदी टैरिफ और एक्स्ट्रा जुर्माना लगाने का ऐलान किया था. उसके एक दिन बाद उन्होंने भारत-रूस के संबंधों को लेकर हमला बोला था. ट्रंप ने दोनों देशों को 'डेड इकोनॉमी बताते हुए कहा था कि उन्हें इस बात की परवाह नहीं कि भारत, रूस के साथ क्या करता है.

एनुअल लीगल कॉन्क्लेव: राहुल गांधी ने फिर फोड़ा 'बम'

चुनाव आयोग मर चुका, लोस चुनाव में भी हुई बड़ी धांधली

एजेंसियां। नयी दिल्ली

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने चुनाव आयोग पर एक बार फिर जोरदार जुबानी हमला बोला है. राजधानी दिल्ली में कांग्रेस पार्टी के

'एनुअल लीगल कॉन्क्लेव' को संबोधित करते हुए उन्होंने शनिवार को कहा कि देश में चुनाव आयोग का अस्तित्व नहीं रह गया है. उन्होंने कहा कि मैं हाल के इलेक्शन सिस्टम के बारे में बोल रहा हूं. मुझे हमेशा से शक था कि इसमें कुछ गड़बड़ है, 2014 से ही. मुझे गुजरात विधानसभा चुनाव में भी शक था. किसी एक पार्टी की लैंड स्लाइड विक्ट्री का ट्रेंड शक पैदा करता है.

उन्होंने कहा, कांग्रेस पार्टी को राजस्थान, मध्य प्रदेश, गुजरात (लोकसभा चुनावों में) में एक भी सीट नहीं मिलती, ये मेरे लिए आश्चर्य की बात थी. जब भी हम बोलते थे तो लोग कहते थे, सबूत कहां है? फिर, महाराष्ट्र में कुछ हुआ. लोकसभा चुनाव में हम जीत गए और फिर चार महीने बाद, हम न सिर्फ हारे, बल्कि पूरी तरह से खत्म हो गए. तीन मजबूत पार्टियां अचानक गायब हो गईं.

देश में अब चुनाव आयोग है ही नहीं : राहुल गांधी ने कहा, हमने चुनावी धांधलियों की गंभीरता से जांच शुरू की. हमें महाराष्ट्र में यह पता चला, लोकसभा और विधानसभा चुनावों के बीच एक करोड़ नए मतदाता सामने आते हैं. इनमें से ज्यादातर वोट भाजपा को जाते हैं... अब मैं बिना किसी संदेह के कहता हूं कि हमारे पास सबूत हैं. हमारे पास ऐसे सबूत हैं जो बताते हैं कि चुनाव आयोग है ही नहीं. कांग्रेस नेता ने कहा कि चुनाव आयोग मतदाता सूची की डिजिटल प्रति उपलब्ध नहीं कराता. इन दस्तावेजों को स्कैन नहीं किया जा सकता. चुनाव आयोग ऐसी प्रतियां क्यों उपलब्ध कराएगा जिन्हें स्कैन नहीं किया जा सकता? उन्होंने बड़ा आरोप लगाते हुए कहा कि एक लोकसभा क्षेत्र में हमने मतदाता सूची की जांच की और पाया कि 6.5 लाख मतदाताओं में से 1.5 लाख मतदाता फर्जी थे.

हमारे पास डेटा है, दस्तावेज भी हैं

राहुल गांधी ने लोकसभा चुनावों में धांधली का आरोप लगाया. उन्होंने कहा, हम इसे साबित करने जा रहे हैं, हमारे पास अब डेटा है. लोकसभा चुनाव में धांधली हो सकती है और धांधली हुई भी थी. भारत में चुनाव आयोग मर चुका है. इसे साबित करने के लिए हमारे पास दस्तावेज हैं. अगर उन्हें 15-20 सीटें कम मिलतीं, तो वह (पीएम मोदी) प्रधानमंत्री नहीं बनते.

मैं राजा नहीं हूं, राजा बनना भी नहीं चाहता

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने वार्षिक कानूनी सम्मेलन-2025 में कुछ ऐसा कह दिया, जिससे वहां मौजूद लोग तालियां बजाने से खुद को रोक नहीं पाए. दरअसल, कार्यक्रम में राहुल के संबोधन के दौरान समर्थकों और राहुल को चाहने वालों ने उनके लिए नारेबारी की. लोग चिल्ला रहे थे- देश का राजा कैसा हो, राहुल गांधी जैसा हो. इस पर राहुल ने कहा कि मैं राजा नहीं हूं. राजा बनना भी नहीं चाहता हूं. मैं राजा के कॉन्सेप्ट के खिलाफ हूं. हुआ यह कि जैसे ही राहुल गांधी ने अपना संबोधन शुरू किया, विज्ञान भवन हॉल में मौजूद दर्शकों ने देश का राजा कैसा हो, गांधी जैसा हो' के नारे लगाने शुरू कर दिए. इस पर राहुल गांधी ने जवाब दिया, नहीं बॉस, मैं राजा नहीं हूं. राजा बनना भी नहीं चाहता हूं. मैं राजा के खिलाफ हूं. अवधारणा के भी खिलाफ हूं. राहुल पहले भी पीएम नरेंद्र मोदी पर 'राजा' शब्द का इस्तेमाल करते हुए उन पर जनता की आवाज न सुनने का आरोप लगा चुके हैं.

राहुल बम का परीक्षण कर ही डालें : राजनाथ

पटना। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को राहुल गांधी द्वारा भारत में चुनावों में धांधली किये जाने के आरोप पर पलटवार किया है. उन्होंने

कहा कि लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के पास अपने दावे को पुष्ट करने के लिए कोई सबूत नहीं है. राजनाथ सिंह पटना में एक कार्यक्रम में बोल रहे थे. उन्होंने तंज कसा कि राहुल गांधी ने कहा है कि उन्होंने चुनाव आयोग द्वारा वोटों की धांधली पर सबूतों का एक परमाणु बम तैयार किया है. रक्षा मंत्री ने कहा कि अगर उनके (राहुल गांधी) पास सबूतों का परमाणु बम है, तो उसका तुरंत परमाणु परीक्षण किया जाना चाहिए. उन्होंने साफ कहा कि सच यह है कि उनके पास कोई सबूत या प्रमाण नहीं है. सिंह ने राहुल गांधी से अपील की कि वे देश की संवैधानिक संस्थाओं को अपना कर्तव्य निभाने दें. कहा कि यह कांग्रेस के स्वास्थ्य के लिए और लोकतंत्र के लिए भी अच्छा होगा. सलाह दी कि सनसनीखेज दावे न करें.

सेहत की बात : डब्ल्यूएचओ की अध्ययन रिपोर्ट में चौंकाने वाला खुलासा

जन्म के महीने का भी मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ता है असर?

शुभम संदेश डेस्क

मानसिक स्वास्थ्य की बढ़ती समस्याएं वैश्विक स्तर पर स्वास्थ्य विशेषज्ञों के लिए गंभीर चिंता का कारण बनी हुई हैं. हाल के दशकों में, मानसिक स्वास्थ्य को लेकर लोगों में जागरूकता बढ़ी है. स्ट्रेस-एंग्जाइटी हो या अवसाद की समस्या, हर साल दुनियाभर में लाखों लोगों में इसका निदान किया जा रहा है. स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, ये गंभीर चुनौती बनती जा रही है क्योंकि कम उम्र के लोग, यहां तक कि 20 से भी कम आयु वालों को मेंटल हेल्थ की समस्याओं का शिकार पाया जा रहा है. विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की रिपोर्ट के मुताबिक वैश्विक स्तर पर हर 8वां व्यक्ति किसी न किसी मानसिक समस्या से जूझ रहा है. भागदौड़ भरी जिंदगी, सोशल मीडिया का दबाव, अकेलापन, आर्थिक तनाव और भावनात्मक असंतुलन जैसी स्थितियां हमारे दिमाग पर अनजाने में बोझ डालती हैं. लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि कुछ लोगों में मानसिक स्वास्थ्य की समस्याओं का जोखिम अधिक हो सकता है? हालिया शोध में यह सामने आया है कि कुछ विशेष महीनों में जन्म लेने वाले लोगों में मानसिक समस्याओं का खतरा थोड़ा अधिक हो सकता है.

गर्मियों में जन्मे लोगों में मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं का जोखिम

पल्सवन जर्नल में छपे शोध में अध्ययनकर्ताओं की टीम ने बताया कि गर्मियों के महीने (विशेषकर जून, जुलाई और अगस्त) में पैदा हुए पुरुषों को डिप्रेशन होने का खतरा, अन्य लोगों की तुलना में अधिक हो सकता है. ये शोध कनाडा स्थित क्वांटलेन पॉलिटेक्निक यूनिवर्सिटी के शोधकर्ता द्वारा किया गया है. वैज्ञानिकों की टीम यह जांचना चाहती थी कि किसी खास मौसम में जन्म लेने वाले बच्चों में भविष्य में अवसाद और चिंता जैसे मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं के विकसित होने का खतरा अधिक होता है? वैसे तो इस अध्ययन का सैंपल साइज काफी छोटा है, हालांकि इसके परिणाम विचारणीय जरूर हैं.

शोध में क्या पता चला : शोधकर्ताओं की टीम ने 303 लोगों के सैंपल का अध्ययन किया जिसमें 106 पुरुष और 197 महिलाएं शामिल थी, इनकी औसत आयु 26 वर्ष थी. इनका पीएचक्यू-9 (अवसाद के लिए) और जीएडी-7 (चिंता के लिए) मूल्यांकन किया गया. पीएचक्यू-9 और जीएडी-7 मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं के निर्धारण के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला टूल है. इस मूल्यांकन की मदद से लोगों में सामान्य मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं का पता लगाने की कोशिश की गई. इस शोध के निष्कर्ष में 84% लोगों में डिप्रेशन और 66% प्रतिभागियों में स्ट्रेस के लक्षण देखे गए. विश्लेषण करने पर शोधकर्ताओं ने निष्कर्ष निकाला कि स्ट्रेस की समस्या वैसे तो किसी खास मौसम से जुड़ी हुई नहीं थी, पर डिप्रेशन वाले लोगों में का प्रभाव देखा गया। इसमें पाया गया कि गर्मियों में पैदा हुए 78 पुरुषों को पीएचक्यू-9 टेस्ट में हल्के से लेकर गंभीर स्तर के डिप्रेशन का पता चला. इसकी तुलना में सर्दियों में पैदा हुए 67, वसंत में पैदा हुए 58 और शरद ऋतु में पैदा हुए 68 लोगों में ये लक्षण कम देखे गए.

रक्षाबंधन से पहले मिलेगा मंईयां सम्मान का पैसा

रांची। मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना के तहत महिलाओं को रक्षाबंधन से पहले जुलाई की राशि देने की तैयारी हो रही है. सामाजिक सुरक्षा निदेशालय ने इस संबंध में सभी जिलों को निर्देश जारी कर दिए हैं. निदेशालय ने कहा कि जुलाई की राशि का वितरण जल्द पूरा कर लाभुकों के बैंक खातों में पैसे भेजी जाएं. इस योजना की शुरुआत पिछले वर्ष अगस्त में की गई थी और अब इस माह योजना का एक वर्ष पूरा हो जाएगा. योजना के तहत राज्य की लगभग 52 लाख महिलाओं को प्रतिमाह 2500 की राशि दी जा रही है. पहले यह राशि 1000 थी, जिसे दिसंबर 2024 से बढ़ाकर 2500 किया गया. योजना के तहत 18 से 50 वर्ष की महिलाओं को सालाना 30,000 की सहायता दी जानी है. अब तक जून माह की राशि लाभुकों को भेजी जा चुकी है. शुक्रवार को रांची जिले के 3,85,751 लाभुकों को कुल 96.43 करोड़ का भुगतान किया गया.

दुष्कर्म के मामले में दोषी रेवन्ना को मिली उम्र कैद

एजेंसियां। बेंगलुरु

कर्नाटक की विशेष अदालत की तरफ से शनिवार को दुष्कर्म के एक मामले में दोषी करार दिए गए जनता

दल सेक्युलर (जदएस) नेता और पूर्व सांसद प्रज्वल रेवन्ना को उम्र कैद की सजा सुनाई गई है. जानकारी के मुताबिक विशेष अदालत के जज संतोष गजानन भट्ट ने सजा का ऐलान किया. पूर्व सांसद प्रज्वल रेवन्ना के खिलाफ दुष्कर्म के चार मामले दर्ज हैं. मामला 48 वर्षीय महिला से जुड़ा है, जो हासन जिले में रेवन्ना के परिवार के गन्निकाडा फार्महाउस में घरेलू सहायिका के रूप में काम करती थी. पूर्व पीएम एचडी देवगौड़ा का पौत्र रेवन्ना 2021 में हासन के फार्महाउस और बंगलूरू में अपने घर में महिला के साथ दो बार दुष्कर्म करने का दोषी पाया गया. उसने इस कृत्य को अपने मोबाइल फोन में रिकॉर्ड भी कर लिया था. साथ ही धमकी दी थी कि अगर इस बारे में किसी को बताया तो वह वीडियो लीक कर देगा.

पीड़िता की गवाही रही अहम : विशेष सरकारी वकील अशोक नायक ने बताया कि अभियोजन पक्ष ने 26 गवाहों से बयान लिए और 180 दस्तावेज जमा किए. मुख्य साक्ष्य पीड़िता का था, जो बहुत ही विश्वसनीय था. मामले की जांच करने वाले विशेष जांच दल ने सितंबर 2024 में 1,632 पेज का आरोप पत्र दायर किया था. इसमें 113 गवाहों के बयान शामिल थे.

एक्यूआईएस मामले में बेंगलुरु से गिरफ्तार परवीन सोशल मीडिया के जरिए 69 लोगों से संपर्क में थी

कोडरमा की शमा परवीन से आतंकी मॉड्यूल में पूछताछ करेगी झारखंड एटीएस

शुभम संदेश। रांची

अल-कायदा इन इंडियन सबकॉन्टिनेंट (एक्यूआईएस) से जुड़े एक मामले में गिरफ्तार संदिग्ध आतंकी शमा परवीन से अब झारखंड एटीएस पूछताछ करेगी. शमा झारखंड के कोडरमा की रहने वाली है और उसे गुजरात एटीएस ने बेंगलुरु से गिरफ्तार किया था. झारखंड एटीएस के एसपी ऋषभ झा ने बताया कि गुजरात एटीएस और केंद्रीय एजेंसियों ने झारखंड एटीएस से संपर्क किया है. जैसे ही गुजरात एटीएस की रिपोर्ट मिलती है, झारखंड की एटीएस टीम गुजरात जाएगी और शमा से विस्तृत पूछताछ करेगी.

फिर चर्चा में झारखंड का आतंकी कनेक्शन: पिछले कुछ वर्षों में यह बार-बार सामने आया है कि देशभर में पकड़े गए आतंकियों के तार किसी न किसी रूप में झारखंड से जुड़े होते हैं. अब यह जांच का विषय है कि शमा परवीन का झारखंड से केवल निवास संबंध है या वह राज्य में आतंकी नेटवर्क को मजबूत करने में भी सक्रिय थी. जांच के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो सकेगी.

झारखंड से लिंक की तलाश में एटीएस

शमा का झारखंड से कोई सीधा संपर्क या आतंकी मॉड्यूल से उसके संबंधों की पड़ताल की जा रही है. अगर झारखंड में किसी नेटवर्क से उसका जुड़ाव सामने आता है, तो एटीएस अपनी जांच को आगे बढ़ाएगी और जरूरत पड़ने पर स्वतंत्र जांच भी शुरू की जाएगी.

सोशल मीडिया से मिला सुराग

शमा की गतिविधियों पर सोशल मीडिया की निगरानी के दौरान गुजरात एटीएस को संदेह हुआ, जिसके आधार पर उसकी पहचान और फिर गिरफ्तारी की गई. जांच में सामने आया है कि शमा 69 सोशल मीडिया आईडी के ज़रिए अलग-अलग लोगों से संपर्क में थी. इन सभी अकाउंट्स का सत्यापन किया जा रहा है. गुजरात एटीएस ने शमा से जुड़ी जानकारियां झारखंड एटीएस के साथ भी साझा की हैं. वहीं, झारखंड एटीएस सोशल मीडिया पर सक्रिय संदिग्धों पर नजर बनाए हुए है और जिला पुलिस व अन्य स्रोतों से मिले इनपुट्स की लगातार जांच कर रही है.

पुनीत अग्रवाल की जमानत याचिका पर अब छह अगस्त को सुनवाई

शुभम संदेश। रांची

बोकारों जिले के तेतुलिया मौजा वन भूमि की अवैध खरीद-बिक्री मामले के आरोपित पुनित अग्रवाल की जमानत याचिका पर अब 6 अगस्त को सुनवाई होगी. आपराधिक जांच विभाग (सीआईडी) की विशेष अदालत में शनिवार को हुई सुनवाई के बाद अदालत ने अगली सुनवाई की तारीख तय की है. सीआईडी की विशेष अदालत में बोकारो जिला के तेतुलिया मौजा स्थित 100 एकड़ से अधिक वन भूमि की अवैध खरीद-बिक्री के आरोपित राजवीर कंस्ट्रक्शन के मालिक पुनीत अग्रवाल की जमानत याचिका पर सुनवाई हुई. सुनवाई के दौरान सीआईडी की ओर से डायरी पेश की गई. इसके बाद अदालत ने इस मामले की अगली सुनवाई के लिए छह अगस्त की तिथि निर्धारित की है. इसी मामले के दो अन्य आरोपितों वीर अग्रवाल और विमल अग्रवाल की अग्रिम जमानत याचिका पर भी अब 6 अगस्त को ही सुनवाई होगी.

दरअसल, पुनीत अग्रवाल, वीर अग्रवाल और विमल अग्रवाल पर आरोप है कि राजवीर कंस्ट्रक्शन कंपनी के माध्यम से इन्होंने तेतुलिया मौजा की वन भूमि के लिए उमायुष कंपनी को तीन करोड़ चालीस लाख रुपये भुगतान किया था.

झारखंड में 3,181 एएनएम पदों पर भर्ती

11 अगस्त से शुरू होगी ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया

रांची। झारखंड में स्वास्थ्य सेवाओं को सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया जा रहा है. राज्य के विभिन्न जिलों में महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता (एएनएम) के कुल 3,181 पदों पर नियुक्ति की जाएगी. इनमें 3,020 पद नियमित हैं, जबकि 161 पद बैकलॉग रिक्तियों के अंतर्गत आते हैं. झारखंड कर्मचारी चयन आयोग (जेएसएससी) ने एएनएम प्रतियोगिता परीक्षा 2025 के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया की घोषणा कर दी है. इच्छुक अभ्यर्थी 11 अगस्त 2025 से 10 सितंबर 2025 (रात 12 बजे तक) आयोग की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर आवेदन कर सकते हैं. वहीं, आवेदन पत्र में संशोधन के लिए 11 और 12 सितंबर को विशेष लिंक उपलब्ध रहेगा. परीक्षा ओएमआर आधारित या कंप्यूटर आधारित परीक्षा (सीबीटी) के रूप में आयोजित की जाएगी. यह एक ही चरण में संपन्न होगी, जिसमें सभी प्रश्न वस्तुनिष्ठ एवं बहुविकल्पीय होंगे. परीक्षा में सफल अभ्यर्थियों की मेधा सूची तैयार की जाएगी, जिसके आधार पर नियुक्ति की जाएगी.

झारखंड में आरक्षण विधेयक लटकाने के पीछे केंद्र सरकार की साजिश: प्रदीप यादव

कांग्रेस ओबीसी विभाग छह अगस्त को राजभवन के समक्ष देगा महाधरना

शुभम संदेश। रांची

झारखंड में आरक्षण वृद्धि से संबंधित विधेयक को केंद्र की भाजपा सरकार एक रणनीति के तहत लटका रही है. यह आरोप प्रदेश कांग्रेस विधायक दल के नेता प्रदीप यादव ने शनिवार को मीडिया से बातचीत करते हुए लगाया. उन्होंने कहा कि यदि देश की आजादी के समय भाजपा सत्ता में होती, तो पिछड़े, दलित, आदिवासी और वंचित समाज को संविधान में आरक्षण व अधिकार नहीं मिलते. यादव ने कहा कि झारखंड विधानसभा में दो बार सर्वसम्मति से पारित आरक्षण वृद्धि विधेयक अब केंद्र के पास लंबित है, जिसे जानबूझकर नजरअंदाज किया जा रहा है. उन्होंने बताया कि झारखंड में पिछड़ी जातियों की आबादी लगभग 55% है, जबकि पूरे देश में यह आंकड़ा 52% से अधिक है. इसके बावजूद आरक्षण की 50% सीमा आज भी बाधा बनी हुई है. संवाददाता सम्मेलन में कांग्रेस मीडिया प्रभारी राकेश सिन्हा, सोनाल शांति, कमल ठाकुर, अभिलाष साहू और राजन वर्मा उपस्थित थे.

यादव ने तमिलनाडु का उदाहरण देते हुए बताया कि वहां की सरकार ने 1993 में आरक्षण सीमा को तोड़ते हुए 69% आरक्षण लागू किया और केंद्र की तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने 76वें संविधान संशोधन के जरिए उसे नौवीं अनुसूची में शामिल कर कानून का दर्जा दिया. वर्तमान में तमिलनाडु में 79% आरक्षण लागू है. उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से सवाल किया कि जब सवर्णों के लिए 10% ईडब्ल्यूएस आरक्षण देकर 50% सीमा को तोड़ा जा सकता है, तो बहुसंख्यक पिछड़ों को यह अधिकार क्यों नहीं दिया जा सकता? उन्होंने यह भी कहा कि झारखंड, कर्नाटक, छत्तीसगढ़, तेलंगाना और हरियाणा जैसे राज्यों ने आरक्षण सीमा बढ़ाने का प्रयास किया है, लेकिन केंद्र सरकार मौन है.

उन्होंने घोषणा की कि आरक्षण के समर्थन में प्रदेश कांग्रेस का ओबीसी विभाग छह अगस्त को सुबह 11:30 बजे राजभवन के समक्ष महाधरना देगा. इस धरना-प्रदर्शन में पूरी कांग्रेस पार्टी भाग लेगी. यादव ने यह भी कहा कि निजीकरण और आउटसोर्सिंग के जरिए वंचित वर्गों की हिस्सेदारी खत्म की जा रही है, जिसका कांग्रेस पुरजोर विरोध करेगी और जरूरत पड़ी, तो दिल्ली तक आंदोलन किया जाएगा.

एससी आयोग, आरक्षण बहाली की मांग को लेकर राजभवन पर प्रदर्शन, अमर बाउरी हुए शामिल

शुभम संदेश। रांची

अनुसूचित जाति आयोग के गठन, आरक्षण की बहाली और राजनीतिक प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने की मांग को लेकर शनिवार को अखिल भारतीय अनुसूचित जाति समन्वय समिति के नेतृत्व में बड़ी संख्या में एससी समुदाय के लोग राजभवन के सामने एकत्रित हुए. जोरदार प्रदर्शन किया. इस प्रदर्शन में भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता अमर बाउरी भी शामिल हुए.

प्रदर्शनकारियों का कहना था कि देश को स्वतंत्र हुए 78 वर्ष हो चुके हैं, फिर भी अनुसूचित जाति समुदाय सामाजिक, आर्थिक और शैक्षणिक दृष्टि से आज भी पिछड़ेपन का शिकार है. वक्ताओं ने आरोप लगाया कि संविधान में दिए गए अधिकार अब केवल कागजों तक सिमट कर रह गए हैं. चतरा से आए सामाजिक कार्यकर्ता रंजय भारती ने कहा कि झारखंड राज्य बनने के बाद अनुसूचित जातियों को न्याय मिलना चाहिए था, लेकिन आज भी समुदाय के लोग शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी मूलभूत सुविधाओं से वंचित हैं.

प्रदर्शन के दौरान यह मांग भी उठाई गई कि रांची नगर निगम के महापौर पद को पुनः अनुसूचित जाति वर्ग के लिए आरक्षित किया जाए और झारखंड विधानसभा के मुख्य द्वार पर डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा स्थापित की जाए. समूह ने यह चेतावनी भी दी कि यदि कोई विधायक या सांसद समुदाय की मांगों और संघर्षों में साथ नहीं देता है, तो उसका सामाजिक बहिष्कार किया जाएगा.

झारखंड में अनुसूचित जाति को दबाया जा रहा है :बाउरी

रांची। अखिल भारतीय अनुसूचित जाति समन्वय समिति की ओर से शनिवार को राजभवन के समीप एकदिवसीय धरना दिया गया. मौके पर पूर्व नेता प्रतिपक्ष अमर कुमार बाउरी ने कहा कि यह पहली बार है जब राजनीतिक दलों से आगे बढ़कर अनुसूचित जाति समाज के सभी लोग एक मंच के नीचे पहुंचे हैं. इसका मतलब है कि आज भी राज्य में अनुसूचित जाति के लोगों को दबाया जा रहा है. और समुदाय को मिलने वाले हक–अधिकार से वंचित रखा जा रहा है. उन्होंने बताया कि राज्य में अनुसूचित जाति आयोग की स्थापना हो चुकी है. लेकिन वर्तमान सरकार ने पिछले छह वर्षों में अध्यक्ष का चयन नहीं किया है. जनसंख्या के अनुपात में 12 प्रतिशत अनुसूचित जाति का आरक्षण तत्काल लागू किया जाए, चौकीदार बहाली में अनुसूचित जाति का आरक्षण सुनिश्चित किया जाए. साथ ही राज्य में अनुसूचित जाति समाज के लोगों को उनका आय और जाति प्रमाण पत्र नहीं बनाया जा रहा है इसको लेकर भी समाज के लोग एकजुट होकर अपनी आवाज को बुलंद कर रहे हैं. उन्होंने कहा कि राज्य में मानसून सत्र चल रहा है और हमारा यह प्रयास है कि इस धारणा के माध्यम से सरकार के कानों तक हमारी बात पहुंच सके. धरना में मुख्य रूप से सिमरिया विधायक उज्ज्वल दास, पूर्व नेता प्रतिपक्ष अमर कुमार बाउरी, पूर्व विधायक समरी लाल, पूर्व विधायक रामचंद्र सहिस सहित समुदाय के अन्य लोग मौजूद थे.

कैलाश यादव सहित पांच नेताओं को प्रवक्ता बनाया

रांची। झारखंड प्रदेश राजद अध्यक्ष सह विधायक संजय सिंह यादव ने पार्टी प्रवक्ताओं की अधिकृत सूची जारी कर दी है. इस सूची में कुल पांच नेताओं को शामिल किया गया है, जिन्हें पार्टी की नीतियों और विचारों को मीडिया में प्रभावी ढंग से रखने की जिम्मेदारी सौंपी गई है. राजद अध्यक्ष ने जिन्हें प्रवक्ता की जिम्मेवारी सौंपी है, उनमें कैलाश यादव, डॉ. मनोज कुमार, आबिद अली (तीनों रांची), विश्वनाथ राम घूरा (पलामू) व घनश्याम चौधरी (बोकारो) शामिल हैं. अध्यक्ष संजय सिंह यादव ने कैलाश यादव को विशेष रूप से निर्देश देते हुए कहा कि पार्टी की बातों को सशक्त और प्रभावशाली तरीके से मीडिया में रखें. नवनियुक्त प्रदेश प्रवक्ता कैलाश यादव ने बताया कि पार्टी अध्यक्ष संजय सिंह यादव, मंत्री संजय प्रसाद यादव, प्रधान महासचिव एवं पूर्व मंत्री सत्यानंद भोक्ता, विधायक दल के नेता सुरेश पासवान, विधायक नरेश सिंह, पूर्व अध्यक्ष गौतम सागर राणा, वरिष्ठ नेता सुभाष यादव समेत कई पार्टी पदाधिकारियों ने नवनियुक्त प्रवक्ताओं को बधाई दी है.

झारखंड में पर्यटन को मिलेगा नया आयाम

गिरिडीह-दुमका में चिड़ियाघर खुलेगा लातेहार में टाइगर सफारी की होगी स्थापना

शुभम संदेश। रांची

झारखंड सरकार ने राज्य में पर्यटन को बढ़ावा देने और स्थानीय अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने के उद्देश्य से कई अहम फैसले लिए हैं. इसके तहत गिरिडीह और दुमका जिलों में चिड़ियाघर खुलेगा, वहीं लातेहार जिले के पुतवागढ़ संरक्षित वन क्षेत्र में टाइगर सफारी की स्थापना की जाएगी. सरकार के स्तर पर इसकी तैयारी शुरू कर दी गयी है. सरकार की इन पहलों से झारखंड के पर्यटन मानचित्र में एक नया आयाम जुड़ेगा और राज्य की जैव विविधता संरक्षण की दिशा में भी ठोस कदम उठाए जाएंगे.

पर्यटन और अर्थव्यवस्था को मिलेगा बढ़ावाघ इन परियोजनाओं के जरिए न केवल राज्य के वन्यजीवों को संरक्षण मिलेगा, बल्कि स्थानीय लोगों के लिए रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे. पर्यटकों की संख्या बढ़ने से क्षेत्र की आर्थिक गतिविधियां तेज होंगी और स्थानीय व्यवसायों को भी लाभ होगा.

परियोजनाओं की प्रमुख विशेषताएं

गिरिडीह: विभिन्न मौजाओं में कुल 396.22 हेक्टेयर भूमि पर चिड़ियाघर की स्थापना को मंजूरी दी गई है, जो रोजगार और संरक्षण दोनों के लिहाज से अहम साबित होगी.

दुमका: हिजला पश्चिमी वन क्षेत्र के अंतर्गत 116.35 हेक्टेयर वन भूमि में चिड़ियाघर निर्माण का प्रस्ताव स्वीकृत हुआ है, जिससे स्थानीय पर्यटन को प्रोत्साहन मिलेगा.

लातेहार: पुतवागढ़ संरक्षित वन क्षेत्र में 150 हेक्टेयर भूमि पर टाइगर सफारी की स्थापना होगी. यह परियोजना न केवल मनोरंजन का साधन होगी, बल्कि रोजगार और आर्थिक विकास का जरिया भी बनेगी.

झारखंड में पीएचडी प्रवेश परीक्षा पर रोक

अब यूजीसी-नेट या जेईटी से होगा एडमिशन

शुभम संदेश। रांची

झारखंड के राज्यपाल और कुलाधिपति संतोष कुमार गंगवार ने प्रदेश के सभी सरकारी विश्वविद्यालयों में पीएचडी प्रवेश परीक्षा पर तत्काल प्रभाव से रोक लगाने का आदेश जारी किया है. उन्होंने यह भी स्पष्ट किया है कि अब पीएचडी में नामांकन केवल यूजीसी की गाइडलाइन के अनुसार ही किया जाएगा. हाल ही में राजभवन में आयोजित कुलपतियों की बैठक में यह निर्णय लिया गया, जहां सभी विश्वविद्यालयों को इस बाबत आवश्यक निर्देश दे दिए गए. राज्यपाल के निर्देश के अनुसार अब पीएचडी में दाखिला लेने के लिए छात्रों को या तो यूजीसी-नेट या फिर झारखंड पात्रता परीक्षा (जेईटी) पास करनी होगी. नेट परीक्षा के माध्यम से छात्र जेआरएफ, असिस्टेंट प्रोफेसर, या पीएचडी एडमिशन ऑप्शन चुन सकते हैं और यूजीसी उसी आधार पर परिणाम घोषित करता है.

विषयवार रिक्त सीटों की सूची (रांची विश्वविद्यालय)

विषय	रिक्त सीटें	विषय	रिक्त सीटें	विषय	रिक्त सीटें
हिंदी	52	वाणिज्य	28	भूगोल	13
मनोविज्ञान	51	राजनीतिक शास्त्र	24	उर्दू	10
वनस्पतिशास्त्र	44	मानवशास्त्र	17	गणित	9
इतिहास	37	समाजशास्त्र	16	रसायनशास्त्र	9
अर्थशास्त्र	33	भौतिकी	16	जंतुविज्ञान	8
संस्कृत	32	दर्शनशास्त्र	15	भूगर्भशास्त्र	5
अंग्रेज़ी	28	गृह विज्ञान	14	टीआरएल	0

झारखंड सरकार की पीएचडी छात्रों के लिए स्कॉलरशिप योजना: सरकार ने राज्य के 1000 मेधावी स्थानीय विद्यार्थियों को 25,000 रुपए प्रति माह छात्रवृत्ति देने की घोषणा की है. वहीं जेईटी पास छात्रों को 22,500 मासिक, और अगर कोई छात्र विदेश में अपना रिसर्च पेपर प्रस्तुत करता है तो उसे 2 लाख रुपये तक की सहायता दी जाएगी. अन्य राज्यों में पेपर प्रजेंटेशन के लिए अधिकतम 50,000 रुपये मिलेंगे.

रांची विश्वविद्यालय की आवेदन प्रक्रिया पर असर: रांची विश्वविद्यालय ने 22 नवंबर 2024 को पीएचडी सत्र 2024–25 के लिए 22 विषयों में 463 रिक्त सीटों के लिए आवेदन आमंत्रित किए थे, जिसके तहत अब तक 2374 आवेदन प्राप्त हो चुके हैं.

हर आवेदक से 2000 आवेदन शुल्क भी लिया गया था. अब नए आदेश के बाद इस प्रक्रिया पर संशोधन की संभावना है.

झारखंड राज्य छात्र संघ ने विधायक जयराम महतो को सौंपा ज्ञापन

जेपीएससी की कार्यशैली पर फिर जताई नाराजगी

शुभम संदेश। रांची

झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) की अनियमितताओं को लेकर झारखंड स्टेट स्टूडेंट्स एसोसिएशन ने डुमरी के विधायक जयराम महतो को शनिवार को ज्ञापन सौंपते हुए आयोग की कार्यशैली पर नाराजगी जताई है. एसोसिएशन के अध्यक्ष सत्यनारायण शुक्ला ने कहा कि राज्य गठन को 25 वर्ष पूरे हो चुके हैं, लेकिन जेपीएससी अब तक केवल सात बार ही नियमित परीक्षा आयोजित कर सका है. इससे झारखंड के लाखों छात्र बेरोजगारी, आयु सीमा पार होने और मानसिक तनाव जैसी समस्याओं से जूझ रहे हैं. ज्ञापन के माध्यम से छात्रों ने मांग की है कि जेपीएससी की परीक्षाएं हर साल नियमित रूप से कराई जाएं, उम्र पार कर चुके अभ्यर्थियों को विशेष छूट दी जाए, लंबित 15 परीक्षाओं की तिथि जल्द घोषित की जाए और हर छह महीने में परीक्षा कराने का पूर्व वादा सरकार निभाए.

विधायक जयराम महतो ने छात्रों की मांगों को गंभीरता से लेते हुए भरोसा दिलाया कि वे इस विषय को विधानसभा में जोरदार तरीके से उठाएंगे और जेपीएससी की निष्क्रियता पर सरकार से जवाब मांगेंगे.

भाजपा सांसद का पलटवार : निकाय चुनाव में 27% आरक्षण की घोषणा करे राज्य सरकार

कांग्रेस का चाल, चरित्र और चेहरा पिछड़ा विरोधी : आदित्य साहू

शुभम संदेश। रांची

भाजपा के प्रदेश महामंत्री एवं सांसद आदित्य साहू ने कांग्रेस विधायक दल के नेता प्रदीप यादव के बयान पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कांग्रेस पर पिछड़ा समाज को गुमराह करने का आरोप लगाया. उन्होंने कहा कि कांग्रेस का चाल, चरित्र और चेहरा सदैव पिछड़ा विरोधी रहा है. पिछड़ों के प्रति कांग्रेस की नीयत शुरू से संदेहास्पद रही है. साहू ने कहा कि कांग्रेस ने कभी भी पिछड़ा वर्ग आयोग को संवैधानिक दर्जा नहीं दिया, मंडल कमीशन की रिपोर्ट को वर्षों तक दबाए रखा और अपने शासन में पिछड़े नेताओं को उपेक्षित किया. उन्होंने कहा कि आज कांग्रेस सिर्फ घड़ियाली आंसू बहा रही है, जबकि हेमंत सरकार के कार्यकाल में पंचायत चुनाव पिछड़ा आरक्षण के बिना ही संपन्न करवा दिया गया.

साहू ने यह भी आरोप लगाया कि कांग्रेस अब पिछड़े वर्ग के आरक्षण को मुस्लिम समाज के लिए स्थानांतरित करने की कोशिश कर रही है, जो उसकी नीयत को उजागर करता है. राज्य सरकार को आड़े हाथ लेते हुए कहा कि आज तक निकाय चुनावों में पिछड़ों के लिए आरक्षण सुनिश्चित करने हेतु आवश्यक 'ट्रिपल टेस्ट' प्रक्रिया पूरी नहीं की गई है.

उन्होंने याद दिलाया कि बाबूलाल मरांडी सरकार के दौरान पिछड़ा आरक्षण बढ़ाने की कोशिश की गई थी, लेकिन कोर्ट के निर्देशों के चलते वह लागू नहीं हो सका. कहा कि भाजपा ही पिछड़ों के सच्चे हितैषी है और प्रधानमंत्री मोदी इसका प्रमाण हैं, जो 11 वर्षों से एक गरीब पिछड़े वर्ग से आने वाले नेता के रूप में देश का नेतृत्व कर रहे हैं.राज्य सरकार को चाहिए कि वह केवल बयानबाजी न करे, बल्कि नगर निकाय चुनावों में 27% आरक्षण देकर अपनी प्रतिबद्धता साबित करे.

भवनाथपुर विधायक बीमार, मिथिलेश ठाकुर ने की मुलाकात

रांची। भवनाथपुर के विधायक अनंत प्रताप देव के अस्वस्थ हैं. फिलहाल वर्तमान उनका इलाज रांची के मेडिका अस्पताल में चल रहा है. देव के बीमार होने की सूचना पर पूर्व मंत्री मिथिलेश ठाकुर ने मेडिका अस्पताल पहुंचकर उनसे मुलाकात की. इसके बाद उन्होंने सोशल मीडिया के माध्यम से जानकारी साझा करते हुए उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की है.

पूर्व मंत्री मिथिलेश ठाकुर ने ट्वीट में लिखा, भवनाथपुर विधायक अनंत प्रताप देव जी से मुलाकात की. उनके बेहतर स्वास्थ्य की कामना करता हूं. मां गढ़देवी से प्रार्थना है कि वे जल्द स्वस्थ होकर जनसेवा में लौटें. स्थानीय नागरिकों और विधायक के समर्थकों ने भी उनके जल्द स्वस्थ होने की कामना की है.

भजन संध्या को सफल बनाने में जिला प्रशासन का रहता है भरपूर सहयोग : अमरप्रीत सिंह काले

श्रावण मास की अंतिम सोमवारी 4 अगस्त को जमशेदपुर में मनोज तिवारी बहाएंगे भजनों की गंगा

शुभम संदेश। रांची

श्रावण मास की अंतिम सोमवारी के पावन अवसर पर 4 अगस्त को साकची गुरुद्वारा मैदान में आयोजित होने वाली भव्य भजन संध्या को लेकर हर हर महादेव सेवा संघ की तैयारियां उत्साह के साथ जारी हैं. संघ के सदस्य आयोजन को सफल बनाने के लिए एक-एक तैयारी पर नजर रख रख रहे हैं, ताकि कही कोई खामी न रह जाए. तैयारियों की मॉनिटरिंग खुद संघ के संस्थापक अमरप्रीत सिंह काले कर रहे हैं. ज्ञात हो कि जमशेदपुर में यह आयोजन पिछले कई सालों से अमरप्रीत सिंह काले की पहल पर होता आ रहा है, जिसमें बॉलीवुड के सितारों के साथ-साथ प्रसिद्ध भजन गायक भजनों की गंगा बहाते रहे हैं. संघ के संस्थापक अमरप्रीत सिंह काले के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने पूर्वी सिंहभूम जिला के उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक पीयूष पांडे से शिष्टाचार भेंट कर उन्हें कार्यक्रम में सादर आमंत्रित किया.

संस्थापक काले ने कहा कि भजन संध्या में मनोज तिवारी अपनी संगीतमयी प्रस्तुति से श्रद्धालुओं को भक्ति भाव में सराबोर कर देंगे. इस आयोजन में कोल्हान के हजारों श्रद्धालुओं की उपस्थिति की संभावना है. उन्होंने जिला प्रशासन द्वारा दिए गए सहयोग और सकारात्मक आश्वासन के लिए आभार व्यक्त किया और विश्वास जताया कि प्रशासन के सहयोग से यह रजत जयंती आयोजन श्रद्धा, अनुशासन और भक्ति के साथ सफलतापूर्वक सम्पन्न होगा. संस्थापक के साथ उपायुक्त से मिलनेवालों में संस्था के संरक्षक बृजभूषण सिंह, जयप्रकाश राय, राघवेंद्र शर्मा, अध्यक्ष सुखविंदर सिंह निक्कू, पूर्व अध्यक्ष राजू मारवाह, जितेन्द्र चावला, पीएन पांडे, अखिलेश पांडे, महेंद्र सिंह, नरेंद्र सिंह निंदी, संदीप कुमार सिंह, पंकज वर्मा, जुगुन पांडे, बिभाष मजुमदार, प्रिंस सिंह और घनश्याम भिरभिरिया शामिल थे.

एक नजर

शिबू सोरेन के स्वस्थ होने की कामना को लेकर झामुमो ने विशेष यज्ञ, हवन-पूजन किया

रांची/गिरिडीह। झामुमो के वरिष्ठ नेता और पार्टी के पितामह कहे जाने वाले दिशोम गुरु शिबू सोरेन के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना को लेकर झामुमो महानगर समिति गिरिडीह की ओर से एक विशेष यज्ञ का आयोजन किया जा रहा है. यह यज्ञ शनिवार को गिरिडीह नगर के बड़ा चौक स्थित शिव मंदिर में किया जाएगा. झामुमो ने बताया कि दिशोम गुरु शिबू सोरेन लंबे समय से अस्वस्थ चल रहे हैं. उनके शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की प्रार्थना और मंगलकामना के उद्देश्य से यह सामूहिक यज्ञ आयोजित किया जा रहा है. इस मौके पर झामुमो के सभी पदाधिकारीगण, कार्यकर्ता और नगरवासियों से आयोजन में शामिल होकर गुरुजी शिबू सोरेन के स्वास्थ्य लाभ की कामना करने की अपील की गई है.

प्रशासनिक कारणों से बोकारो डीएफओ रजनीश कुमार का रांची तबादला हुआ

रांची। झारखंड सरकार ने प्रशासनिक कारणों से भारतीय वन सेवा (आईएफएस) के अधिकारी रजनीश कुमार का तबादला कर दिया है. वह बोकारो में वन प्रमंडल पदाधिकारी (डीएफओ) के पद पर पदस्थापित थे. अब उन्हें जनजातीय क्षेत्र रांची में उप वन संरक्षक के पद पर स्थानांतरित किया गया है. वन एवं पर्यावरण विभाग ने इसके संबंध में आदेश जारी कर दिया है.उल्लेखनीय है कि तेतुलिया जमीन विवाद मामले में झारखंड हाईकोर्ट ने रजनीश कुमार और तत्कालीन डीएफओ वेंकटेश्वरलू को अवमानना का दोषी करार दिया है. यह निर्णय जमीन के मामले में अदालत में अलग-अलग दावे, कभी 'प्रोटेक्टेड फॉरेस्ट' और कभी 'प्राइवेट फॉरेस्ट' बताने को लेकर आया है. हाईकोर्ट के इस फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई है, जहां सजा पर फिलहाल रोक लगी हुई है. मामला अभी सुप्रीम कोर्ट में विचाराधीन है.

https://epaper.shubhamsandesh.net

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

03

रांची, रविवार 03 अगस्त 2025 I श्रावण शुक्ल पक्ष 10, संवत 2082 I रांची एवं पटना से प्रकाशित I वर्ष : 3, अंक : 117 I मूल्य ₹ 4, पृष्ठ संख्या : 12

जॉन सीना ने फिर मारी पलटी, विलेन के रूप को छोड़ अब अपनाया ये अवतार

पेज 07

सदर अस्पताल में आज

गायनी इमर्जेंसी

सुबह 8 से दोपहर 2 बजे तक	- डॉ. अंजना
दोपहर 2 से रात 8 बजे तक	- डॉ. रुमा प्रसाद
रात 8 से सुबह 8 बजे तक	- डॉ. सुरभी

जेनरल इमर्जेंसी

सुबह 9 बजे से दोपहर 3 बजे तक	- डॉ. ईपिल टोपनो
दोपहर 3 बजे से रात 9 बजे तक	- डॉ. नीलम बाला
रात 9 बजे से सुबह 9 बजे तक	- डॉ. राकेश रंजन

ब्रीफ खबरें

32 लोगों को लेकर जा रही नाव गंगा नदी में पलटी, एक की मौत, तीन लापता

साहिबगंज। झारखंड के साहिबगंज जिले में शनिवार को दर्दनाक हादसा हुआ. यहां गंगा नदी में 32 लोगों को ले जा रही एक नौका के पलट जाने से एक व्यक्ति की मौत हो गई और तीन अन्य लापता हैं. इस मामले की जानकारी देते हुए एक अधिकारी ने बताया कि यह घटना गंगा नदी पुलिस थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले महाराजपुर गदाई दियारा इलाके में घटी. साहिबगंज के उपायुक्त हेमंत सती ने बताया कि नौका पर 32 लोग सवार थे. 28 लोगों को बचा लिया गया है. एक व्यक्ति की मौत हो गई है, जबकि तीन अन्य लापता हैं. उन्होंने बताया कि लापता लोगों की तलाश के लिए 28 गोताखोरों को लगाया गया है. सती ने कहा कि हमने लापता लोगों के बचाव अभियान में राष्ट्रीय आपदा मोचन बल की तैनाती के लिए भी अनुरोध भेजा है.

आशुतोष धाम शिव मंदिर में महामृत्युंजय यज्ञ का समापन

चिरकुंडा। नेहरू रोड स्थित आशुतोष धाम शिवमन्दिर में पांच दिवसीय महामृत्युंजय जाप व यज्ञ का समापन हुआ. बनारस से आए महापुरोहित अशोक कुमार पाण्डेय, सीताराम पाण्डेय, ब्रह्मदेव पाण्डेय, पुरुषोत्तम पाण्डेय, नित्यानंद पाण्डेय, विष्णु पाण्डेय द्वारा विधि विधान से मंदिर में पुजा व जाप किया गया. यजमान में बैजन्ती कुमारी सिन्हा, एस के सिन्हा, कुमार सौरभ, अव्यान सिन्हा मुख्य थे. पुरोहित ने मंत्र उच्चारण के साथ यज्ञ शुरू किया उसके बाद घी,दही,मधु से भोले नाथ पर जलाभिषेक किया गया. दूध-दही पंचामृत भी शिवजी को चढ़ाए गए. मौके पर कुमार गौरव, अंजलि सिन्हा,रिशु,आयुष,इंशा, संजय, बबीता, संध्या, खुशी आदि लोग मौजूद थे.

रंजय हत्याकांड : बचाव पक्ष को गवाह पेश करने का आदेश

धनबाद। झरिया के पूर्व भाजपा विधायक संजीव सिंह के करीबी रंजय सिंह ऊर्फ रवि रंजन सिंह की हत्या मामले की सुनवाई शनिवार को जिला एवं सत्र न्यायाधीश दुर्गेश चंद्र अवस्थी की अदालत में हुई. इस दौरान अदालत ने बचाव पक्ष को गवाह पेश करने का आदेश दिया है. सुनवाई के दौरान जेल मे बंद आरा बेरथ निवासी नंद कुमार सिंह उर्फ बबलू उर्फ रूना सिंह उर्फ मामा को रांची के होटवार जेल से वीसीएस के द्वारा पेश किया गया. जमानत पर मुक्त हर्ष सिंह आज हाजिर नहीं थे, उनकी ओर से उनके अधिवक्ता ने प्रतिनिधित्व आवेदन दायर किया. अदालत ने सुनवाई की अगली तारीख 4 अगस्त 2025 निर्धारित कर दी है.

10 माह से कमीशन नहीं मिलने से परेशान पीडीएस डीलरों ने की बैठक

चिरकुंडा। आल इंडिया फेयर प्राइस डीलर एसोसिएशन की बैठक चिरकुंडा परिषद के समीप स्थित पुष्पा मैरेज हाल में शनिवार को संपन्न हुई. बैठक में जिला अध्यक्ष रमेश सिंह,सचिव अखिलेश सिंह व कार्यकारी सदस्य अजय सिंह मौजुद थे. बैठक में सरकार के द्वारा डीलरों के 10 माह का कमिशन, ग्रीन कार्ड का कमिशन,दाल व नमक का कमिशन पर चर्चा हुई. केवाईसी में सर्वर को लेकर और मशीन 2 जी से 4 जी करने को लेकर चर्चा हुई. डीलरों द्वारा यह भी कहा गया कि अगर सरकार इस महीने में कमीशन का भुगतान नहीं करती है तो डीलर उपायुक्त कार्यालय के सामने जाकर आत्मदाह करेगें जिसकी सारी जिम्मेदारी सरकार पर होगी.

दर्दनाक : मां, पिता, पत्नी और भाई ने लाठी डंडों से की थी पिटाई, सड़क पर तड़पते हुई मौत

श्रीधरपुर में बेटे को खंभे से बांधा, पीट-पीटकर हत्या

खास बातें

- मां, पत्नी और पिता हिरासत में, भाई फरार
- छानबीन में जुटी पुलिस, शव को कब्जे में लिया

शुभम संदेश। कतरास

रामकनाली ओपी क्षेत्र के जमुआटांड पंचायत स्थित श्रीधरपुर गांव में शनिवार शाम एक ऐसी घटना घटी, जिसने रिश्तों की मर्यादा को झकझोर कर रख दिया. 25 वर्षीय युवक विक्रम बाउरी की हत्या उसी के परिवारजनों ने कर दी. विक्रम को उसके ही पिता, भाई और मां ने घर के बाहर खंभे से बांध दिया और लाठी-डंडों से पीटते हुए मौत के घाट उतार दिया. विक्रम चीखता रहा, लेकिन उसकी पुकार किसी ने नहीं सुनी. सड़क पर तड़पते हुए उसकी मौत हो गई. स्थानीय लोगों की विक्रम नशे की लत का शिकार था और अक्सर घर में विवाद करता था. शनिवार को भी इसी बात को लेकर कहासुनी हुई, लेकिन इस बार मामला बेकाबू हो गया. गुस्से में आकर परिजनों ने उसे बांध दिया और पीट-पीटकर मौत के घाट उतार दिया.

इधर पत्नी और मां ने कबूल किया है कि उनलोगों ने विक्रम को लाठी डंडे से पीटा था क्योंकि वो नशे में आकर पत्नी और मां के साथ मारपीट कर रहा था. पत्नी ने बताया कि विक्रम अक्सर उसके साथ मारपीट करता था उसने पहली बार हाथ उठाया था. उसे नहीं भान था कि मौत हो जायेगी.

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर छानबीन शुरू कर दी.

झारखंड के शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन बॉथरूम में फिसले, हालत गंभीर

एयर एंबुलेंस से दिल्ली ले जाया गया, अपोलो में भर्ती

- मौत की अफवाह पर कई नेताओं ने सार्वजनिक मंच पर दे दी श्रद्धांजलि

शुभम संदेश। जमशेदपुर

झारखंड के शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन की हालत बेहद गंभीर बनी हुई है. शनिवार सुबह बाथरूम में फिसलने के कारण उनके सिर में गंभीर चोट आई और ब्रेन में ब्लड क्लॉट हो गया. प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें एयर एम्बुलेंस से दिल्ली के अपोलो अस्पताल में भर्ती कराया गया है. जहां डॉक्टर लगातार उनकी हालत पर नजर बनाए हुए हैं.

इधर शनिवार को उनकी मौत की अफवाह फैल गई. यह अफवाह सुनकर धनबाद के कई बड़े जनप्रतिनिधियों ने उन्हें श्रद्धांजलि भी अर्पित कर दी. एक नेता ने तो सार्वजनिक कार्यक्रम में दो मिनट का मौन भी रखवा दिया.

जमशेदपुर के घोड़ाबांधा स्थित सरकारी आवास में शनिवार सुबह सोरेन बाथरूम में फिसल कर गिर पड़े. इससे उनके सिर पर गंभीर चोट आई. परिजन तुरंत उन्हें टीएमएच लेकर पहुंचे, जहां प्रारंभिक इलाज के बाद उनकी स्थिति गंभीर बताई गई. सीएम हेमंत सोरेन को घटना की जानकारी मिली. उन्होंने बेहतर इलाज के लिए उन्हें एयर एम्बुलेंस से दिल्ली भेजने का निर्देश दिया. सोनारी एयरपोर्ट से उन्हें दिल्ली के अपोलो अस्पताल भेजा गया. एयरपोर्ट पर पूर्व सीएम अर्जुन मुंडा भी पहुंचे. उन्होंने बताया कि रामदास उनके अच्छे साथी हैं. उनकी तबीयत बिगड़ने से दुखी हैं. दिल्ली अपोलो के डायरेक्टर अनुपम से बात हुई है, जहां बेहतर इलाज होगा. मौके पर अर्जुन मुंडा, विधायक सबिता महतो, विधायक मंगल कालिंदी, कुणाल षाडंगी, झामुमो नेता राजू गिरी, रमेश हांसदा सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद थे. स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी ने सोरेन के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की. और बाद में वो भी दिल्ली चले गए. इरफान ने कहा, मैं लगातार उनकी स्थिति की निगरानी कर रहा हूं. आप सभी से दुआओं की अपील है. ईश्वर से प्रार्थना है कि वे शीघ्र स्वस्थ हों. इस बीच, रामदास सोरेन के बेटे सोमेश ने बताया कि उनके पिता की स्थिति यथावत है. दिल्ली के अपोलो अस्पताल में भर्ती होने के बाद उनको ऑपरेशन थिएटर ले जाया गया. मंत्री को गिरने के बाद ब्रेन स्ट्रोक आया जिसके बाद उनको टीएमएच ले जाया गया. वहां सीटी स्कैन के बाद पता चला कि उनको ब्रेन स्ट्रोक हुआ है. जिसके बाद आनन फानन में उनको एयरलिफ्ट कर दिल्ली ले जाया गया.

विधानसभा सत्र में हुए थे शामिल

बता दें कि शुक्रवार को झारखंड विधानसभा सत्र शुरू हुआ था. उसमें भाग लेने के बाद रामदास सोरेन शाम को अपने घर लौटे थे. उसी रात यह दुर्भाग्यपूर्ण घटना घटित हुई. प्रशासनिक अधिकारी और पार्टी नेता लगातार उनके स्वास्थ्य की जानकारी ले रहे हैं.

जल्द स्वस्थ होने की कामना : राज्य के मंत्री, अधिकारी और आम लोग मंत्री रामदास सोरेन के जल्द स्वस्थ होने की कामना कर रहे हैं. सरकार और चिकित्सा दल उनके इलाज में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं.

अस्पताल ने जारी किया बयान, हालत नाजुक है

अपोलो अस्पताल प्रशासन द्वारा जारी आधिकारिक बयान के अनुसार, मंत्री रामदास सोरेन की हालत बेहद नाजुक बनी हुई है और उन्हें जीवन रक्षक प्रणाली (लाइफ सपोर्ट सिस्टम) पर रखा गया है. वरिष्ठ चिकित्सकों की एक बहु-विशेषज्ञ टीम उनकी हालत पर लगातार नजर रख रही है और गहन चिकित्सा प्रदान की जा रही है. अस्पताल ने कहा कि हरसंभव प्रयास किए जा रहे हैं. आगे की जानकारी समय-समय पर साझा की जाएगी. सोरेन की तबीयत बिगड़ने की खबर के बाद राजनीति में भी हलचल तेज हो गई है. सरकार और उनके समर्थक उनके स्वस्थ होने की कामना कर रहे.

ज्वेलरी कारोबारी के ऑफिस में छापेमारी

कच्चे बिल पर बेचा लाखों का माल

शुभम संदेश। धनबाद

कई दस्तावेज जब्त

राज्य वाणिज्य कर विभाग धनबाद की अन्वेषण ब्यूरो की टीम ने कच्चे बिल पर सोने के गहनों की खरीद बिक्री का पर्दाफाश किया है. टीम ने बैंक मोड़ थाना क्षेत्र अंतर्गत शांति भवन स्थित श्री सामताइ इन्वेस्टमेंट नामक कंपनी के कार्यालय में शनिवार को छापामारी की. टीम द्वारा फिलहाल दो लाख रुपये जुर्माना वसूली करने की भी सूचना है. यह कार्रवाई जीएसटी चोरी को लेकर जुर्माना के रूप में हुई है. जुर्माने की राशि बढ़ने की संभावना है.

बताया जाता है कि साकेत भुवानिया नामक व्यक्ति की ओर से श्री सामताई इन्वेस्टमेंट कंपनी का संचालन किया जाता है. यह कंपनी मूल रूप से सोने के गहनों का थोकभाव में कारोबार करती है. कंपनी बिना जीएसटी बिल काटे ही गहनों की खरीद बिक्री कर रही थी. इसी जानकारी मिलने के बाद अन्वेषण ब्यूरो के शमीक कुमार के नेतृत्व में टीम ने छापामारी की. यह छापामारी सुबह करीब 11 बजे आरंभ हुई, जो देर रात नौ बजे तक चली. इस दौरान राज्य वाणिज्य कर अन्वेषण ब्यूरो के आधा दर्जन अधिकारियों को लगाया गया था. इसके साथ ही सुरक्षा को देखते हुए पुलिस की भी मदद ली गई. अभी तक की जांच में यह बात सामने आई है कि करीब 20 लाख रुपये मूल्य के गहनों की खरीद-बिक्री बिना जीएसटी बिल के हुई है. हालांकि इस मामले को लेकर विभागीय अधिकारी कुछ भी बताने से परहेज कर रहे हैं.

जीनागोड़ा एनटीएसटी परियोजना में यूनियनों की तनातनी

जीनागोड़ा लोडिंग प्वाइंट पर वर्चस्व का विवाद, काम रोका

शुभम संदेश। झरिया

डेढ़ वर्ष बाद खुले जीनागोड़ा एनटी एसटी एकीकृत परियोजना के लोडिंग प्वाइंट पर शनिवार को वर्चस्व को लेकर पुराने और नए यूनियन समर्थक मजदूरों के बीच तनाव उत्पन्न हो गया. रोजगार की मांग को लेकर जमसंघ (बच्चा गुट) के समर्थकों ने नॉर्थ तीसरा चेकपोस्ट के पास झंडा गाड़कर धरना दिया, जिससे लोडिंग प्वाइंट पर ट्रकों की आवाजाही रुक गई.

स्थिति तनावपूर्ण होते देख सुरंगा पंचायत के मुखिया विजय कालिंदी, प्रमुख पिंकी देवी और विभिन्न यूनियनों के नेता मौके पर पहुंचे. आधा दर्जन से अधिक यूनियन नेताओं ने पीओ को आवेदन सौंपकर अपने समर्थकों को रोजगार देने की मांग की.

(शेष पेज-11 पर)

रंगदारी मामले में मनोरंजन को मिली जमानत

धनबाद। न्यू माइंस कॉलोनी सुदमडीह निवासी शंभू यादव पर रंगदारी की मांग को लेकर जानलेवा हमला करने के मामले में आरोपित धनबाद थाना क्षेत्र के रहने वाले मनोरंजन सिंह की जमानत अर्जी पर सुनवाई शनिवार को मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी आरती माला की अदालत में हुई. बचाव पक्ष से अधिवक्ता जया कुमार व आयुष सिन्हा ने बहस की. वहीं सहायक लोक अभियोजक ने जमानत का विरोध किया. अदालत ने उभय पक्षों की दलीलें सुनने के बाद आरोपी को जमानत दे दी. ये है मामला: 7 जनवरी 2025 को ढाई बजे दिन में शंभू यादव भवन प्रमंडल धनबाद के कार्यालय में अपनी विपत्र के भुगतान की जानकारी लेने गए थे.

मतदान केंद्रों की जीईओ-फेंसिंग 11 से

शुभम संदेश। धनबाद

झारखण्ड के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी-सह-सचिव के रवि कुमार ने सभी जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्तों को पत्र लिखकर प्री-रिवीजन गतिविधियों के समयबद्ध निष्पादन के लिए निर्देश जारी किए हैं. यह निर्देश भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली के 5 जुलाई 2025 के पत्र के आधार पर दिया गया है. कहा गया है कि मतदान केंद्रों के जीईओ-फेंसिंग, नजरी-नक्शा तैयार करने और रेशनलाइजेशन से संबंधित कार्यों की प्रथम चरण की समीक्षा 28 और 29 जुलाई को की गई, जो संतोषजनक नहीं थी. समीक्षा के दौरान पाई गई त्रुटियों की जानकारी 31 जुलाई को आयोजित वीडियो कॉन्फ्रेंस में सभी जिलों के उप निर्वाचन पदाधिकारियों और निर्वाचक निबंधन पदाधिकारियों को दी गई. उन्हें त्रुटियों को सुधारकर शुद्ध प्रतिवेदन जमा करने का निर्देश दिया गया.

एक्सक्लूसिव

दूसरे चरण में 11 से 19 अगस्त 2025 तक विधानसभावार समीक्षा मंत्रिमंडल (निर्वाचन) विभाग, राँची के वीडियो कॉन्फ्रेंस कक्ष में होगी. इस दौरान निर्वाचक निबंधन पदाधिकारियों को मतदान केंद्रों की बीएलओ सेक्शन रिपोर्ट, जीईओ-फेंसिंग के लिए अक्षांश-देशांतर, नजरी-नक्शा, की-मैप, गूगल अर्थ मैप और विधानसभा क्षेत्रवार समेकित रेशनलाइजेशन रिपोर्ट के साथ उपस्थित होने और प्रस्तुति देने का निर्देश दिया गया है. मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने सभी जिला निर्वाचन पदाधिकारियों से अनुरोध किया है कि वे संबंधित अधिकारियों को निर्धारित प्रतिवेदनों के साथ बैठक में भाग लेने के लिए निर्देशित करें. यह कदम आगामी निर्वाचन प्रक्रिया को और अधिक पारदर्शी और व्यवस्थित बनाने के लिए उठाया गया है.

लौटी रौनक धनबाद-रांची इंटरसिटी ट्रेन को किया रवाना, लोगों में खुशी की लहर

सांसद सीपी चौधरी और ढुलू महतो ने दिखाई हरी झंडी

शुभम संदेश। मधुबन

धनबाद चन्द्रपुरा रेल खंड में स्थित फुलारीटांड़ रेलवे स्टेशन में शनिवार की सुबह धनबाद- रांची इंटरसिटी को गिरीडीह सांसद चंद्र प्रकाश चौधरी,धनबाद सांसद ढुलू महतो, फुलारीटांड़ नागरिक विकास मंच के अध्यक्ष सह पूर्व मुखिया दिलीप कुमार विश्वकर्मा ने हरी दिखाकर गंतव्य के लिए रवाना किया. इससे पूर्व दोनों सांसद सहित लोगों ने स्टेशन पर गाड़ी के चालक को फूलमाला पहनाकर व मिठाई खिलाकर स्वागत किया. इस दौरान फुलारीटांड विकास मंच द्वारा स्टेशन परिसर में दोनों सांसद को गुलदस्ता भेंट कर गाड़ी की ठहराव होने को लेकर आभार प्रकट किया गया. मौके पर गिरीडीह सांसद चन्द्र प्रकाश चौधरी ने कहा कि आस पास के लोगों को रांची सहित अन्य जगहों में जाने के लिए अधिक समय व एक लंबी दूरी तय करनी पड़ती थी. काफी दिनों से यहां की जनता की मांग थी. आगे भी जनता से जुड़ी जन समस्याओं को लोकसभा में उठाकर समाधन करने का काम करेंगे. धनबाद सांसद ढुलू महतो ने कहा कि हम ओर हमारे गिरीडीह के सांसद चन्द्र प्रकाश चौधरी ने कतरास ,लोयाबाद व फुलारीटांड आदि स्टेशन में कोरोना काल के पूर्व जितना भी ट्रेनें बंद हुईं हैं, उन्हें चालू करने के लिए निरंतर प्रयास में लगे हुए थे, उसी प्रयास का परिणाम है और आगे भी हमलोग जनता के डिमांड के अनुसार अन्य ट्रेन की ठहराव की प्रयास किया जाएगा. फुलारीटांड़ नागरिक विकास मंच के अध्यक्ष दिलीप कुमार विश्वाकर्मा ने कहा कि फुलारीटांड़ नागरिक विकास मंच के सदस्यों द्वारा लोगों की ट्रेन ठहराव की मांग को लेकर गिरीडीह सांसद धनबाद सांसद से हमेशा सम्पर्क में थे एवं ट्रेन ठहराव की मांग रेलवे के खिलाफ विरोध कई बार विरोध प्रदर्शन भी किया था. शनिवार की शाम को भी फुलारीटांड नागरिक विकास मंच के सदस्यो द्वारा रांची गोड्डा एक्सप्रेस को हरि झंडी दिखाकर रवाना किया गया. ट्रेनों का परिचालन फिर से शुरू होने पर जनता में खुशी की लहर है. फुलारीटांड़ रेलवे स्टेशन एक बार फिर से गुलजार हो गया है.शनिवार की शाम को रांची गोड्डा एक्सप्रेस में दर्जनों यात्रियों ने यात्रा टिकट लेकर सफर किया. मालूम हो कि रेलवे द्वारा धनबाद चंद्रपुरा रेल लाइन को अग्नि प्रभावित क्षेत्र मानकर ट्रेन का परिचल बंद कर दिया था. मौके पर सांसद प्रतिनिधि सुभाष रवानी, पूर्व मुखिया दिलीप कुमार विश्वकर्मा, मुखिया राजा लाला, भजपा नेता धनेश्वर महतो, विधायक प्रतिनिधि धीरेन लाल, बबलू सिंह, मो डब्लू, ओम प्रकाश कुँवर, नरेश हरि, मोहन रवानी, औरंगजेब मल्लिक, मदन रवानी, दिनेश यादव, प्रमोद गुप्ता आदि नेता व ग्रामीण उपस्थित थे.

सड़क नहीं होने से पिता ने बेटे के शव को 4 किलोमीटर तक कंधे पर ढोया

चतरा। जिले के प्रतापपुर प्रखंड अंतर्गत कुब्बा गांव से एक अत्यंत मार्मिक और चिंताजनक घटना सामने आई है. गांव के निवासी भोला गंझू को अपने 8 वर्षीय बेटे अजय के शव को चार किलोमीटर तक कंधे पर ढोकर ले जाना पड़ा, क्योंकि उनके गांव तक पहुंचने के लिए कोई पक्की सड़क नहीं है, जिससे एम्बुलेंस सेवा उपलब्ध नहीं हो सकी. घटना शुक्रवार की है, जब अजय स्कूल से लौटते समय अपने दोस्तों के साथ तालाब में नहाने चला गया. नहाते समय उसका पैर फिसल गया और वह गहरे पानी में डूब गया. जब तक ग्रामीण मौके पर पहुंचे, अजय की मौत हो चुकी थी. भोला गंझू ने बताया कि घटना की सूचना पुलिस और प्रशासन को दी गई, लेकिन कोई मदद समय पर नहीं पहुंची.

एमपीएल के सभी गेटों पर बैठा कामगार यूनियन

- नहीं मानी बातें तो अनिश्चितकालीन चलेगा धरना : अरुप चटर्जी

शुभम संदेश। निरसा

पूर्व घोषित कार्यक्रम के अनुसार शनिवार को एमपीएल की हठधर्मिता, तानाशाही व मनमानी के विरुद्ध एमपीएल कामगार यूनियन न एमपीएल के सभी गेटों को बन्द कर धरना पर बैठ गये. धरना में निरसा हाईवा परिवहन स्वावलंबी सहकारी समिति लिमिटेड के सचिव भी अपने समर्थकों के साथ 11 सूत्री मांगों को लेकर धरना में शामिल हो गई है. धरना में निरसा विधायक अरुप चटर्जी मुख्य रूप से उपस्थित थे.

(शेष पेज-11 पर)

अधिकारियों के चैंबर टपक रहे, दीवारों में सीलन

- सिजुआ क्षेत्र की कोलियरियां बदहाल

शुभम संदेश। लोयाबाद

सिजुआ क्षेत्र की बांसजोड़ा, लोयाबाद, कनकनी और बासदेवपुर कोलियरी कार्यालयों की स्थिति इन दिनों लगातार बारिश के कारण चिंताजनक हो गई है. जहां एक ओर बीसीसीएल मुनाफे और विकास की बात करती है,वहीं दूसरी ओर कोलियरी कार्यालयों की टपकती छतें, गीले दस्तावेज और जर्जर दीवारें कंपनी के रख-रखाव की अलग ही कहानी बयान कर रही हैं. बारिश के चलते कार्यालयों की छतों से लगातार पानी टपक रहा है, जिससे कंप्यूटर, रिकॉर्ड और जरूरी फाइलें भीग रही हैं. बांसजोड़ा कोलियरी के सर्वे सेक्शन में कर्मचारी मजबूरी में कंप्यूटर को प्लास्टिक और कपड़ों से ढांककर किसी तरह काम चला रहे हैं. कोलियरियों के अधिकारियों के चेम्बर भी जर्जर हो चुके हैं. कई चेम्बरों में सीलिंग टूटकर गिर चुकी हैऔर दीवारें इतनी खराब हैं कि उन्हें कपड़ों से ढककर छिपाया जा रहा है ताकि बाहर से देखने वालों को स्थिति की गंभीरता का अंदाजा न लगे.

रिकॉर्ड और दस्तावेज हो रहे नष्ट : छत से पानी टपकने के कारण पुराने दस्तावेज और रजिस्टरों में रखी गई फाइलें भी भीग रही हैं. कर्मचारी बताते हैं कि अगर जल्द मरम्मत नहीं हुई,तो रिकॉर्ड ढूंढना मुश्किल हो जाएगा और प्रशासनिक कार्य बुरी तरह बाधित हो सकता है. एक वरिष्ठ अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर बताया,इन कार्यालयों की इमारतें वर्षों पुरानी हैं लेकिन अब तक किसी भी तरह की मरम्मत या विकास कार्य नहीं हुआ है. मुख्यालय इस पर क्या सोच रहा है,इसकी जानकारी हमें भी नहीं है.

लोयाबाद कार्यालय परिसर में जल जमाव : लोयाबाद कोलियरी कार्यालय परिसर भी इस बदहाली से अछूता नहीं है. बारिश होते ही पूरा कैंपस जलमग्न हो जाता है,और इसका असर एक-दो दिन तक बना रहता है. इस दौरान मजदूरों और कर्मचारियों को कीचड़ और पानी से होकर दफ्तर तक पहुंचना पड़ता है. इन कोलियरीयो में कार्यरत कुछ मजदूरों ने कहा कि बीसीसीएल के कोलियरी कार्यालयों की मौजूदा स्थिति कर्मचारियों के लिए मुसीबत भरा है.हमलोगों के महत्वपूर्ण दस्तावेजों के नष्ट होने भविष्य में अराजकता का कारण भी बन सकती है. जरूरत है कि बीसीसीएल प्रबंधन इस बुनियादी समस्या पर गंभीरता से ध्यान दें और स्थायी मरम्मत योजना पर तत्काल कार्य आरंभ करे.

हर्टस मिशन स्कूल ने किया पौधरोपण

गोमो (शुभम संदेश)। खेशमी स्थित सेक्रेट हर्टस मिशन स्कूल में शनिवार को एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम के तहत विभिन्न जाति के फलदार व छाया देनेवाले पौधों लगाए गए. प्रभारी प्रधानाध्यापक रविन्द्र कुमार महतो की अगुवाई में शिक्षकों एवं छात्रों के साथ विद्यालय परिसर के अलावे अन्य बाहरी इलाकों में पौधारोपण किया. प्रभारी ने छात्र छात्राओं को वृक्ष लगाने और सरंक्षण की जानकारी देते हुए पर्यावरण संरक्षण की विस्तृत जानकारी दी. इन्होंने सभी छात्रों को अपने-अपने घरों के आसपास कम से कम एक पौधा लगाने और उसकी सुरक्षा का शपथ दिलायी. साथ ही दूसरे को भी पौधा लगाने के लिये प्रेरित करने की बात कही. मौके पर शिक्षक प्रदीप कुमार गुप्ता, मो इस्लाम अंसारी, आसार केरियार, शुभम मंडल, पायल मंडल, प्रिया कुमारी, रिया कुमार, डाली शर्मा, सोनाली कुमारी सहित कई छात्र - छात्रा शामिल रही.

न्यूज अपडेट

बीसीसीएल कर्मी के आवास से लाखों की चोरी

महुदा (शुभम संदेश)। महुदा मोड़ के अंबेडकर नगर स्थित बीएसएल कर्मी पांडव कुमार दास के घर का ताला तोड़कर अज्ञात अपराधियों के दल ने लगभग 2 लाख से अधिक की संपत्ति चोरी कर ली. पांडव कुमार दास ने बताया कि वह अपने परिवार के साथ बोकारो के सेक्टर 3A क्वार्टर में रहते हैं और बीएसएल में कार्यरत है. महुदा मोड अंबेडकर नगर स्थित उसका नया घर बंद रहता है. शनिवार प्रातः उनके पिता युगल दास कांड़ा बस्ती से उसके निवास पर सब्जी तोड़ने आए थे तो देखा कि घर के सभी ताले टूटे हुए हैं. घर के अंदर रखी अलमारी भी टूटी हुई है. उन्होंने फोन पर घटना की जानकारी उन्हें दी. सूचना मिलते ही पांडव दास तुरंत अंबेदकर नगर महुदा मोड़ पहुंचे तो देखा कि घर में लगे सभी 10 ताले टूटे हुए हैं.अलमारी में रखें नगद 5 हजार रुपये, सोने की चेन, चांदी की पायल, दो जोड़े, एक जोड़ा सोने के कान बाली, कांसा का बर्तन, थाली, लोटा, गिलास आदि सब सामान गायब है. इन्होंने चोरी गए सामानों एवं नुकसान की अनुमानित कीमत 2 लाख से अधिक बताई. इस संबंध में उन्होंने महुदा पुलिस को लिखित शिकायत देकर कार्रवाई करने की मांग की है. घटना की सूचना पाकर महुदा पुलिस उसके आवास पहुंची तथा छानबीन शुरू की. थाना प्रभारी देवानंद प्रसाद ने बताया कि जांच पड़ताल की जा रही है, जल्द ही अपराधी पुलिस के शिकंजे में होंगे.

अधिकारियों को करना पड़ा विरोध का सामना

महुदा (शुभम संदेश)। पश्चिमी झरिया क्षेत्र महुदा समूह के कुछ अधिकारियों को शनिवार प्रातः मुरलीडीह 13 नं. में ग्रामीणों के विरोध का सामना करना पड़ा. बताया जाता है कि महुदा समूह के अपर महाप्रबंधक दीपक कुमार एवं सुरक्षा पदाधिकारी एम एच कुरैशी शनिवार प्रातः क्षेत्र में भ्रमण कर लौट रहे थे. इसी दौरान मुरलीडीह 18 नं. के समीप रह रहे बीसीसीएल क्वार्टर के कुछ महिलाएं एवं ग्रामीणों ने दोनों अधिकारियों के वाहन को रोक दिया. पानी एवं बिजली चालू करने की मांग करने लगे. अधिकारियों के वाहन के आगे खड़े होकर प्रदर्शन करने लगे. इस दौरान सीआईएसएफ के अधिकारी ग्रामीणों को काफी समझाने का प्रयास किया, लेकिन महिलाएं किसी भी स्थिति में मानने को तैयार नहीं थे. स्थिति बिगड़ता देख दोनों अधिकारी वहां से वापस चले गए.

मायुमं ने गो सेवा कर मनाया जीवनदाता वंदन उत्सव

झरिया (शुभम संदेश)। अखिल भारतीय मारवाड़ी युवा मंच के तत्वावधान में जीवनदाता वंदन उत्सव पखवाड़ा के अंतर्गत शनिवार को झरिया-धनबाद गौशाला परिसर में प्रेरणादायक कार्यक्रम का आयोजन किया गया. मारवाड़ी युवा मंच की झरिया शाखा द्वारा आयोजित कार्यक्रम में गौ सेवा, तूलादान व सामूहिक वंदन जैसे सांस्कृतिक आयोजन सम्पन्न हुए. कार्यक्रम की शुरुआत प्रातः 7 बजे गौ सेवा से हुई, जिसमें मंच के सदस्यों ने चारा अर्पित कर गौ माता की सेवा भावना प्रकट की. इसके उपरांत जीवनदाताओं (माता-पिता) का प्रतीकात्मक तूलादान किया गया. प्रतिभागियों ने अपने माता-पिता के प्रति श्रद्धा व कृतज्ञता भाव प्रकट किया. सामूहिक वंदन के दौरान सभी ने माता-पिता के चरणों में नमन कर आशीर्वाद ग्रहण किया. संयोजक गौतम अग्रवाल ने कहा कि माता-पिता और गौ माता की सेवा भारतीय संस्कृति की आत्मा है. यह केवल परंपरा नहीं, बल्कि जीवन मूल्य हैं, जिन्हें आने वाली पीढ़ी तक पहुँचाना हमारा दायित्व है. मंच के अध्यक्ष डॉ. मनीष शर्मा ने आयोजन को नई पीढ़ी को अपनी जड़ों से जोड़ने का प्रभावी माध्यम बताया. उन्होंने कहा कि ऐसे प्रयासों से समाज में सकारात्मक ऊर्जा और सांस्कृतिक चेतना का विस्तार होता है. कार्यक्रम में सन्नी अग्रवाल, किरण शर्मा, खुशबू अग्रवाल, हितेन शर्मा, अंकित तुलस्यान, सुनीता शर्मा, मयंक केजरीवाल सहित अनेक सदस्य एवं परिजन मौजूद रहे.

निरसा सीओ को दी गई विदाई

निरसा (शुभम संदेश)। निरसा प्रखंड में निरसा अंचलाधिकारी रमेश रिवदास को विदाई दी गई. मंच पर उपस्थित निरसा प्रमुख आशा देवी निरसा, प्रखंड विकास पदाधिकारी इंद्रलाल, निरसा प्रखंड के कर्मचारी व विभिन्न पार्टी के नेता के उपस्थित थे. सीओ ने कहा कि निरसा प्रखंड के कर्मचारी और निरसा के जनता से काफी प्यार और सहयोग मिला. विदाई समारोह में उपस्थित बृहस्पति पासवान, सूरज रविदास, कृष्णानंद रवानी, द्वारका रविदास मौजूद थे.

कामेश्वर धाम में श्री शिव महापुराण का आयोजन

मधुबन (शुभम संदेश)। सिनिडीह जिंक कॉलोनी स्थित कामेश्वर धाम शिव मंदिर प्रांगण में आयोजित श्री शिव महापुराण कथा ज्ञान सप्ताह के पांचवें दिन श्रद्धा और भक्ति का अद्भुत संगम देखने को मिला. पंडाल में उमड़े श्रद्धालुओं की भीड़, हर-हर महादेव के जयघोष और भक्तिभाव से ओतप्रोत वातावरण ने आयोजन को अलौकिक बना दिया. कथा वाचक आचार्य श्री कन्हैया द्विवेदी जी महाराज ने शनिवार को सत्य, भक्ति और शिव तत्व के गूढ़ रहस्यों को सहज, प्रभावशाली शैली में प्रस्तुत किया. उन्होंने धर्म, सेवा और करुणा के मार्ग पर चलने का संदेश दिया. विशेष आकर्षण के रूप में कतरास धनबाद से पधारे श्रद्धेय नवीन गुप्ता 'झांकीवाले' द्वारा भगवान राधे-कृष्ण की भव्य झांकी प्रस्तुत की गई. वृंदावन की अनुभूति कराती इस दिव्य झांकी ने श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया. रासलीला के सुंदर दृश्य और प्रेम की भावनात्मक अभिव्यक्ति ने उपस्थित जनसमूह को मंत्रमुग्ध कर दिया. श्रद्धालुओं ने नवीन गुप्ता की कलात्मकता और सेवा भावना की सराहना की. झांकी ने न केवल मनोरंजन किया, बल्कि भक्तों को भगवान की लीलाओं से भी जोड़ने का कार्य किया. कार्यक्रम के अंत में प्रसाद वितरण किया गया. आयोजकों ने बताया कि आगामी दिनों में और भी विशेष कथाएं एवं झांकियों का आयोजन किया जाएगा.

ब्रीफ खबरें

ट्रैक्टर पलटने से मरने वालों के आश्रितों को दस लाख का मुआवजा

झरिया। निरसा में शुक्रवार को ट्रैक्टर पलटने से कपूरगढ़ा निवासी सह श्री राम कंपनी के कर्मी मो. अजीज उर्फ डोमा व महेंद्र सिंह की मौत हो गई थी.इन दोनों के परिवार वालों को मुआवजा व घायल मो.सोनू के उचित इलाज को लेकर शनिवार को कपूरगढ़ा मे श्री राम कंपनी व ग्रामीणों के बीच वार्ता हुई.जिसमें दोनों मृतक के परिवार वालों को 10 लाख मुआवजा के अलावा दाह संस्कार के लिए दो लाख देने पर सहमति बनी. साथ ही मृतक के परिवार के एक व्यक्ति को कंपनी में नौकरी भी दी जाएगी. घायल सोनू का समुचित इलाज व तत्काल 50 हजार देने दिया गया. तीनों ट्रैक्टर लेकर शुक्रवार को कंपनी के काम से ही निरसा गए थे. वार्ता में श्री राम कंपनी के प्रबंधक सादिक व मदन गोपाल,बोरागढ़ ओपी प्रभारी निरंजन कुमार थे.वहीं ग्रामीणों की ओर से गुड्डू खान,शशि सिंह, टनटन सिंह,मो.जफरू,रूपू खान,मिथुन यादव, निर्भय सिंह, बंटी सिंह ,कुलदीप महतो, फरीद मलिक, दिलीप महतो ,कृष्णा चौहान, लक्ष्मण चौहान, प्रकाश सिंह,अरुण सिंह, मोहम्मद मुख्तार, सहित अन्य थे.

कालेज प्रबंधन की अनदेखी बर्दाश्त नहीं : हजारी

कतरास। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद कतरास कॉलेज इकाई द्वारा कतरास कॉलेज में राष्ट्रीय कैडेट कोर की बहाली एवं व्यवस्थित संचालन को लेकर लंबे समय से संघर्ष किया जा रहा था. इस मुद्दे को लेकर परिषद के कार्यकर्ताओं ने कॉलेज प्राचार्य को बार-बार ज्ञापन सौंपा और कॉलेज प्रशासन का ध्यान इस ओर आकर्षित किया. परिषद के सक्रिय छात्र नेता शुभम हज़ारी ने इस आंदोलन की अगुवाई की और कहा, कि एनसीसी न केवल विद्यार्थियों को अनुशासन सिखाता है, बल्कि राष्ट्रसेवा की भावना भी जागृत करता है. कॉलेज प्रशासन की अनदेखी को एबीवीपी बर्दाश्त नहीं करेगी. ऋषि लाल के नेतृत्व में एबीवीपी के कार्यकर्ताओं ने कॉलेज प्रांगण में शांतिपूर्ण विरोध, छात्रों से संवाद और जनजागरण अभियान चलाया. लगातार दबाव और छात्रों की एकता के परिणामस्वरूप, कॉलेज प्रशासन को मानना पड़ा और एनसीसी की बहाली को लेकर लिखित आश्वासन दिया गया. कहा कि यह जीत न केवल एबीवीपी के संघर्ष की प्रतीक है, बल्कि उन सैकड़ों युवाओं के भविष्य की भी सुरक्षा करती है जो एनसीसी के माध्यम से देशसेवा का सपना देखते हैं. एबीवीपी यह स्पष्ट करती है कि वह भविष्य में भी छात्र हितों के लिए इसी प्रकार संघर्षशील रहेगी.

निवास बने झाकोमयू के केंद्रीय सदस्य

केंदुआ। लोयाबाद कोक प्लांट के निवास रजवार को झारखण्ड कोलियरी मजदूर यूनियन का केंद्रीय सदस्य मनोनित किया गया है. इस सबन्ध में संगठन द्वारा सदस्यों की सूची जारी की गई है. मनोनयन पर सुरेश रजवार,राम सेवक प्रजापति, चंडी हरि,सन्तोष पासवान,राजेन्द्र जसवारा ने बधाई दी है.

शहीद शक्ति नाथ महतो की 77वीं जयंती मनाई गई

इंटर कॉलेज सिजुआ में क्विज प्रतियोगिता

शुभम संदेश। महुदा

शहीद शक्ति नाथ महतो स्मारक इंटर कॉलेज सिजुआ में झारखंड के क्रांतिदूत शहीद शक्ति नाथ महतो की 77वीं जयंती के अवसर पर कला, वाणिज्य एवं विज्ञान तीनों संख्याओं के कक्षा 11वीं एवं 12वीं के छात्रों के बीच क्विज प्रतियोगिता का आयोजन के अलावे फुटबॉल मैच खेला गया. जिसका उदघाटन विधायक सह सत्तारूढ़ दल के मुख्य सचेतक मथुरा प्रसाद महतो ने किया. झारखंड जनरल नॉलेज, झारखंड के महापुरुष शहीद शक्ति नाथ महतो, विनोद बिहारी महतो, भगवान बिरसा मुंडा जैसे महापुरुषों पर सवाल रखे गए थे. इस परीक्षा के तीन टॉपर छात्रों जिसमें प्रथम अंशु कुमार महतो विज्ञान प्रथम वर्ष 42 अंक, द्वितीय सुषमा कुमारी विज्ञान संकाय द्वितीय वर्ष 38 अंक, एवं तृतीय स्थान अंकित कुमार संकाय कल प्रथम वर्ष 34 अंक,को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर सम्मानित किया जाएगा. महाविद्यालय प्राचार्य डॉ अरुण कुमार महतो सहित शिक्षक एवं कर्मचारी ,छात्र-छात्राओं ने शहीद स्मारक पहुंचकर शहीदवेदी पर माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किया. महाविद्यालय में फुटबॉल टूर्नामेंट का आयोजन भी किया गया. जिसने महाविद्यालय 4-0 से शाहिद शक्ति नाथ महतो स्मारक हाई स्कूल से जीत दर्ज किया. महाविद्यालय प्राचार्य डॉ अरुण कुमार महतो, डॉ अरुण कुमार महतो, प्रो मोकितउद्दीन, प्रो रमेश प्रसाद,प्रो समीर कुमार महतो, प्रो राखोहरी महतो, प्रो राजू महतो, प्रो मनोज कुमार महतो,प्रो मेघनाथ महतो, प्रो राकेश कुमार महतो,प्रो दिनेश मधेशिया, प्रो राजकुमार प्रसाद , प्रो पंचानन सिंह चौधरी, प्रो शेखर महतो,प्रो चमन महतो, प्रो राजकुमारी, प्रो प्रियंका कुमारी, इंदु कुमारी, नेहा कुमारी, मोहित कुमार महतो, जितेंद्र महतो , तेंदुलकर भट्ट, चक्रधर महतो, अभिमन्यु महतो, मोहित महतो,लालू महतो, भुनेश्वर महतो,शांति देवी ,लाजवंती देवी, अनीता देवी, फूल कुमारी, शंकर महतो, प्रदीप महतो, पंकज महतो एवं छात्र छात्राएं मौजूद रहे.

इप्टा ने मनायी शहीद शक्तिनाथ महतो की जयंती

तेतुलमारी। शहीद शक्तिनाथ महतो की 77 वीं जयंती तेतुलमारी के शक्ति चौक में शनिवार को मनाई गई. इप्टा के कलाकारों ने कई देशभक्ति गीत प्रस्तुत किया. कार्यक्रम के पश्चात जरूरतमंदों के बीच अन्न व वस्त्र वितरण किया गया. वहीं स्कूली छात्राओं के बीच पाठ्य समाग्री वितरण किया गया. कार्यक्रम की शुरुआत बलिदानी शक्ति नाथ महतो की पुत्री अंजना देवी ने उसके आदमकद प्रतिमा की पूजा अर्चना कर शुरू किया. उपस्थित बोकारो जिला के जिला परिषद अध्यक्ष सुनीता देवी ने कहा कि जब शहीद की जयंती और पुण्यतिथि मनाई जाती है. उसी समय लोग बडी बडी भाषण देकर चले जाते हैं. लेकिन शहीद के बताए गये मार्ग पर चलने की बात नहीं कहते हैं. कहा कि शक्तिनाथ महतो की सच्ची श्रद्धांजलि तभी होगी जब लोग उसके बताए गए मार्ग पर चले. वे इमानदार और सच्चे सिपाही थे. बोकारो जिला में उनकी तस्वीर लगाने की मांग की. माल्यार्पण करने वालों में विधायक मथुरा प्रसाद महतो, जिप उपाध्यक्ष शारदा सिंह, मो आजाद,भाकपा माले नेता हलधर महतो, रमेश टुडू, रतिलाल टुडू, सूरज महतो, मोतीलाल महतो, कंचन महतो, राजेंद्र प्रसाद राजा, नरेश महतो,लखी सोरेन, छोटू सिंह,शंकर किशोर महतो, मनोज रवानी,यदुनाथ सिंह चौधरी,जितेन्द्र नाथ महतो, दीपनारायण सिंह, सपन पंडित, ठाकुर महतो, सुनील महतो, आनंद मंडल, संतोष मंडल,प्रफुल मंडल, घंटू त्रिगुनाइत आदि शामिल थे.

क्रान्तिदूत शहीद शक्ति नाथ महतो की 77 वीं जयंती

महुदा। आजाद सिजुआ में क्रान्तिदूत शहीद शक्ति नाथ महतो का 77 वीं जयंती मनाई गई. इस अवसर पर उनकी पत्नी सहित अन्य परिजनों द्वारा पूजा अर्चना कर आदमकद प्रतिमा पर जलाभिषेक के साथ माल्यार्पण किया गया. द विधायक सह सत्तारूढ दल के मुख्य सचेतक मथुरा प्रसाद महतो द्वारा झण्डा फहराया गया. फिर स्मारक में माला पहनाया. इनके अलावे मुख्य रूप से पूर्व मंत्री जलेश्वर महतो, झामुमो जिला अध्यक्ष लखी सोरेन, जिला सचिव मन्नु आलम, अधिवक्ता निर्मल कुमार रवानी, राधेश्याम गोस्वामी, नन्द किशोर पाण्डे, झामुमो के यूवा नेता दिनेश कमार महतो, बसन्त कुमार महतो, बाबु नाथ महतो, मनोज कुमार महतो, डॉ0 अरूण कुमार महतो, सोहराय महतो, मनोज कुमार महतो, तिलकेश्वर महतो, मो0 जब्बार अन्सारी, रा रंजित महतो, सहित अन्य ने माल्यार्पण किया. इस अवसर पर शहिद शक्ति नाथ महतो इन्टर कॉलेज सिजुआ के छात्राओं ने सांस्कृतिक गीत संगीत प्रस्तुत किया.

गोड़तोपा प्रधानाध्यापक को दी ससम्मान विदाई

शुभम संदेश। गोविंदपुर

उत्क्रमित मध्य विद्यालय गोड़तोपा में प्रधानाध्यापक दिनेश कुमार राय की अवकाश प्राप्ति पर आयोजित विदाई सह सम्मान समारोह का आयोजन किया गया. इस अवसर पर पूर्व उप प्रमुख डीएन सिंह ने कहा कि बतौर मुख्यअतिथि ने अवकाश प्राप्ति के बाद भी शिक्षक की प्रासंगिकता बनी रहती है. समारोह की अध्यक्षता शिक्षक संघ के जिला अध्यक्ष नीलकंठ मंडल ने की. मौके पर दिनेश राय ने कहा कि सभी के सहयोग से ही विद्यालय का विकास किया. इस अवसर पर विद्यालय परिवार और उपस्थित लोगों ने उन्हें उपहार प्रदान कर सम्मानित किया. कार्यक्रम में शिक्षक नेता बासुदेव गोस्वामी, एसएन लाल त्यागी, आदित्य मिर्धा, सपन महतो, चंदेश्वर प्रसाद सिंह, कासिम अंसारी, इमामुद्दीन अंसारी, अनिल सिंह, अशोक मंडल, उजैर खान, डॉ रहमान अंसारी, राजकुमार गिरि, मथन दसौधी, रामचंद्र मिश्र, डॉ आरके शर्मा, एचएम चंद्रभूषण तिवारी आदि समेत दर्जनों शिक्षक एवं ग्रामीण मौजूद थे.

जय धरती मां फाउंडेशन चला रहा पौधरोपण अभियान

शुभम संदेश। कतरास

शनिवार को जय धरती मां फाउंडेशन की ओर से पौधारोपण महा अभियान के तहत राजकीयकृत्त भागीरथ ब्रह्मचारी उच्च विद्यालय राजगंज धनबाद, पीएम श्री आदर्श मध्य विद्यालय राजगंज धनबाद, राजगंज इंटर कॉलेज, बालिका मध्य विद्यालय राजगंज धनबाद एवं राजकीय आदिवासी प्राथमिक विद्यालय बागदाहा में पौधारोपण संपन्न हुआ. कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जय धरती मां फाउंडेशन के संस्थापक रवि कुमार निषाद ने पौधों का महत्व बताया. जिला सचिव सहदेव महतो ने सभी छात्र-छात्राओं को पौधारोपण एवं उनके संरक्षण के लिए शपथ दिलाई. इस अवसर पर विभिन्न विद्यालयों के प्रधानाचार्य, शिक्षक गण छात्र एवं छात्राओं ने मिलकर आम, अमरूद, नीम, पीपल ,बरगद, नींबू आदि के पौधे लगाए एवं उनके संरक्षण के लिए शपथ लिया. कार्यक्रम को सफल बनाने में जय धरती मां फाउंडेशन के संस्थापक रवि कुमार निषाद सह संस्थापक रंजीत कुमार, कार्यक्रम प्रभारी शमशेर अली उर्फ राजू, जनजातीय कल्याण पदाधिकारी सुधीर हेंब्रम ,जिला सचिव सहदेव महतो, मीडिया प्रभारी कुणाल रंजन, विनोद बिहारी ज्ञान ज्योति ट्रस्ट के संयोजक शंकर किशोर महतो, जितेंद्र नाथ महतो आरबी उच्च विद्यालय के प्रधानाध्यापक आनंद कुमार, पीएम श्री आदर्श मध्य विद्यालय के प्रधानाध्यापक रामानंद पासवान राजगंज इंटर कॉलेज के वरीय लिपिक भुवनेश्वर महतो बालिका मध्य विद्यालय रायगंज के प्रधानाध्यापक अकलू मोहल्ले आदिवासी प्राथमिक विद्यालय के प्रधानाध्यापक दीपक कुमार झा आदि मुख्य रूप से उपस्थित थे.

बिजली नहीं मिलने से दो लाख की आबादी परेशान

डीवीसी सप्लाई लाइन में फाल्ट के बाद उड़े जंपर, हांफते रहे कर्मी

शुभम संदेश। लोयाबाद

लोयाबाद में शुक्रवार दोपहर से शुरू हुआ बिजली संकट शनिवार को भी बरकरार रहा.करीब 24 घंटे से बिजली पूरी तरह ठप है, जिससे दो लाख की आबादी उमस भरी गर्मी में बेहाल हो चुकी है. जेवीएनएल और बीसीसीएल दोनों की बिजली आपूर्ति व्यवस्था एक साथ फेल हो जाने से हालात और गंभीर हो गए हैं. जानकारी के अनुसार, शुक्रवार दोपहर डीवीसी की सप्लाई लाइन में फॉल्ट हुआ. कई स्थानों पर जम्पर ब्लास्ट होने की बात कही गई है. फॉल्ट के बाद डीवीसी कर्मियों ने देर रात तक पेट्रोलिंग कर मरम्मत का प्रयास किया, लेकिन जब लाइन दोबारा चालू हुई तो पावर टिक नहीं सका. थक-हारकर कर्मी लौट गए और सुबह मरम्मत करने की बात कही. शनिवार को एकबार फिर से लाइन चालू किया. लाइन चार्ज हुई तो बांसजोड़ा जेवीएनएल के आरएस मे डीवीसी फीडर में बलास्ट हो गया. आरएस कर्मियो ने तुरंत डीवीसी को सूचना दी. डीवीसी कर्मी तब से बलास्ट जम्फर की मरम्मती मे लगे हुए है. शाम तक बिजली आपुर्ति की बात कही गयी है. बिजली संकट का सीधा असर आम जनों के साथ बीसीसीएल के संचालन पर भी पड़ा है. बांसजोड़ा कोलियरी में पंपिंग पूरी तरह बंद है,जिससे पीट वाटर सप्लाई भी ठप हो गई है.हांलाकि बांसजोड़ा काटाघर को जनरेटर सुविधा से चलाया जा रहा है.वही सीएचपी बंद रहा. बिजली विभाग की माने तो डीवीसी की 33 हजार वोल्ट की दो फीडर लाइनें फेल हैं,साथ ही एक अल्टरनेट फीडर भी काम नहीं कर रहा है. इससे पूरे क्षेत्र में बिजली आपूर्ति रुक गई है. सूत्रों के मुताबिक,पुटकी डीवीसी और बांसजोड़ा जेवीएनएल सब-स्टेशन के बीच की 33 हजार हाईटेंशन लाइन में अक्सर फॉल्ट होता रहता है,कभी जम्फर ब्लास्ट, कभी तार कटकर गिरना. डीवीसी इस समस्या का ठीकरा जेवीएनएल पर फोड़ता है, जबकि जेवीएनएल इससे इंकार करता है. डीवीसी का मानना है कि जेवीएनएल के पुराने तार और स्विचों के उलझाव के कारण बार-बार फॉल्ट उत्पन्न हो रहा है. इधर आरएस इंचार्ज एसडीओ राकेश महतो ने जानकारी दी कि कतरास साइड के बीसीसीएल फीडर से वैकल्पिक रूप से कुछ सप्लाई चालू की गई है, लेकिन डीवीसी की समस्या क्या है,इसकी उन्हें जानकारी नहीं है.

ब्रीफ खबरें

जुआ खेलने के दौरान गोली मारकर हत्या

बोकारो। माराफारी थाना क्षेत्र के बांसगोड़ा में शनिवार देर शाम जुआ खेल रहे मंटू दास की गोली मारकर हत्या कर दी गई. पुलिस के अनुसार, इस घटना में चार लोग शामिल हैं. मंटू दास अपने कुछ साथियों के साथ एक घर के अंदर शराब पीते हुए जुआ खेल रहे थे. तभी दो मोटरसाइकिलों पर सवार होकर चार लोग वहाँ आए और उनसे पैसे मांगने लगे. मंटू दास ने जब पैसे देने से इनकार किया, तो उसे गोली मार दी गई, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई. पुलिस अधीक्षक हरविंदर सिंह ने बताया कि पुलिस ने छानबीन शुरू कर दी है और जल्द ही हत्यारों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा.

सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की मौत

बोकारो। एनएच 23 पर एक तेल टैंकर ने पीछे से बाइक सवार को ज़ोरदार टक्कर मार दी. इस टक्कर में बाइक चालक हीरालाल देव (झोपड़ी कॉलोनी निवासी) बाइक सहित टैंकर के नीचे फँस गया और उसका सिर बुरी तरह कुचल गया, जिससे मौके पर ही उसकी मौत हो गई. हीरालाल बियाडा स्थित सुंदरम स्टील में मज़दूरी का काम करता था और यह हादसा तब हुआ जब वह काम से अपने घर लौट रहा था. दुर्घटना की सूचना मिलते ही सिटी थाना पुलिस मौके पर पहुँची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया.

300 महिलाओं को मिलेगा सिलाई प्रशिक्षण

बोकारो। डीएमएफटी और रियल स्कॉलर सोसाइटी ने मिलकर बोकारो जिले के तीन प्रखंडों- चास, कसमार और जरीडीह में तीन फैशन डिजाइनिंग सिलाई प्रशिक्षण केंद्रों का उद्घाटन किया है. इन केंद्रों में कुल 300 बेरोजगार महिलाओं को 760 घंटे का निःशुल्क प्रशिक्षण दिया जाएगा, जिससे उन्हें आत्मनिर्भर बनाया जा सके. प्रशिक्षण के दौरान यूनिफॉर्म और प्रशिक्षण सामग्री भी मुफ्त दी जाएगी. यह पहल महिलाओं को स्वरोजगार से जोड़ने और उनके परिवार की आर्थिक स्थिति सुधारने में सहायक होगी.

सांसद सेवा चिकित्सा शिविर आयोजित

जमुआ (गिरिडीह)। कोडरमा लोकसभा सांसद और केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी के सौजन्य से जमुआ प्रखंड के करोडीह पंचायत स्थित विद्यालय प्रांगण में एक सांसद सेवा चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया. सांसद चिकित्सा सेवा वाहन के माध्यम से लगाए गए इस निःशुल्क मेडिकल कैंप में महिलाओं, पुरुषों और बच्चों सहित 70 मरीजों का इलाज किया गया. इस दौरान डॉ. शमशेर आलम ने दवाएं और चिकित्सकीय परामर्श प्रदान किया. गांव के लोगों ने भी इस शिविर में निःशुल्क स्वास्थ्य जांच का लाभ उठाया. इस अवसर पर सांसद प्रतिनिधि राजेंद्र प्रसाद यादव, भाजपा के युवा नेता रंजीत यादव, देवनंदन यादव, संयोजक सुमन सिन्हा, प्रयाग यादव, सोमार भोक्ता सहित कई अन्य लोग उपस्थित थे.

सीआईएससीई क्षेत्रीय खो-खो प्रतियोगिता संपन्न

बोकारो। संत जेवियर्स विद्यालय में 1 और 2 अगस्त को दो दिवसीय सीआईएससीई क्षेत्रीय खो-खो प्रतियोगिता 2025 का सफल आयोजन हुआ. झारखंड-बिहार के छह जोनों की टीमों ने इसमें हिस्सा लिया. भागलपुर जोन ने यू-14 बालक और बालिका वर्ग, तथा यू-17 बालक वर्ग में जीत हासिल की. रांची जोन ने यू-17 बालिका वर्ग, देवघर जोन ने यू-19 बालक वर्ग और धनबाद जोन ने यू-19 बालिका वर्ग का ख़िताब जीता. समापन समारोह में प्राचार्य फादर अरुण मिंज ने विजेता टीमों को पदक और प्रमाण पत्र दिए और खिलाड़ियों को खेल भावना के साथ जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया.

बोकारो में राजपूत गौरव यात्रा की बैठक

बोकारो। स्थानीय सर्किट हाउस में हुई राजपूत गौरव यात्रा अभियान समिति की बैठक में फरवरी 2026 में राँची में होने वाली 'राजपूत गौरव यात्रा' को सफल बनाने का संकल्प लिया गया. बैठक में बिहार विधान परिषद के पूर्व सदस्य प्रवीण सिंह और बोकारो ज़िले के विभिन्न राजपूत संगठनों के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया. प्रवीण सिंह ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि राजपूत समाज के हक, सम्मान और आबादी के अनुरूप हर क्षेत्र में हिस्सेदारी सुनिश्चित करने के लिए यह अभियान शुरू किया जा रहा है.

अतिक्रमण पर चला बुलडोजर, हंगामा और सड़क जाम

50 से अधिक दुकानें और कई झोपड़ियों को किया गया ध्वस्त

शुभम संदेश। गिरिडीह।

गिरिडीह कॉलेज के बाहर शनिवार को अतिक्रमण हटाने के लिए प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई की. बेंगाबाद अंचलाधिकारी प्रियंका प्रियदर्शी के नेतृत्व में चले इस अभियान में 50 से ज़्यादा दुकानें और कई झुग्गियाँ-झोपड़ियाँ ध्वस्त की गईं. इस कार्रवाई के विरोध में स्थानीय लोगों ने जमकर हंगामा किया और सड़क जाम कर दी.

विरोध प्रदर्शन और पुलिस की तैनाती : जैसे ही बेंगाबाद और गिरिडीह की सीमा पर स्थित कॉलेज के पास बुलडोजर चला, स्थानीय लोगों ने प्रशासन का विरोध शुरू कर दिया. उन्होंने सरकार विरोधी नारे लगाए और मुख्य मार्ग को घंटों तक जाम रखा. कई लोगों और महिलाओं को अंचलाधिकारी से बहस करते देखा गया. मौके पर भारी संख्या में पुलिस बल मौजूद था, लेकिन ग्रामीणों का गुस्सा काबू में नहीं आ रहा था.

प्रशासन और ग्रामीणों के अलग-अलग तर्क : अंचलाधिकारी प्रियंका प्रियदर्शी ने बताया कि कॉलेज के पास अवैध रूप से लगी दुकानों में सिगरेट और पान-गुटखा जैसी चीजें बिक रही थीं, जिससे छात्रों पर बुरा असर पड़ रहा था. उन्होंने कहा कि कई बार नोटिस देने के बाद भी जब दुकानदारों ने अतिक्रमण नहीं हटाया, तो यह कार्रवाई करनी पड़ी. दूसरी ओर, स्थानीय लोगों ने इस कार्रवाई को गरीब विरोधी बताया. उनका कहना था कि ये दुकानें उनकी आजीविका का एकमात्र साधन थीं और अब उनके सामने परिवार का भरण-पोषण करने की समस्या खड़ी हो गई है. ग्रामीणों ने सरकार से रोजगार देने की उम्मीद जताई थी, लेकिन अब उनका काम भी छीन लिया गया है. इस कार्रवाई के दौरान बेंगाबाद थाना प्रभारी जितेंद्र कुमार सिंह, सीआई सुरेंद्र कुमार यादव, राजस्व कर्मचारी अमर कुमार सिन्हा, रोहित वर्मा और भारी संख्या में पुलिस बल मौजूद था.

आस्था ज्वेलर्स लूटकांड में चार और गिरफ्तार

शुभम संदेश। बोकारो

चास थाना क्षेत्र में स्थित आस्था ज्वेलर्स में हुई लूट की घटना के सिलसिले में बोकारो पुलिस की एसआईटी टीम ने चार और आरोपियों को गिरफ्तार किया है. इन गिरफ्तारियों के साथ इस मामले में पकड़े गए कुल अभियुक्तों की संख्या 13 हो गई है.

पटना और हाजीपुर से हुई गिरफ्तारी : पुलिस अधीक्षक हरविंदर सिंह ने एक प्रेस वार्ता में बताया कि 30 जुलाई को पुलिस ने पटना के आलमगंज थाना क्षेत्र से करण कुमार और अभिषेक कुमार उर्फ भोलू को गिरफ्तार किया. इनके पास से लूटे गए सोने और चाँदी के आभूषण बरामद किए गए. अभिषेक से पूछताछ के आधार पर सूरज कुमार को भी आलमगंज, पटना से गिरफ्तार किया गया. सूरज ने अपने पलंग के नीचे एक खाली मैगजीन छिपा रखी थी. उसे आर्म्स एक्ट के तहत दर्ज एक मामले में न्यायिक हिरासत में भेजा गया है. करण कुमार से मिली जानकारी पर, वैशाली जिले के करताहां थाना क्षेत्र से सौरभ को पकड़ा गया. सौरभ के बयान पर, एक ब्यूटी पार्लर से लूटकांड में इस्तेमाल की गई दो पिस्तौल और कई जिंदा कारतूस बरामद किए गए. सौरभ को भी आर्म्स एक्ट के एक अलग मामले में न्यायिक हिरासत में भेजा गया है. इस सफल ऑपरेशन में चास थाना प्रभारी सुषमा कुमारी, प्रकाश यादव, रणजीत यादव, धीरज कुमार और अन्य पुलिस अधिकारी शामिल थे. पुलिस ने बताया कि अब तक इस मामले में लूटे गए आभूषण, घटना में इस्तेमाल किए गए वाहन, पिस्तौल, मैगज़ीन और ज़िंदा कारतूस बरामद किए जा चुके हैं.

अवैध शराब फैक्ट्री का भंडाफोड़, एक गिरफ्तार

दुमका। पुलिस अधीक्षक, दुमका के निर्देश पर जामा थाना प्रभारी अजीत कुमार ने शनिवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि जामा पुलिस ने एक अवैध शराब फैक्ट्री का भंडाफोड़ करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है. गुरुवार की आधी रात पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि ग्राम उपरबहाल के पलाशबनी गांव में एक मकान में अवैध रूप से अंग्रेजी शराब का निर्माण और पैकिंग की जा रही है. सूचना के आधार पर जामा थाना में सनहा दर्ज कर, वरीय अधिकारियों को सूचित किया गया और घटनास्थल पर छापेमारी की गई. छापेमारी में अवैध शराब के निर्माण में उपयोग होने वाले सामान और तैयार शराब बरामद की गई. इसके बाद, जामा थाना में 4 नामजद और 7-8 अज्ञात लोगों के खिलाफ अवैध शराब निर्माण और बिक्री के आरोप में कांड संख्या 44/25 दर्ज किया गया. अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी अमित कुमार कच्छप के नेतृत्व में गठित टीम ने 1 अगस्त की रात को छापेमारी कर आरोपी संजय राय को गिरफ्तार किया. गिरफ्तार संजय राय ने अपने बयान में अवैध शराब निर्माण, पैकिंग और बिक्री में अपनी और 7-8 अन्य लोगों की संलिप्तता स्वीकार की है. पुलिस ने मौके से कुल 61 कार्टूनों में 1530 बोतलें और 200 लीटर अंग्रेजी शराब ज़ब्त की है. इसके अलावा, एक बोलेरो (जेएच05एडी-7625), एक पैशन प्रो मोटरसाइकिल (जेएच21एफ-0545), और एक होंडा एसपी साइन (जेएच04एसी-4900) भी ज़ब्त की गई हैं. गिरफ्तार व्यक्ति को शनिवार को जेल भेज दिया गया.

लिव-इन रिलेशनशिप में रह रहे जोड़े बरामद

बोकारो (शुभम संदेश)। लोहांचल स्थित प्लॉट संख्या 161 से पुलिस ने शुक्रवार को एक जोड़े, दीक्षा राउत राय और जमील अख़्तर को बरामद किया. यह जोड़ा पिछले छह महीने से लिव-इन रिलेशनशिप में रह रहा था. लड़की के परिजनों ने गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी, जिसके बाद बोकारो पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दोनों को सेक्टर बारह थाने में पूछताछ के लिए लाया. पुलिस के सामने दोनों ने लिव-इन रिलेशनशिप में रहने की बात स्वीकार की. इसके बाद, पुलिस ने लड़की का बयान मैजिस्ट्रेट के सामने दर्ज कराया और उन्हें एक साथ रहने की अनुमति दे दी.

महिला काव्य मंच का सावन मिलन समारोह

बोकारो। अंतर्राष्ट्रीय महिला काव्य मंच की बोकारो इकाई ने सावन मिलन समारोह का आयोजन किया, जिसमें कई कवयित्रियों ने अपनी रचनाओं से सावन का माहौल जीवंत कर दिया. मंच की अध्यक्ष काजल भालोटिया और प्रदेश महासचिव अर्चना अश्क मिश्रा ने अतिथियों का स्वागत किया. इस अवसर पर आयोजित कवि सम्मेलन में क्रांति श्रीवास्तव, अमृता शर्मा, रिंकू गिरि, करुणा कलिका सहित कई कवयित्रियों ने अपनी कविताएं और गीत प्रस्तुत किए. कार्यक्रम के अंत में, सभी कवयित्रियों को उनके साहित्यिक योगदान के लिए बधाई दी गई और उनके जीवन में खुशहाली की कामना की गई.

टेबल टेनिस का 'कुंभ' आज से, 41 टीमें दिखाएंगी दमखम

शुभम संदेश। बोकारो

डीपीएस बोकारो एक बार फिर से अंतर-प्रांतीय स्तर के बड़े खेल आयोजन की मेजबानी के लिए तैयार है. रविवार, 3 अगस्त, 2025 से विद्यालय में तीन दिवसीय सीबीएसई क्लस्टर-3 अंतर विद्यालय टेबल टेनिस टूर्नामेंट की शुरुआत हो रही है. इस प्रतियोगिता को टेबल टेनिस का 'लघु कुंभ' कहा जा रहा है, जिसमें झारखंड और बिहार के 18 स्कूलों से कुल 41 टीमें हिस्सा लेंगी. इस प्रतियोगिता में लगभग 200 खिलाड़ी विभिन्न वर्गों में कुल 240 मैच खेलेंगे. इसके लिए विद्यालय के कालिदास कला भवन और चंद्रशेखर टेबल टेनिस हॉल में चार टेबल टेनिस कोर्ट तैयार किए गए हैं. 'संयम, कौशल और प्रतिभा का संगम' थीम के साथ आयोजित हो रही इस प्रतियोगिता में विभिन्न आयु वर्गों की टीमें शामिल हैं, जिनमें अंडर-14, अंडर-17 और अंडर-19 के बालक व बालिका वर्ग शामिल हैं. मैचों के निष्पक्ष संचालन के लिए झारखंड स्टेट टेबल टेनिस एसोसिएशन के 11 अनुभवी पदाधिकारी भी मौजूद रहेंगे.

ऐतिहासिक आयोजन की तैयारी : डीपीएस बोकारो के प्राचार्य और आयोजन समिति के अध्यक्ष डॉ. ए.एस. गंगवार ने बताया कि प्रतियोगिता के भव्य और सफल आयोजन की सभी तैयारियां पूरी हो चुकी है. खिलाड़ियों के रहने, खाने और अन्य सुविधाओं की पूरी व्यवस्था विद्यालय परिसर में ही की गई है. उन्होंने कहा कि टेबल टेनिस सिर्फ एक खेल नहीं, बल्कि मानसिक और शारीरिक शक्ति का संगम है, जो खिलाड़ी की स्फूर्ति, एकाग्रता और त्वरित निर्णय लेने की क्षमता की परीक्षा लेता है. आयोजन समिति के उपाध्यक्ष अंजनी भूषण के अनुसार इस प्रतियोगिता में झारखंड और बिहार के कई प्रमुख स्कूलों की टीमें हिस्सा ले रही हैं. प्रतियोगिता के आयोजन सचिव ब्रजेश कुमार सिंह ने बताया कि क्लस्टर स्तर पर सफल होने वाली टीमों को 3-8 अक्टूबर, 2025 को सूरत (गुजरात) में होने वाले सीबीएसई नेशनल टूर्नामेंट में भाग लेने का मौका मिलेगा.

फॉर्म भरने के नाम पर ज्यादा पैसे लेने का आरोप, जताया विरोध

शुभम संदेश। गोड्डा

जिला मुख्यालय से सटे राजकीयकृत उच्च विद्यालय, ग्राम मालिनी में नौवीं और दसवीं कक्षा के छात्र-छात्राओं से फॉर्म भरने के नाम पर ज़्यादा पैसे लेने का आरोप लगाते हुए अभिभावकों ने विरोध प्रदर्शन किया. अभिभावकों ने बताया कि अन्य स्कूलों में 200 से 250 रुपये की फीस ली जा रही है, जबकि इस स्कूल में 300 से 450 रुपये तक वसूल जा रहे हैं. उनका यह भी आरोप है कि इसके लिए कोई रसीद भी नहीं दी जा रही है. स्कूल की साफ-सफाई की स्थिति भी खराब है और बच्चों को ही झाड़ू लगाने के लिए कहा जाता है. विद्यालय के सहायक शिक्षक कुंदन कुमार ने भी अभिभावकों के आरोपों का समर्थन करते हुए कहा कि पैसे वसूलने का काम प्रधानाध्यापक धर्मेंद्र कुमार खुद करते हैं, जबकि यह काम लिपिक का होता है. वहीं, प्रधानाध्यापक धर्मेंद्र कुमार ने सभी आरोपों को निराधार बताया. उन्होंने कहा कि स्टाफ की कमी के कारण अभी सभी बच्चों को रसीद नहीं दी जा सकी है, लेकिन जल्द ही दे दी जाएगी. ज्यादा पैसे लेने के आरोप को खारिज करते हुए उन्होंने कहा कि नियमानुसार साढ़े पांच सौ रुपये लिए जा रहे हैं, जो सही है. सहायक शिक्षक कुंदन कुमार के आरोपों पर उन्होंने कहा कि वह स्कूल आकर सिर्फ सोने का काम करते हैं और उनके खिलाफ विभाग को शिकायत भेजी गई है.

पेयजल समस्या जल्द होगी खत्म : श्वेता

शुभम संदेश। बोकारो

बोकारो विधानसभा क्षेत्र के तहत आने वाले चास नगर निगम में पेयजल आपूर्ति योजना के बचे हुए काम तेज़ी से पूरे किए जा रहे हैं. विधायक श्वेता सिंह ने शनिवार को योजना के दूसरे चरण का निरीक्षण करने के बाद यह बात कही. विधायक श्वेता सिंह ने सुल्तान नगर, चास में पेयजल आपूर्ति योजना के दूसरे चरण का औचक निरीक्षण किया. उन्होंने बताया कि कई जगहों पर लीकेज को ठीक करने के बाद ज़्यादातर टंकियों तक पानी पहुँचाने का रास्ता साफ हो गया है. मेन लाइन की टेस्टिंग पूरी हो चुकी है और अब लिंक लाइनों को मेन लाइन से जोड़कर इंड कैप लगाने का काम चल रहा है. विधायक ने कहा कि जियो, गेल इंडिया और अन्य कंपनियों द्वारा पाइपलाइन क्षतिग्रस्त कर दी गई थी. जैसे-जैसे लीकेज का पता चला, जुस्को की टीम ने सभी क्षतिग्रस्त पाइपों की मरम्मत कर दी है. इसके साथ ही, विद्युत संबंधी जो काम बचा था, वह भी शुरू कर दिया गया है. उन्होंने जुस्को के अधिकारियों और कर्मचारियों को काम जल्द से जल्द पूरा करने का निर्देश दिया. श्वेता सिंह ने कहा कि चास नगर निगम की जनता वर्षों से पेयजल की समस्या से परेशान थी, लेकिन अब उन्हें चिंता करने की जरूरत नहीं है. उन्होंने आश्वासन दिया कि जल्द ही सभी काम पूरे कर लिए जाएंगे, जिससे यह वर्षों पुरानी समस्या खत्म हो जाएगी. इस अवसर पर विधायक द्वारा गठित चास नगर निगम सहायता समूह के सदस्य रामा शंकर सिंह, शंभू दास, सरोज यादव, उत्तम गोप, अमृत बावरी, शाहिद रज़ा, कैंसर अफरोज, मुहम्मद आजाद, शेरू अंसारी, मुन्ना, मुमताज, शाहनवाज सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित थे.

कसमार हाई स्कूल में अंतर सदन मेहंदी प्रतियोगिता

कसमार (शुभम संदेश)। पीएम श्री एसएस प्लस टू उच्च विद्यालय, कसमार में प्रोजेक्ट इंपैक्ट कार्यक्रम के तहत एक अंतर सदन मेहंदी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया. इस प्रतियोगिता में विद्यालय के चारों सदनों- दामोदर, कोयल, शंख और स्वर्णरेखा से दस-दस छात्राओं ने हिस्सा लिया. आर्ट एंड क्राफ्ट कक्ष में आयोजित इस प्रतियोगिता में छात्राओं ने एक से बढ़कर एक मेहंदी डिजाइन बनाकर अपने हुनर का शानदार प्रदर्शन किया. प्रतिभागियों ने उपस्थित शिक्षिकाओं और अन्य छात्राओं को मेहंदी लगाई. प्रतियोगिता प्रथम स्थान कोयल सदन, द्वितीय स्थान शंख सदन, तृतीय स्थान स्वर्णरेखा सदन, चतुर्थ स्थान दामोदर सदन रहे. सभी विजेता सदनों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया.

न्यूज अपडेट

बस की चपेट में आने से दो चचेरे भाइयों की मौत

धनवार (शुभम संदेश)। धनवार प्रखंड के केंदुआ चौक के पास शनिवार शाम करीब 4:30 बजे एक दर्दनाक सड़क हादसे में दो चचेरे भाइयों की मौके पर ही मौत हो गई. मिली जानकारी के अनुसार, बिरनी प्रखंड के पेशम गांव के निवासी संतोष रवानी (24 वर्ष) और सोहन रवानी (20 वर्ष) अपनी मोटरसाइकिल (जेएच11एके 8693) से जरिसिंगा स्थित अपनी मौसी के घर जा रहे थे. केंदुआ मोड़ के पास उनकी बाइक एक हिंदुस्तान बस की चपेट में आ गई, जिससे दोनों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई. हादसे के बाद, परसन ओपी पुलिस अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंची और शवों को कब्जे में लिया. पुलिस ने बाइक और बस को भी जब्त कर थाने भेज दिया है.

नाबालिग से सामूहिक दुष्कर्म, चार गिरफ्तार

तिसरी (शुभम संदेश)। गिरिडीह ज़िले के तिसरी प्रखंड में एक नाबालिग के साथ सामूहिक दुष्कर्म का सनसनीखेज मामला सामने आया है. इस घटना के आरोप में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए चारों आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया है, जिनमें से दो नाबालिग हैं. पीड़िता के परिजनों द्वारा दिए गए आवेदन के अनुसार, नाबालिग किशोरी शुक्रवार शाम घर के पास एक दुकान पर गई थी. इसी दौरान एजाज, अमित और एक अन्य नाबालिग ने उसका मुंह दबाकर जबरन बाइक पर बिठाया और उसे एक कमरे में ले गए. वहां एजाज अंसारी ने अपने साथियों के साथ मिलकर उसके साथ दुष्कर्म किया. घटना के बाद किशोरी ने तिसरी थाना पहुंचकर थाना प्रभारी रंजय कुमार को पूरी जानकारी दी. थाना प्रभारी ने तुरंत कार्रवाई करते हुए तीन आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया और थोड़ी देर बाद चौथे नाबालिग आरोपित को भी धर दबोचा. सभी आरोपितों को पॉक्सो और अन्य संबंधित धाराओं के तहत शनिवार को न्यायालय में पेश किया गया. दो बालिग आरोपितों, एजाज और अमित को न्यायिक हिरासत में गिरिडीह जेल भेज दिया गया है, जबकि दोनों नाबालिगों को बाल सुधार गृह भेजा गया है. घटना को लेकर खोरीमहुआ एसडीपीओ राजेंद्र प्रसाद ने भी घटनास्थल का मुआयना किया.

थाई मांगुर मछली की तस्करी में 4 गए जेल

डुमरी (शुभम संदेश)। प्रतिबंधित थाई मांगुर मछली की तस्करी के आरोप में डुमरी पुलिस ने चार लोगों को गिरफ्तार कर शनिवार को जेल भेज दिया है. इन गिरफ्तारियों में ट्रक का चालक, खलासी और दो अन्य लोग शामिल हैं. दरअसल, गिरिडीह सांसद चंद्रप्रकाश चौधरी के निर्देश पर गुरुवार को आजसू पार्टी के कार्यकर्ताओं ने कुलगो के घँघरी टोल प्लाजा के पास प्रतिबंधित थाई मांगुर मछली से लदे एक ट्रक को पकड़ा था और उसे पुलिस के हवाले कर दिया था. पुलिस ने मौके से ट्रक चालक कमलेश बागरी (मध्य प्रदेश), खलासी रमेश चमार और मछली की देखरेख कर रहे पश्चिम बंगाल के निवासी मुस्ताक अहमद और अरीजुल गाजी को हिरासत में लिया था. पुलिस ने ट्रक को जब्त कर मछली के सैंपल को जाँच के लिए राँची भेजा था. शुक्रवार देर शाम राँची से आई जाँच रिपोर्ट में मछली के थाई मांगुर होने की पुष्टि हुई. इसके बाद, पुलिस ने मामला दर्ज करते हुए हिरासत में लिए गए चारों लोगों को गिरफ्तार कर शनिवार को जेल भेज दिया. पुलिस इस तस्करी में शामिल अन्य अज्ञात लोगों के खिलाफ भी कार्रवाई कर रही है.

हृदय गति रुकने से एएसआई शिवानंद राय का निधन

दुमका (शुभम संदेश)। दुमका जिला पुलिस बल के सहायक अवर निरीक्षक (एएसआई) शिवानंद राय का शुक्रवार देर रात हृदय गति रुकने से निधन हो गया. शुक्रवार की देर रात अचानक उनकी तबीयत खराब हो गई और वे अपने बैरक में गिर पड़े. पुलिसकर्मियों ने उन्हें तुरंत फूलो झानो मेडिकल कॉलेज अस्पताल पहुँचाया, जहाँ डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया. पुलिस विभाग द्वारा सूचना मिलने पर उनके पुत्र प्रीतम राय 'बोल बम' यात्रा के रास्ते से ही वापस लौटकर दुमका पहुंचे. पोस्टमॉर्टम के बाद शव को पुलिस लाइन लाया गया. वहाँ एसडीपीओ विजय कुमार महतो सहित अन्य अधिकारियों और पुलिसकर्मियों ने उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित कर सलामी दी. इसके बाद, पुलिस वाहन से उनके शव को उनके पैतृक गांव भोजपुर के बड़हरा भेजा गया. शिवानंद राय 1998 में एकीकृत बिहार राज्य के समय पुलिस में बहाल हुए थे. वे 2015 से दुमका पुलिस कंट्रोल रूम में पदस्थापित थे.

खेत में काम नहीं करने पर रास्ता रोकने का आरोप

गावां (शुभम संदेश)। गावां थाना क्षेत्र के मंझने राजवरिया गाँव में दलित समुदाय के ग्रामीणों ने एक व्यक्ति पर खेत में काम करने से मना करने पर रास्ता अवरुद्ध करने का आरोप लगाया है. ग्रामीणों के अनुसार, दीपू यादव नामक व्यक्ति उन पर अपने खेत में काम करने का दबाव डालता है. काम करने से मना करने पर वह उनके साथ मारपीट करता है और जातिसूचक गालियाँ देता है. ग्रामीणों का यह भी आरोप है कि वह काम के बदले मज़दूरी भी नहीं देता है. इससे परेशान होकर जब ग्रामीणों ने उसके यहाँ काम करने से इनकार कर दिया, तो दीपू यादव ने उनका रास्ता बंद कर दिया. ग्रामीणों का कहना है कि यह रास्ता गैरमजरूआ ज़मीन पर है और वे 100 साल से भी ज़्यादा समय से इसका इस्तेमाल करते आ रहे हैं. रास्ता बंद होने से उन्हें भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है. ग्रामीणों ने गावां अंचलाधिकारी अविनाश रंजन से ज़मीन की नापी कराकर रास्ता फिर से खुलवाने की मांग की है.

कसमार के दांतू में दहेजमुक्त आदर्श विवाह

कसमार (शुभम संदेश)। कसमार प्रखंड की दांतू पंचायत में शनिवार को एक प्रेरणादायक दहेजमुक्त विवाह संपन्न हुआ. इस विवाह में दांतू निवासी स्वर्गीय अशोक नायक के पुत्र करण कुमार ने सिंहपुर निवासी फलहाली साव की पुत्री छोटी कुमारी से बिना किसी दहेज के शादी की और समाज के सामने एक आदर्श मिसाल पेश की. करण के माता-पिता का निधन पहले ही हो चुका है. बचपन में पिता को खोने के बाद, उनकी माता पेमिया देवी (आँगनबाड़ी सेविका) का निधन जनवरी 2025 में कैंसर से हो गया था. इसके बावजूद, करण ने अपने चाचा के संरक्षण में शिक्षा ग्रहण कर यह सामाजिक पहल की. इस अवसर पर स्थानीय मुखिया चंद्रशेखर नायक, पंचायत समिति सदस्य नागेंद्र नायक सहित अन्य पंचायत प्रतिनिधियों ने इस कदम की सराहना की. अखिल भारतीय तेलीक साहू महासभा ने भी नवदंपती को बधाई और आशीर्वाद दिया और कहा कि यह विवाह समाज को दहेजमुक्ति का सकारात्मक संदेश दे रहा है.

हजारों शिवभक्तों का जत्था आज होगा रवाना

बोकारो (शुभम संदेश)। युवा लायंस फ़ोर्स के केंद्रीय अध्यक्ष देव शर्मा ने बताया कि रविवार को उनका संगठन हजारों शिवभक्तों को मात्र एक रुपये में बाबा गौरीनाथ धाम के दर्शन कराएगा. यह घोषणा बोदरो स्थित उनके आवासीय कार्यालय में हुई एक बैठक में की गई. देव शर्मा ने बताया कि युवा लायंस फ़ोर्स पिछले 13 वर्षों से जरूरतमंद श्रद्धालुओं को पोशाक, गमछा, कांवर, यात्रा और चिकित्सा सुविधाओं के साथ-साथ फल और मिठाई जैसी सभी आवश्यक सुविधाएं प्रदान करता आ रहा है. यह पहल विशेष रूप से उन गरीब और असहाय लोगों के लिए शुरू की गई थी जो पैसे की कमी के कारण बाबा भोलेनाथ के दर्शन नहीं कर पाते थे. उन्होंने कहा कि रविवार को बोदरो स्थित शिव मंदिर से हजारों भक्त चिड़का धाम के लिए रवाना होंगे. यात्रा के दौरान, हर किलोमीटर पर युवा लायंस फ़ोर्स द्वारा सेवा शिविर लगाए जाएंगे, जहां भक्तों के लिए फल, चाय, मिठाई, पानी और दवा जैसी सभी जरूरत की चीजें उपलब्ध रहेंगी. पूजा के बाद भक्तों को वापस बोकारो लाने के लिए भी संगठन ने वाहनों की व्यवस्था की है.

सड़क निर्माण कार्य का मंत्री ने किया भूमिपूजन

कसमार (शुभम संदेश)। राज्य के पेयजल एवं स्वच्छता तथा उत्पाद एवं मद्य निषेध मंत्री योगेंद्र प्रसाद महतो ने कसमार प्रखंड में दो महत्वपूर्ण सड़क परियोजनाओं का भूमिपूजन किया. इन सड़कों का निर्माण मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत किया जाएगा. केदला में आरईओ रोड केदला से जाहेरथान यात्राटांड होते हुए उत्क्रमित प्राथमिक विद्यालय मड़ईटोला त्रियोनाला तक और सोनपुरा में सोनपुरा पीडब्ल्यूडी रोड से पुरनाटांड़ तक सड़क निर्माण किया जायेगा. इन दोनों परियोजनाओं का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में आवागमन को सुगम बनाना और उन्हें मुख्यधारा से जोड़ना है. भूमिपूजन के मौके पर मंत्री योगेंद्र प्रसाद महतो ने कहा कि सरकार गांवों को शहरों जैसी बुनियादी सुविधाएं देने के लिए प्रतिबद्ध है. उन्होंने कहा कि बेहतर सड़कों से ग्रामीणों के लिए रोजगार, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुँच आसान हो जाएगी. उन्होंने यह भी बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों को मुख्यधारा से जोड़ना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में से एक है.

सुबोध बने झारखंड प्रदेश मुखिया संघ के उपाध्यक्ष

डुमरी (गिरिडीह)। डुमरी प्रखंड की बेरहा सूईयाडीह पंचायत के मुखिया सुबोध यादव को झारखंड प्रदेश मुखिया संघ का प्रदेश उपाध्यक्ष बनाया गया है. उन्हें उपाध्यक्ष बनाए जाने पर मुखिया नूरउद्दीन अंसारी, जागेश्वर यादव, जागेश्वर महतो और मुखिया प्रतिनिधि संतोष महतो सहित कई लोगों ने बधाई दी है.

ब्रीफ खबरें

देशी कट्टा के साथ 3 युवकों को पुलिस ने दबोचा

झरिया। झरिया पुलिस ने शनिवार को बंगाली कोठी से देशी कट्टा के साथ तीन युवकों को धर दबोचा है. पुलिस तीनों से पूछताछ कर रही है. बताया जाता है कि झरिया के शातिर बाइक चोर लाल केसिया गिरोह के बालुगदा निवासी छोटू रवानी की तलाश पुलिस कर रही थी. शनिवार को पुलिस उसके आवास पर छापेमारी की गई पर वह नहीं मिला. पुलिस को सूचना मिली कि वह झरिया बंगाली कोठी में है. वहां से पुलिस ने उसे धर दबोचा. उसकी निशान देही पर बंगाली कोठी से सूरज भुईया व बालू गद्दा के शेखर रवानी को भी पकड़ा गया. तलाशी में सूरज के पास से एक देसी कट्टा बरामद किया गया. पुलिस तीनों को थाना लाकर पूछताछ कर रही है. गिरोह का सरगना लालकेसिया उर्फ सोनू एक शातिर अपराधी है.

फरार आरोपी को भेजा जेल

मधुबन। मधुबन पुलिस ने शनिवार को पुराने केस में फरार चल रहे एक आरोपी को पकड़ कर जेल भेज दिया है. बताया जा रहा है कि फुलारीटांड़ आशाकोठी का रहनेवाला धीरज यादव के नाम 2022 में एक कांड अंकित था. जिसमें वह कई सालों से फरार चल रहा था.धनबाद न्यायालय ने उसके विरुद्ध गैर जमानती वारंट जारी कर रखा था. शुक्रवार की देर शाम को नाटकीय ढंग से मधुबन पुलिस ने राजगंज महुदा फोरलेन सड़क से पकड़ कर जेल भेज दिया है.

लोदना जीएम को जमसं ने सौंपा मांग पत्र

झरिया। जनता मजदूर संघ (जमसं) ने लोदना क्षेत्र के महाप्रबंधक को पत्र सौंपकर विस्थापन प्रभावितों की समस्याओं से अवगत कराया है. पत्र में बताया गया कि नार्थ तीसरा, साउथ तीसरा, जयरामपुर, जीनागोड़ा, बागडिगी, कुजामा, लोदना सहित कई क्षेत्रों से लोगों को विस्थापित किया गया, लेकिन बीसीसीएल प्रबंधन द्वारा दिए गए रोजगार के वादे अब तक पूरे नहीं हुए हैं. संघ ने चेतावनी दी है कि यदि 14 दिनों के भीतर सकारात्मक पहल नहीं की गई, तो लोकतांत्रिक तरीके से आंदोलन किया जाएगा, जिसकी पूरी जिम्मेदारी बीसीसीएल की होगी.

रेल लाइन चोरी का खुलासा, 4 धराए

शुभम संदेश। धनबाद

राखीतपुर-सिंदरी ब्लॉक हॉल्ट स्टेशन के बीच रेल दोहरीकरण के लिए रखी 42 मीटर रेल की चोरी के मामले में रेलवे सुरक्षा बल ने त्वरित कार्रवाई कर चार अभियुक्तों को गिरफ्तार किया.एसटीएस इंफ्राकॉन प्राइवेट लिमिटेड गुरुग्राम के एचआर मैनेजर मृदुल कुमार सिन्हा की शिकायत पर रेसुब पोस्ट धनबाद में मामला दर्ज हुआ. जांच उप-निरीक्षक आभाष चंद्र सिंह को सौंपी गई. मुखबिर की सूचना पर आरपीएफ और सीआईबी/धनबाद की संयुक्त टीम ने किमी. संख्या 11/पी1-पी2 के पास झाड़ियों से 21 टुकड़ों में कटी 42 मीटर रेल बरामद की. मौके से विशाल कुमार महतो (22), निमाई महतो (37), उत्तम कुमार महतो (19), और विकास चंद्र महतो (30) गिरफ्तार किए गए.इनके पास से चार स्मार्टफोन और 45,800 रुपये नकद मिले. कंपनी और आरपीएफ के निरीक्षण में रेल की पहचान हुई. अभियुक्तों ने स्वीकार किया कि चोरी में नौ अन्य लोग, जिनमें मास्टरमाइंड सीताराम महतो और कबाड़ी गोदाम संचालक दिनेश महतो शामिल हैं, सभी ने मिलकर 30-31 जुलाई की रात रेल काटी और ट्रैक्टर से झाड़ियों में छिपाई. बारिश के कारण माल ठिकाने नहीं लगाया जा सका था, बरामद रेल की कीमत 39,500 रुपये है. गिरफ्तार अभियुक्तों को शनिवार को रेलवे न्यायालय में पेश किया गया. वहीं फरार अभियुक्तों की तलाश और जांच जारी है.

आरपीएफ ने सूरज राम के घर पर चिपकाया इश्तहार

धनबाद। आरपीएफ धनबाद कांड संख्या-02/25 अंतर्गत धारा 3 आरपी(युपी) एक्ट में संलिप्त एवं फरार अभियुक्त सूरज राम उर्फ सूरज बासफोर, पिता- स्वर्गीय बिरजू राम, पता- अंबेडकर नगर चेक पोस्ट सिंदरी, थाना- सिंदरी, जिला- धनबाद मामले में गिरफ्तार नहीं होने पर उसके विरुद्ध न्यायालय रेलवे धनबाद द्वारा बीएनएसएस की धारा 84 की कार्रवाई करते हुए उक्त अभियुक्त को भगोड़ा घोषित करने हेतु 30 जुलाई को इश्तिहार जारी किया था, जिसका शनिवार को मामले का जांच अधिकारी मुझ अरविन्द कुमार राम निरीक्षक आरपीएफ क्राईम इंटेलिजेंस ब्रांच धनबाद द्वारा स्थानीय पुलिस सिंदरी के सहयोग एवं उनके उपस्थिति में उक्त अभियुक्त के घर जाकर अभियुक्त के माता एवं अन्य ग्रामीण के उपस्थिति में इश्तिहार के मूल प्रति को घर के दरवाजे पर चिपकाए गया. सिंदरी चेक पोस्ट के सार्वजनिक स्थल पर इश्तिहार के एक प्रति को चिपकाए गया एवं गवाही गवाहान लिया गया. अंबेडकर नगर चेक पोस्ट के गांव में घूम-घूम कर घोषणा भी करायी कि वह 30 दिन के अंदर न्यायालय रेलवे धनबाद में आत्मसमर्पण नहीं करता है तो कार्रवाई करते हुए आगे संपत्ति कुर्की जप्ती की कार्रवाई की जा सकती है. विदित हो कि उक्त फरार अभियुक्त अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर जनवरी 2025 के महीने में प्रधानघंटा में रेलवे का टीएसएस कैंप में स्पेयर में रखे दो ट्रांसफार्मर से भारी मात्रा में कॉपर कॉइल चोरी करने में संलिप्त रहा हैं.

डीपीएस हीरक ब्रांच में माइंड मार्टियंस क्विज प्रतियोगिता

- 15 विद्यालयों को पछाड़ डीपीएस हीरक ब्रांच बना प्रथम

शुभम संदेश। धनबाद

धनबाद पब्लिक स्कूल, हीरक ब्रांच में शनिवार को माइंड मार्टियंस क्विज़ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया. कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के अध्यक्ष प्रभास दोकानिया , सचिव आलोक चौधरी और प्राचार्या पूर्णिमा सिल ने किया. प्रतिस्पर्धा में कुल 14 राउंड हुए, जिनमें सामान्य ज्ञान, विज्ञान, खेल, करंट अफेयर्स एवं ऑडियो-विजुअल जैसे विविध विषयों पर प्रश्न पूछे गए. प्रतियोगिता में धनबाद के 15 प्रतिष्ठित विद्यालयों ने भाग लिया, जिनमें किड्स गार्डन सेकेंडरी स्कूल झरिया, द्वारका मेमोरियल फाउंडेशन अकैडमी धनबाद ,जवाहरलाल नेहरू सीनियर सेकेंडरी स्कूल धनबाद , सिंबायोसिस पब्लिक स्कूल बरवड्डा , महर्षि मेही विद्यापीठ , विवेकानंद विद्यालय , सेंट जेवियर्स मिशन स्कूल, धनबाद , डी.एम. पब्लिक स्कूल, झारखंड पब्लिक स्कूल , राजकमल सरस्वती विद्या मंदिर , मोंटफोर्ट अकैडमी राजगंज , बड्र्स गार्डन राजगंज , बालिका विद्या मंदिर झरिया , डी.ए.वी.सी.एफ.आर.आई, धनबाद पब्लिक स्कूल, हीरक ब्रांच के प्रतिभागी सम्मिलित हुए. प्रथम स्थान पर रहे धनबाद पब्लिक स्कूल ,हीरक ब्रांच के अर्पण वर्मा और दृष्टि देयसु. द्वितीय स्थान पर रहे डीएवी सीएफआरआई के सिद्धांत और सार्थक. तृतीय स्थान पर रहे सिंबोसिस पब्लिक स्कूल के नमन और यूसुफ. कार्यक्रम का समापन विजेताओं की घोषणा और प्रमाण पत्र वितरण के साथ हुआ.

पीएचईडी की राइजिंग पाइप फटी, लाखों गैलन पानी बर्बाद

शुभम संदेश। निरसा

पीएचईडी विभाग की कथित लापरवाही के कारण शनिवार सुबह देवियाना गांव के समीप मैथन से धनबाद जा रही मुख्य राइजिंग पाइपलाइन क्षतिग्रस्त हो गई, जिससे लाखों गैलन पानी व्यर्थ बह रहा है. समाचार प्रेषण तक मरम्मत कार्य शुरू नहीं किया गया था और पानी का रिसाव जारी रहा. गौरतलब है कि यह स्थान पहले भी पाइप क्षति की समस्या से जूझ चुका है. इससे पूर्व 11 जुलाई को भी ठीक इसी स्थान पर पाइप फटने की घटना हुई थी. स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि पहली बार ही टिकाऊ और गुणवत्तापूर्ण मरम्मत की गई होती, तो यह स्थिति दोबारा उत्पन्न नहीं होती. पाइपलाइन से भारी मात्रा में पानी के बहाव के चलते विभागीय लापरवाही पर सवाल खड़े हो रहे हैं. स्थानीय नागरिकों ने चिंता जताई है कि यदि इसी तरह जल बर्बादी जारी रही, तो धनबाद शहर में पीने के पानी की किल्लत और गहरा सकती है. स्थानीय लोगों ने विभाग से शीघ्र मरम्मत कार्य प्रारंभ कर आपूर्ति बहाल करने की मांग की है. इस संबंध में जब संवाददाता ने पीएचईडी के एजीक्यूटिव इंजीनियर रणजीत ठाकुर से संपर्क करने का प्रयास किया, तो उनका फोन नहीं उठ पाया.

देश में आकांक्षी जिला बनकर उभरे धनबाद : डीसी

- उपायुक्त ने पलाश मार्ट की दीदी से बंधवाई राखी
- गोविंदपुर ब्लॉक के 43 कर्मी सम्मानित

शुभम संदेश। धनबाद

उपायुक्त आदित्य रंजन ने शनिवार को नावाडीह स्थित जिला पंचायत संसाधन केंद्र (डीपीआरसी) भवन में नीति आयोग, नई दिल्ली, द्वारा संचालित ₹संपूर्णता अभियान सम्मान समारोह₹ के समापन पर आयोजित कार्यक्रम में कहा कि जिले का केवल गोविंदपुर आकांक्षी ब्लॉक नहीं बल्कि भारत के मानचित्र पर पूरा धनबाद आकांक्षी जिला बनकर उभरना चाहिए. उन्होंने कहा कि इस मुकाम को प्राप्त करने के लिए त्रिस्तरीय पंचायती व्यवस्था में सभी को अपना समान योगदान देना होगा, जिससे हर व्यक्ति सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित हो. उपायुक्त ने कहा कि जनप्रतिनिधियों को उनके दायित्व का प्रशिक्षण देने के लिए डीपीआरसी भवन में 50 बेड का रेजिडेंशियल ट्रेनिंग सेंटर बनाया जाएगा. इसमें नई-नई योजनाओं की जानकारी के साथ-साथ विभिन्न स्तर का प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा. इससे किसी भी प्रकार की गलती की गुंजाइश नहीं रहेगी. पंचायत के मुखिया और सचिव सरकार की धार है. वे कमजोर रहेंगे तो योजनाओं को धरातल पर उतारने में कठिनाई होगी. उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री जितनी अच्छी सोच के साथ योजनाओं को लेकर आते हैं उतनी ही अच्छी सोच के साथ उसे धरातल पर उतारने का काम पंचायती राज के सभी जनप्रतिनिधियों का है. साथ ही सेविका, सहिया, बीपीएम, डीपीएम, शिक्षक सहित सबको मेहनत करनी होगी. इसके लिए आंगनबाड़ी केंद्र, स्वास्थ्य केंद्र व अन्य सरकारी संस्थानों में सहयोगात्मक सोच रखकर पूछताछ करें और कमी को दूर करने का प्रयास करें. जब पंचायत सशक्त होगी तो प्रखंड सशक्त होगा और इससे पूरा जिला परिषद सशक्त होगा. जिला पंचायती राज पदाधिकारी ने बताया कि नीति आयोग, नई दिल्ली द्वारा जुलाई 2024 से सितंबर 2024 तक ₹संपूर्णता अभियान सम्मान समारोह₹ अभियान चलाया गया था. जिसमें आकांक्षी ब्लॉक गोविंदपुर को कृषि, स्वास्थ्य, शिक्षा सहित 6 मानदंड पर काम करना था. कार्यक्रम के दौरान आकांक्षी ब्लॉक गोविंदपुर के 10 सेविका, 10 कृषक मित्र, 10 सहायक अध्यापक, झारखंड स्टेट लाइवलीहुड प्रमोशन सोसाइटी के 5, स्वास्थ्य विभाग के 8 सहित 43 लोगों को सम्मानित किया गया. वहीं कार्यक्रम से पूर्व उपायुक्त तथा जिला परिषद की अध्यक्ष ने पीएम श्री कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय बलियापुर एवं गोविंदपुर, झारखंड बालिका आवासीय विद्यालय धनबाद तथा जेएसएलपीएस द्वारा लगाए गए स्टॉल का निरीक्षण किया. जेएसएलपीएस के राखी स्टॉल के भ्रमण के दौरान उपायुक्त ने अपनी कलई पर राखी बंधवाई. कार्यक्रम में उपायुक्त आदित्य रंजन, जिला परिषद की अध्यक्ष शारदा सिंह, जिला पंचायती राज पदाधिकारी मुकेश कुमार बाउरी, जिला शिक्षा पदाधिकारी अभिषेक झा, जेएसएलपीएस के डीपीएम शैलेश रंजन, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी अनीता कुजूर, डीएमएफटी टीम लीडर शैलेश तिवारी, गोविंदपुर के बीडीओ जहिर आलम, प्रखंड प्रमुख निर्मला सिंह, बीईओ विनोद पांडेय, आनंद महतो के अलावा अन्य लोग उपस्थित थे.

आसनसोल

बिना सूचना के रात में तोड़ दी फुटपाथ की दुकानें

शुभम संदेश। बर्नपुर

हीरापुर थाना अंतर्गत बर्नपुर के सुभाष पल्ली मोड़ स्थित सड़क किनारे फुटपाथी दुकानों को शुक्रवार को रात डोजर लगाकर तोड़ दिया गया. इस दौरान सड़क किनारे स्थित तीन अस्थाई दुकानों को तोड़कर मिट्टी में मिला दिया गया, जिसमें दो मीट एवं एक चाय की दुकान शामिल है. यह कार्रवाई किसके द्वारा की गई है, इसकी जानकारी किसी को नहीं है. दुकान तोड़े जाने की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचे पीड़ित दुकानदार मोहम्मद नौशाद एवं सुरेश मंडल ने बताया कि कुछ स्थानीय तृणमूल कर्मियों ने बताया था कि रविवार को फुटपाथ के दुकानों को तोड़ा जाएगा, लेकिन कब तोड़ा जाएगा इसकी जानकारी किसी को नहीं दी गई थी. शुक्रवार की रात बिनी किसी नोटिस एवं सूचना के डोजर लगाकर दुकान को तोड़ दिया गया. वहीं स्थानीय तृणमूल कार्यकर्ताओं ने बताया था कि थाना में जलजमाव के कारण दुकानों को तोड़ा जाएगा. पीड़ित दुकानदारों ने कार्रवाई में पक्षपात करने का आरोप लगाते हुए बताया कि हीरापुर थाना के पास सड़क किनारे के फुटपाथ के दुकानों को तोड़े जाने के बजाय रात के समय सुभाष पल्ली मोड़ स्थित बीच के तीन दुकानों को तोड़ दिया गया. जो पूरी तरह से गलत है. दुकान को तोड़े जाने की सूचना पहले मिलने पर वे दुकान में रखे सामान को बाहर निकाल लेते लेकिन इसके लिए भी कोई समय नहीं दिया गया. वहीं स्थानीय तृणमूल कार्यकर्ताओं से पूछे जाने पर उनलोगों ने कुछ भी बताने से इंकार कर दिया. रात के समय हुई इस कार्रवाई से बर्नपुर के फुटपाथी दुकानदारों ने हड़कंप का माहौल है.

जतरागोड़ा के ग्रामीणों ने मांगी पक्की सड़क

पुरुलिया (शुभम संदेश)। झालदा थाना क्षेत्र के हेनशाहतु ग्राम पंचायत के कुदागारा गाँव की जतरागोरा बस्ती के निवासी मूलभूत सुविधाओं का अभाव हैं. लंबे समय से ग्रामीण बेहद मुश्किलों का सामना कर रहे हैं. गाँव में न तो पक्की सड़कें हैं, न आंगनवाड़ी केंद्र और न ही पीने के पानी की सुविधा. बरसात के दिनों में सड़कों पर यातायात लगभग ठप हो जाता है. मरीजों को कीचड़ से भरे रास्ते से गाड़ी में लादकर एम्बुलेंस में बिठाना पड़ता है. जंगली जानवरों का भी डर बना रहता है. ग्रामीण फुनु महतो और अजीत महतो ने बताया कि लगभग 40-45 लोगों के कुछ परिवार कई पीढ़ियों से यहाँ रह रहे हैं. 10 जुलाई 2024 को प्रखंड सामुदायिक विकास अधिकारी को लिखित रूप से समस्याओं से अवगत कराया गया था. हालाँकि पूर्व बीडीओ की पहल पर नदी पर एक पुल का निर्माण हुआ, लेकिन अन्य समस्याएँ अभी भी बनी हुई हैं. पंचायत समिति अध्यक्ष सारथी मुरा ने कहा कि मामले को गंभीरता से लिया जाएगा और जल्द ही कार्रवाई की जाएगी.

कैट ने किया व्यापारियों को संगठित करने का आह्वान

शुभम संदेश। रानीगंज

कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स कैट के पश्चिम बंगाल चैप्टर की ओर से 1 अगस्त की शाम होटल हिंदुस्तान इंटरनेशनल कोलकाता में एक प्रभावशाली बैठक आयोजित की गई. बैठक में कोलकाता सहित राज्य भर से 200 से अधिक व्यापारियों ने भाग लिया. व्यापारिक हितों की सुरक्षा, नीति निर्धारण में हस्तक्षेप और डिजिटल भारत के संदर्भ में नए अवसरों पर गहन मंथन हुआ. इस महत्वपूर्ण बैठक की अध्यक्षता कैट के राष्ट्रीय अध्यक्ष बीसी भारतीया, राष्ट्रीय चेयरमैन बृजमोहन अग्रवाल, व राष्ट्रीय कार्यकारी चेयरमैन सुभाष चंद्र अग्रवाल ने की. मंच पर पश्चिम बंगाल व पूर्वी भारत के शीर्ष पदाधिकारी सिद्धि जैन, बिश्वनाथ अग्रवाल, संजय झुनझुनवाला, मधुसूदन बनर्जी, संजय अग्रवाल, नवीन झाझड़िया, पवन बेगनानी, शुभम खेतान व राहुल मोदी प्रमुख रहे. बैठक के दौरान नए सदस्यों का स्वागत करते हुए उन्हें संगठन की कार्यप्रणाली, उद्देश्यों व उपलब्धियों से अवगत कराया गया. निर्णय लिया गया कि राज्य में व्यापारी प्रतिनिधित्व को सशक्त करने के लिए विशेष सदस्यता अभियान चलाया जाएगा. सुधार, नवाचार और पुनर्निर्माण के मंत्र के साथ व्यापार को डिजिटल और आत्मनिर्भर भारत के अनुरूप संगठित करने का आह्वान किया गया.

न्यूज अपडेट

आमादेर पाड़ा आमादेर समाधान शिविर का आयोजन

बर्नपुर (शुभम संदेश)। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के निर्देश पर राज्य भर में आमादेर पाडा, आमादेर समाधान अभियान की शुरुआत की गई है. शनिवार को आसनसोल नगर निगम के बोरो 7 वार्ड नंबर 56 के सांता डंगाल फ्री प्राइमरी स्कूल में आमादेर पाडा, अमादेर समाधान का पहला शिविर का लगाया गया. शिविर में वार्ड नंबर 56 के बूथ नंबर 13, 14 एवं 15 में के लोगों को सुविधा दी गई. वहीं शिविर में कामकाज का जायजा लेने के लिए आसनसोल नगर निगम के निगम आयुक्त अदिति चौधरी तथा आसनसोल महकमा शासक विश्वजीत भट्टाचार्य पहुंचे. इनके अलावा आसनसोल साउथ ब्लॉक टाउन के अध्यक्ष पार्षद अनुप माजी, बोरो चेयरमैन शिवानंद बाउरी, स्थानीय पार्षद श्रावणी विश्वास आदि मौजूद थी. इस शिविर में लोगों को दुआरे सरकार की भी सुविधा प्रदान की गई. अनूप माझी ने बताया कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने अब लोगों को अपने इलाके का स्वयं समाधान करने के लिए आगे आने को कहा है. इसके लिए हर बूथ को 10 लाख रुपए आवंटित किया गया है. जनभागीदारी से ही हर इलाके के समस्या का स्थाई समाधान किया जा सकता है. पार्षद श्रावणी विश्वास ने बताया कि वार्ड 56 का अगला शिविर 6 अगस्त को लगाया जाएगा. गौरतलब है कि आमादेर पाड़ा आमादेर समाधान अभियान के तहत राज्य सरकार 8000 करोड़ रुपए का अनुदान राशि आबंटित कर रही है.

आसनसोल क्लब में विवाद, पूर्व अध्यक्ष निष्कासित

रानीगंज (शुभम संदेश)। शिल्पांचल के प्रतिष्ठित आसनसोल क्लब लिमिटेड एक बार फिर विवादों में घिर गया है. क्लब के पूर्व अध्यक्ष सोमनाथ बिस्वाल को क्लब की कार्यकारिणी समिति द्वारा निष्कासित कर दिया गया है. इस घटनाक्रम ने क्लब के इतिहास में पूर्व में घटित एक समान विवाद की पुनरावृत्ति कर दी है. क्लब के वर्तमान अध्यक्ष अमरजीत सिंह ने इस कार्रवाई की पुष्टि करते हुए बताया कि सोमनाथ बिस्वाल को क्लब की स्क्रीनिंग कमेटी ने कुछ मामलों में नियमों का उल्लंघन करते हुए पाया था. इसके बाद अनुशासन समिति द्वारा जांच की गई. कई बार बुलाने के बावजूद बिस्वाल समिति के समक्ष उपस्थित नहीं हुए और सहयोग नहीं किया. अनुशासन समिति की अनुशंसा पर कार्यकारिणी ने यह कठोर निर्णय लिया. वहीं, दूसरी ओर सोमनाथ बिस्वाल ने इस निष्कासन आदेश को फर्जी और अवैध करार दिया है. उन्होंने कहा कि मामला फिलहाल न्यायालय में विचाराधीन है, ऐसे में क्लब कोई भी आदेश कैसे जारी कर सकता है? उन्होंने इस निर्णय को मानने से इनकार करते हुए इसे व्यक्तिगत विद्वेष से प्रेरित बताया. इस घटनाक्रम से क्लब में एक बार फिर आंतरिक खींचतान और गुटबाजी की स्थिति बन गई है, जिससे क्लब की गरिमा पर भी सवाल उठने लगे हैं.

निशा कर रही रानीगंज में समाज सेवा

रानीगंज (शुभम संदेश)। निशा बरनवाल ने समाज सेवा के क्षेत्र में अपना पहचान बनाकर एक अद्वितीय उदाहरण प्रस्तुत किया है. वे न केवल अपने समुदाय की सेवा कर रही है बल्कि समाज में एक सकारात्मक परिवर्तन भी ला रही है. निशा शिक्षा, स्वास्थ्य और पर्यावरण संरक्षण में सेवा दे रही है. महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में भी काम किया है. रानीगंज की समाजसेवी अनिशा भुवालका दूबे ने बतलाया कि निशा जैसी महिलाएं अपने घर परिवार का दायित्व संभालने के साथ-साथ समाज सेवा के क्षेत्र में भी अव्वल है. आने वाले दिनों में ऐसी महिला को सम्मानित किया जाएगा एवं उनका हौसला अफजाई किया जाएगा उम्मीद है कि वह अपने समाज सेवा कार्यों को जारी रखेंगी और समाज में और भी सकारात्मक परिवर्तन लाएंगी.

राष्ट्रपति ने किया किरणमय और निर्मल्य को सम्मानित

शुभम संदेश। पुरुलिया

पुरुलिया के दो सपूतों किरणमय माजी और निर्मल्य मुखर्जी ने पुरुलिया ज़िला का नाम रोशन किया है. कल्याणी स्थित एम्स के पहले दीक्षांत समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने एमबीबीएस पास दो डॉक्टरों किरणमय और निर्मल्य को पुरस्कार प्रदान किए. दोनों मेधावी छात्र 2019 में गठित पहले बैच के 50 छात्रों में शामिल थे. राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने उसी मंच पर किरणमयी को कांस्य पदक और प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया. निर्मल्या को केंद्रीय आयुष राज्य मंत्री प्रतापराव यादव और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री डॉ. चंद्रिमा भट्टाचार्य ने उसी मंच पर सम्मानित किया. पहले एमबीबीएस बैच के कुल 48 मेडिकल छात्रों और 9 पीडीसीसी स्कॉलर्स को भी इसी मंच पर सम्मानित किया गया. राष्ट्रपति ने पहले तीन स्थान पाने वालों को स्वर्ण, रजत और कांस्य पदक प्रदान किए. एम्स कल्याणी ने 2019 में अपनी यात्रा शुरू की थी. बुधवार को पहला दीक्षांत समारोह आयोजित किया गया. राष्ट्रपति के अलावा, राज्यपाल सी.वी. आनंद बोस, केंद्रीय जहाजरानी राज्य मंत्री शांतनु ठाकुर और स्वास्थ्य राज्य मंत्री प्रतापराव गणपतराव यादव भी मौजूद थे. राज्य सरकार की ओर से स्वास्थ्य राज्य मंत्री चंद्रिमा भट्टाचार्य भी मौजूद थीं.

हमारा संकल्प ने लगाए 1200 पौधे

बर्नपुर (शुभम संदेश)। सेल आईएसपी के सीएसआर के पहल के तहत सामाजिक संस्था हमारा संकल्प ने एक अनूठी पहल करते हुए मियावकी वृक्षारोपण तकनीक के माध्यम से 10 नंबर गेट समीप डंपिंग एरिया को एक घना हरा उपवन में परिवर्तित करने का प्रयास किया गया. यह प्रयोग 'अमृत कृषि पद्धति' की सहायता से किया जा रहा है, जो भूमि को प्राकृतिक रूप से उपजाऊ बनाकर पौधों की तेजी से वृद्धि को सुनिश्चित करता है. इस वृक्षारोपण अभियान में कुल 1200 पौधों का रोपण किया गया. इनमें आम, अमरूद, जामुन, बेर, पीपल, वटवृक्ष, शीशम, गुड़हल सहित कुल 22 प्रजातियों के पौधे शामिल हैं. इस अभियान का नेतृत्व और मार्गदर्शन अंजनी सिन्हा (पूर्व जीएम, सेल) एवं अजय कुमार सिंह (संस्थापक, हमारा संकल्प) द्वारा किया गया. इस परियोजना की ज़मीन की तैयारी एवं संचालन की जिम्मेदारी हमारा संकल्प के परियोजना प्रबंधक डोलन पाल और उनकी टीम ने पिछले 4.5 महीनों में अथक मेहनत से निभाई.

बदहाल सड़क के विरोध में भाजपाइयों ने की सड़क जाम

शुभम संदेश। सांकतोड़िया

कुल्टी विधानसभा क्षेत्र के शीतलपुर चौराहे पर शनिवार की दोपहर 12 बजे भाजपा ने सड़क अविलंब मरम्मत की मांग पर सड़क जाम कर विरोध प्रदर्शन किया. डिसरगढ़ से नियामतपुर और डिसरगढ़ से बराकर के बेगुनिया चौराहे तक की सड़क महीनों से जर्जर हालत में है. भाजपा नेतृत्व ने आरोप लगाया कि प्रशासन को बार-बार सूचित करने के बावजूद, सड़क का काम नहीं किया जा रहा है. इसलिए विरोध प्रदर्शन किया जा रहा है. लगभग आधे घंटे के जाम के बाद, कुल्टी थाने की सांकतोड़िया चौकी पुलिस के आश्वासन पर जाम हटा लिया गया. जानकारों का कहना है कि सड़क के किनारे कई पाइप लाइनों को बिछाने का कार्य भी किया जा रहा है. अतः जबतक इन पाइप लाइनों का कार्य पूरा नहीं हो जाता तबतक सड़क की मरम्मत नहीं किया जा सकता. दूसरी तरफ सड़क चौड़ीकरण की भी बात कही जा रही है. आसनसोल पुरुलिया की यह महत्वपूर्ण सड़क रघुनाथपुर सरबड़ी की ओर चौड़ीकरण किया जा रहा है. इधर भी चौड़ा किया जाना है. लोगों का अनुमान है कि दुर्गापूजा से पहले इसकी हालत नहीं सुधरेगी. वैसे भी वर्षा के समय तो और भी नहीं. शनिवार को सड़क अवरोध के मौके पर कुल्टी विधायक भाजपा के डॉ. अजय कुमार पोद्दार, नगरनिगम के वार्ड 105 की भाजपा पार्षद इंद्राणी आचार्य, भाजपा नेता बप्पा आचार्य, संजीव घोष, प्रेमदेव दास समेत कई अन्य लोग मौजूद थे.

सावन में शिवलिंग पर चढ़ाएं ये 3 तेल, सुख-सौभाग्य का मिलेगा वरदान

हिंदू धर्म में सावन का महीना सुख-सौभाग्य का कारक माना जाता है। अगर आप शिवलिंग की पूजा कर रहे हैं भोलेनाथ को कुछ ऐसे तेल हैं, जो चढ़ाने से उत्तम परिणाम मिल सकते हैं। सावन का पवित्र महीना भगवान शिव को समर्पित है। इस दौरान शिव भक्त उनकी कृपा पाने के लिए अनेक प्रकार से पूजा-अर्चना करते हैं। सावन में शिवलिंग पर जल चढ़ाने का विशेष महत्व है, लेकिन क्या आप जानते हैं कि कुछ विशेष तेलों को शिवलिंग पर अर्पित करने से सुख-सौभाग्य और मनोवांछित फल की प्राप्ति होती है? ऐसे ही 3 तेलों के बारे में विस्तार से जानते हैं, जिन्हें सावन में शिवलिंग पर चढ़ाना अत्यंत शुभ माना जाता है।

शिवलिंग पर चढ़ाएं तिल का तेल

हिंदू धर्म में तिल का तेल अत्यंत पवित्र माना जाता है। इसे विभिन्न धार्मिक अनुष्ठानों और पूजा-पाठ में उपयोग किया जाता है। पौराणिक कथाओं के अनुसार, तिल की उत्पत्ति भगवान विष्णु के शरीर से हुई है, इसलिए इसे अत्यंत शुभ माना जाता है। वहीं, भगवान शिव को तिल और तिल से बनी चीजें अर्पित करना विशेष फलदायी माना गया है। माना जाता है कि सावन के महीने में भगवान शिव धरती पर ही वास करते हैं और अपने भक्तों की मनोकामनाएं पूरी करते हैं। इस दौरान शिवलिंग पर तिल का तेल चढ़ाने से कई प्रकार के रोग, दोष और कष्टों से मुक्ति मिलती है। यह नकारात्मक ऊर्जा को दूर कर सकारात्मकता का संचार करता है।

शिवलिंग पर चढ़ाएं चंदन का तेल

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, चंदन का संबंध चंद्रमा और शुक्र ग्रह से है। चंदन का तेल चढ़ाने से कुंडली में इन ग्रहों की स्थिति मजबूत होती है, जिससे जीवन में सुख-समृद्धि आती है और मानसिक शांति मिलती है। इसलिए आप सावन के महीने में शिवलिंग पर चंदन का तेल चढ़ाने से उत्तम फलों की प्राप्ति हो सकती है।

शिवलिंग पर चढ़ाएं सरसो का तेल

आर्थिक समस्याओं से जूझ रहे लोगों के लिए भी सावन में सरसों का तेल अर्पित करना अत्यंत शुभ फलदायी माना जाता है। धन-धान्य में वृद्धि के लिए यह एक प्रभावी उपाय है। जो लोग कर्ज में डूबे हुए हैं या आर्थिक तंगी का सामना कर रहे हैं, उन्हें नियमित रूप से शिवजी पर सरसों का तेल चढ़ाना चाहिए। इससे धन लाभ के नए मार्ग खुलते हैं और धीरे-धीरे आर्थिक स्थिति सुधरने लगती है। अगर घर में लगातार क्लेश रहता है या परिवार के सदस्यों के बीच सामंजस्य की कमी है, तो सावन में शिवलिंग पर सरसों का तेल चढ़ाने से गृह क्लेश दूर होता है और परिवार में सुख-शांति आती है।

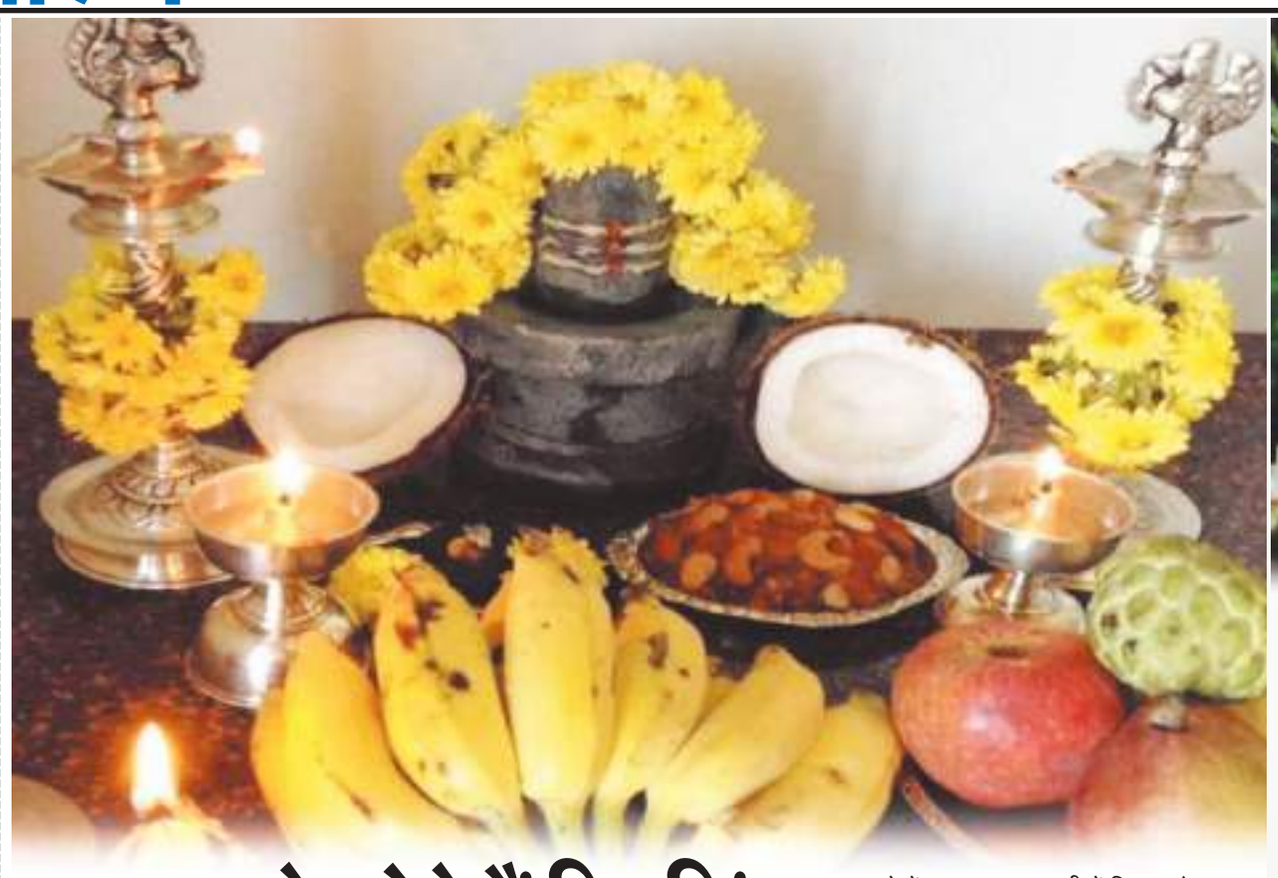

10 तरह के होते हैं शिवलिंग, सबकी अलग तरह से होती है पूजा और मिलता है अलग फल

सावन का महीना भगवान शिव का महीना होता है। इस महीने में भगवान शिव की पूजा अराधना कर उनके भक्त उन्हें प्रसन्न करने की कोशिश करते हैं। इतना ही नहीं बहुत सारे भक्त जब तक सावन का महीना चालता है तब तक वह रोज शिवलिंग की पूजा करते हैं और उस पर बेल पत्र आदि चढ़ाते हैं।

ऐसी मान्यता है कि सावन के पवित्र महीने में भगवान शिव की पूजा, व्रत और शिवलिंग पर जल व बेल पत्र चढ़ाने से भक्तों की मनोकामना पूरी होती है। मगर, क्या आपको पता है कि किस शिवलिंग की पूजा कैसे करनी चाहिए। जी हां, आप सही समझ रही हैं। शिवलिंग के कई प्रकार होते हैं। हर शिवलिंग अलग तरह का फल देता है और उसकी पूजा का तरीका क्या होता है। आपको बता दें कि शिव पुराण में 10 तरह के शिवलिंग बताए गए हैं।

पारद शिवलिंग

अगर आप सावन के महीने में रद्राभिषेक करवाना चाहती हैं तो आपको पारद शिवलिंग का अभिषेक करवाना चाहिए। अगर आप पारद शिवलिंग का रुद्राभिषेक करवाती हैं तो आपके जीवन में हमेशा सुखशांति बनी रहेगी। इतना ही नहीं महिलाएं अगर इस शिवलिंग की पूजा करती हैं तो उनको सौभाग्य प्राप्त होगा। आपको बता दें कि यह शिवलिंग बेहद छोटे होते हैं और आप इन्हें अपने घर, ऑफिस, दुकान में रख सकती हैं। इस शिवलिंग को स्थापित करने से पहले इसकी पूजा जरूर करें।

मिश्री शिवलिंग

चीनी या मिश्री से बने शिवलिंग को मिश्री शिवलिंग कहा जाता है। अगर आपके घर में किसी की तबियत खराब है तो आपको रोजाना मिश्री से बने शिवलिंग की पूजा करनी चाहिए। इससे रोगी का रोग दूर होता है।

जौं और चावल के शिवलिंग

अगर आप चाहती हैं कि आपके घर में समृद्धि आए तो आपको इसके लिए जौं और चावल से बने शिवलिंग की पूजा करनी चाहिए। अगर आप बहुत समय से संतान के लिए प्रयास कर रही हैं तब भी आपको जौं और चावल से बनें शिवलिंग की पूजा करनी चाहिए।

भस्म शिवलिंग

उज्जैन में बने महाकालेश्वर मंदिर में जो शिवलिंग है उसकी भस्म आरती फेमस है। मगर यज्ञ की भस्म से बनी शिवलिगं की भी पूजा होती है। यह शिवलिंग अधिकतर अघोरी बाबा लोग सिद्धियों को प्राप्त करने के लिए बनाते हैं। घर में भस्म से बने शिवलिंग की पूजा कभी भी नहीं करनी चाहिए।

गुड़ के शिवलिंग

जैसे चीनी के शिवलिंग होते हैं वैसे ही गुड़ और अन्न को मिला कर भी शिवलिंग बनाए जाते हैं। अगर आप चाहती हैं कि आपके घर में कभी अन्न की कमी न हो या आपके खेत में खूब अन्न उपजे तो आपको हमेशा गुड़ और अन्न के बने शिवलिंग की पूजा करनी चाहिए।

फल और फूल के बने शिवलिंग

फल और फूल से भी शिवलिंग बनाए जा सकते हैं। अगर आपको प्रॉपर्टी से जुड़ी कोई समस्या सता रही है तो आपको फल और फूल से बने शिवलिंग की पूजा करनी चाहिए। इससे आपकी प्रॉपर्टी से जुड़ी समस्या दूर हो जाएगी।

सोने या चांदी के शिवलिंग

वैसे ऐसा कम ही देखा गया है कि कोई सोनी या चांदी क बने शिवलिंग पूजा करता हो। मगर आपको अपने घर में वैभव चाहिए तो आपको सोने और चांदी के शिवलिंग की पूजा करनी चाहिए।

मिट्टी के शिवलिंग

अगर आप किसी ऐसे स्थान पर रहती हैं या आपकी कुंडली में किसी विषैले जानवर के काटने का दोष है तो आपको मिट्टी के शिवलिंग की पूजा करनी चाहिए। इससे आप भय मुक्त होंगी।

दही के शिवलिंग

सुनकर आपको आश्चर्य हो रहा होगा मगर दही के शिवलिंग भी बन जाते हैं। इसके लिए दही को कपड़े में बांध कर आपको रखना होगा और फिर उसके शिवलिंग बनाने होंगे इससे आपको धन की प्राप्ति होगी।

लहसुनिया शिवलिंग

अगर आपका कोई शत्रु है और वह आपको परेशान कर रहा है तो उसे नष्ट करने के लिए आप लहसुनिया शिवलिंग की पूजा करनी चाहिए। इससे आपकी सारी मनोकामना पूरी होती हैं।

मानसिक शांति के लिए सावन में जरूर करें इस शिवलिंग की पूजा

हिंदू धर्म में सावन महीने में शिवलिंग पूजा का विशेष विधान है। इस दिन ऐसी मान्यता है कि इस दिन भगवान शिव की पूजा-अर्चना करने से व्यक्ति की सभी परेशानियां दूर हो सकती है। हिंदू धर्म में सावन का महीना भगवान शिव को समर्पित, हिंदू धर्म में अत्यंत पवित्र माना जाता है। यह वह समय है जब प्रकृति शिवमय हो जाती है और भक्त अपने आराध्य को प्रसन्न करने के लिए विभिन्न अनुष्ठानों में लीन रहते हैं। इन्हीं में से एक विशेष अनुष्ठान है स्फटिक शिवलिंग की पूजा। स्फटिक, जिसे क्वार्ट्ज भी कहते हैं। इससे बने शिवलिंग की पूजा का शास्त्रों में विशेष महत्व बताया गया है। स्फटिक को देवी लक्ष्मी और भगवान शिव दोनों से जोड़ा जाता है। अब ऐसे में अगर किसी जातक को बार-बार समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। साथ ही मानसिक परेशानियां हो रही है तो आइए इस लेख में ज्योतिषाचार्य पंडित अरविंद त्रिपाठी से विस्तार से स्फटिक शिवलिंग की पूजा-अर्चना करने की विधि और नियम के बारे में विस्तार से जानते हैं।

स्फटिक शिवलिंग की पूजा किस विधि से करें?

- पूजा स्थल को अच्छी तरह साफ करें।
- शिवलिंग को साफ जल या कच्चे दूध से धोकर शुद्ध करें।
- एक साफ, लाल या सफेद कपड़े पर या तांबे या पीतल की थाली में शिवलिंग को स्थापित करें।
- पूजा की शुरुआत गणेश जी की पूजा से करें, क्योंकि किसी भी शुभ कार्य से पहले उनकी पूजा अनिवार्य है।
- स्फटिक शिवलिंग पर पंचामृत जैसे कि कच्चा दूध, दही, घी, शहद और गंगाजल का मिश्रण से अभिषेक करें। अभिषेक करते समय ऊं नमः शिवाय मंत्र का कम से कम 108 बार जाप करें।
- अभिषेक के बाद शिवलिंग को साफ कपड़े से पोंछ लें।
- शिवलिंग पर बेलपत्र, फूल, चंदन, धूप और दीप अर्पित करें।
- आखिर में, आरती करें और भगवान शिव से अपनी मनोकामनाएं पूर्ण करने की प्रार्थना करें।

स्फटिक शिवलिंग की पूजा करने के नियम

- शिवलिंग को हमेशा घर के ईशान कोण में स्थापित करें। ध्यान रहे कि शिवलिंग का मुख उत्तर दिशा की ओर हो।
- घर में रखे जाने वाले शिवलिंग का आकार अंगूठे के पहले पोर से बड़ा नहीं होना चाहिए। बहुत बड़े शिवलिंग मंदिर में स्थापित किए जाते हैं।
- स्फटिक शिवलिंग पर प्रतिदिन दूध, दही, घी, शहद और गंगाजल से अभिषेक करें। अभिषेक करते समय ऊं नमः शिवाय मंत्र का जाप करते रहें।
- अभिषेक के बाद शिवलिंग को साफ कपड़े से पोंछें और उस पर बेलपत्र, धतूरा, आक के फूल और चंदन अर्पित करें।
- स्फटिक शिवलिंग की पूजा घर का कोई भी सदस्य कर सकता है। यह घर के वास्तु दोषों को दूर करने में सहायक होता है।
- घर में एक से अधिक शिवलिंग न रखें।

स्फटिक शिवलिंग की पूजा करने का महत्व

स्फटिक शिवलिंग की पूजा घर में सुख-शांति और समृद्धि लाती है। यह नकारात्मक ऊर्जा को दूर कर सकारात्मकता का संचार करता है। जिन घरों में अक्सर कलह या आर्थिक परेशानियां रहती हैं, वहां स्फटिक शिवलिंग की स्थापना और पूजा विशेष रूप से लाभकारी मानी जाती है। यह धन आगमन के नए द्वार खोलता है और कर्ज मुक्ति में भी सहायक होता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, स्फटिक शिवलिंग की पूजा से भगवान शिव की विशेष कृपा प्राप्त होती है, जिससे मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं और आरोग्य की प्राप्ति होती है। यह ग्रह दोषों को शांत करने और बुरी शक्तियों से रक्षा करने में भी मदद करता है।

सावन के महीने में 5 पौधे लगाने से दूर होगी तंगी, जमकर बरसेगा पैसा

सावन का महीना भगवान शिव को समर्पित होता है, जहाँ भक्त शिवलिंग पर प्रार्थना करते हैं और व्रत रखते हैं। घर पर शुभ पौधे उगाने सहित सार्थक अनुष्ठानों के माध्यम से दिव्य आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए यह महीना पवित्र और शक्तिशाली माना जाता है।

सावन के दौरान कुछ पौधों को लगाना होता है शुभ सावन का महीना इस साल 9 अगस्त 2025 तक रहेगा। यह महीना भगवान शिव को बहुत प्रिय है। इस दौरान भक्त आराधना, व्रत, उपवास और आध्यात्मिक साधना कर उनका आशीर्वाद प्राप्त करते हैं। भारत में सावन के दौरान भक्त श्रद्धा, भक्ति और प्रकृति से जुड़ते हैं। सावन के पवित्र महीने में भक्त उपवास रख शिवलिंग पर जल चढ़ाकर प्रभु को प्रसन्न करने की कोशिश करते हैं। भक्त सावन के महीने में पौधों को घर में लगाकर ईश्वर की कृपा पा सकते हैं। वास्तु के अनुसार कुछ पौधों को घर में सावन के दौरान लगाना बहुत शुभ माना गया है। ये पौधे घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करते हैं। माना जाता है कि इन पौधों से घर में सुख-समृद्धि आती है। आइए जानते हैं कि सावन में कौन से 5 पौधे घर में लगाना शुभ रहेगा...

बेल का पेड़ (बेल पत्र)

बेल वृक्ष भगवान शिव को बहुत प्रिय है। इसकी त्रिपत्री पत्तियां शिवलिंग पर भी चढ़ाई जाती हैं। सावन के महीने में घर में बेल का पौधा लगाने से आर्थिक तंगी दूर होती है। घर में खुशियां आती हैं। वास्तु के अनुसार यह पौधा घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करता है।

तुलसी का पौधा

तुलसी को सीधे शिव को अर्पित नहीं किया जाता है, लेकिन इसको मां लक्ष्मी का रूप माना जाता है। सावन में तुलसी का पौधा लगाकर पूजा करने से घर में सुख, समृद्धि और मानसिक शांति बनी रहती है।

शमी का पौधा

शमी वृक्ष को शिव और शनि दोनों का प्रिय माना गया है। सावन में शमी का पौधा लगाना शनि दोष से मुक्ति और घर में शांति का प्रतीक होता है। यह आर्थिक मजबूती भी लाता है। नकारात्मक ऊर्जा को समाप्त करता है।

आक का पौधा (मदार)

आक का सफेद फूलों वाला पौधा भगवान शिव को अत्यंत प्रिय है। सावन में इसे घर में लगाने और इसकी पत्तियां शिवलिंग पर चढ़ाने से इच्छाएं पूरी होती हैं। इसे लगाना शुभ माना जाता है, जिससे धन और सफलता की प्राप्ति होती है।

धतूरा का पौधा

धतूरा, कांटेदार फल वाला पौधा, शिव के पूजन में प्रमुख स्थान रखता है। सावन में धतूरा चढ़ाने से शिवजी की विशेष कृपा प्राप्त होती है। इसे घर में लगाने से शत्रुओं पर विजय, धन की वृद्धि और ईश्वरीय सुरक्षा का अनुभव होता है।

मंथन

साफ-सुथरे शहर में डेंगू का डंक, हो ठोस कार्रवाई

हाल ही में स्वच्छता सर्वेक्षण में देश में तीसरा स्थान हासिल कर राष्ट्रपति से सम्मान प्राप्त करने वाला जमशेदपुर डेंगू के खतरे से जूझ रहा है. शहर के टेल्को क्षेत्र के छोटा गोविंदपुर इलाके में डेंगू के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं और दो महिलाओं की संदिग्ध मौत ने हालात की गंभीरता को उजागर कर दिया है. यह स्थिति बताती है कि कागज़ी उपलब्धियों और ज़मीनी हकीकत में बड़ा फासला है. डेंगू से अब तक 21 मामलों की पुष्टि हुई है, जिनमें 13 मरीज अकेले छोटा गोविंदपुर के हैं. यह क्षेत्र अब डेंगू का हॉट स्पॉट बन चुका है. चिंता की बात यह है कि स्वास्थ्य विभाग ने जिन दो महिलाओं की मौत हुई है, उन्हें आधिकारिक तौर पर डेंगू से मौत के तौर पर नहीं माना, जबकि चिकित्सकीय लक्षण और प्रारंभिक जांच रिपोर्ट डेंगू की ही ओर संकेत करती हैं. इस तरह की अनिश्चितता न केवल जनमानस में भ्रम फैलाती है, बल्कि प्रशासन की जवाबदेही पर भी सवाल खड़े करती है. स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी सावधानी निर्देश प्रशंसनीय हैं, लेकिन वे तब तक प्रभावी नहीं होंगे जब तक स्थानीय निकाय अपने स्तर पर सफाई, फॉगिंग और जल जमाव की रोकथाम के ठोस कदम नहीं उठाते. नागरिकों को भी चाहिए कि वे स्वयं सतर्क रहें और मच्छर से बचाव के सभी उपाय करें. स्वच्छता के नाम पर मिले पुरस्कार तभी सार्थक माने जाएंगे, जब आम जन की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके. डेंगू जैसे रोगों की रोकथाम केवल प्रचार और आंकड़ों से नहीं, बल्कि जमीनी कार्रवाई और पारदर्शिता से ही संभव है. यही वक्त है कि प्रशासन जिम्मेदारी निभाए और नागरिक सतर्कता दिखाएं-वरना पुरस्कार धूमिल और संकट गहरा हो सकता है.

नजरिया

कीचड़ में धंसी व्यवस्था, टूट रहा लोगों के सब्र का बांध

लोहरदगा के भंडरा प्रखंड अंतर्गत मसमानो पंचायत के बुड़का गांव में सड़क की बदहाली के खिलाफ ग्रामीणों ने अनोखा और मार्मिक विरोध दर्ज कराया. गड्ढों और कीचड़ से सनी सड़क पर धान रोपकर ग्रामीणों ने जनप्रतिनिधियों और प्रशासन की उपेक्षा पर तमाचा जड़ा. यह न केवल विकास के खोखले दावों को उजागर करता है, बल्कि शासन-प्रशासन की संवेदनहीनता की भी पोल खोलता है. आज़ादी के 75 वर्ष और झारखंड राज्य गठन के दो दशक बीत जाने के बाद भी बुड़का गांव के टाईन टोला, गोपी टोला और अम्बा टोला जैसे हिस्से अब तक सड़क जैसी बुनियादी सुविधा से वंचित हैं. चार किमी की सड़क तीनों ओर से कीचड़ और गड्ढों से इस कदर भरी हुई है कि न वाहन जा सकते हैं, न ही पैदल चलना संभव है. बीमार को अस्पताल पहुंचाना ग्रामीणों के लिए किसी जंग लड़ने से कम नहीं है. चुनावों के वक्त विकास के वादे किए जाते हैं, परंतु परिणाम वही 'ढाक के तीन पात'. यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि जब तक जनता नाराज़ होकर इस प्रकार के विरोध का रास्ता नहीं अपनाती, तब तक प्रशासन हरकत में नहीं आता. आरईओ विभाग के कनीय अभियंता का यह बयान कि गुस्सा जायज है, एक प्रकार की स्वीकृति है कि विफलता की जिम्मेदारी शासन-प्रशासन पर है. अब वक्त है कि केवल सहानुभूति नहीं, ठोस कार्यवाही हो. वरना बुड़का जैसे गांव विकास के नक्शे से यूं ही गायब रहेंगे और जनता का विश्वास लोकतंत्र से टूटता जाएगा.

आतंकवाद पर भारत की निर्णायक कार्रवाई

मयंक चतुर्वेदी

अब ऑपरेशन महादेव के जरिए भारत कर रहा है आतंकवाद का सफाया.

जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा बलों द्वारा आतंकियों के खिलाफ चलाया गया ताजा अभियान 'ऑपरेशन महादेव' एक बार फिर यह रेखांकित करता है कि भारत अपने एक भी आतंकवादी दुश्मन को नहीं छोड़ेगा. जम्मू-कश्मीर में इस अभियान के अंतर्गत उन तीन आतंकियों को मार दिया, जिन्होंने पहलगाम में हुए नरसंहार से भारत की आत्मा को छलनी करने की हिम्मत की थी. वस्तुतः यह मुठभेड़ ऐसे समय में हुई है जब देश में 'ऑपरेशन सिंदूर' की गूंज बनी हुई है. 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत भारत ने पाकिस्तान और उसके कब्जे वाले कश्मीर में स्थित आतंकी ठिकानों पर सटीक हमले किए थे. इनमें लश्कर-ए-तैयबा, जैश-ए-मोहम्मद और हिजबुल मुजाहिदीन जैसे संगठनों के प्रशिक्षण शिविर शामिल थे. भारत सरकार की ओर से बताया भी गया, कैसे इस अभियान में 100 से अधिक आतंकियों को मार गिराया और पाकिस्तान के 11 हवाई ठिकानों को भी तबाह किया गया था.

इस संदर्भ में भारत की हालिया कार्रवाइयां दर्शाती हैं कि वह अब न तो आतंकी हमलों को 'स्थानीय घटनाएं' मानकर टाल रहा, और न ही कूटनीतिक औपचारिकताओं में उलझ रहा है. यदि हम जम्मू-कश्मीर को लेकर ही पिछले पांच वर्ष का आंकड़ा देखते हैं तो ध्यान में आता है कि वर्ष 2020 में 225 आतंकी मारे गए, जिसमें 207 कश्मीर में और 18 जम्मू में. साथ ही 635 ओजीडब्ल्यू (संदिग्ध सहयोगी) गिरफ्तार किए गए. वर्ष 2021 में 171 आतंकी ढेर हुए, जिनमें 149 स्थानीय और 22 पाकिस्तानी थे . 2022 में 172 आतंकी ढेर हुए, जिनमें 42 विदेशी थे. 100 नए शामिल, उनमें से 65 मारे गए और 17 गिरफ्तार हुए. सक्रिय आतंकियों की संख्या दहाई में आ गई. वर्ष 2023 की बात की जाए तो जम्मू क्षेत्र में वर्ष भर में 81 आतंकवादी मारे गए, 214 गिरफ्तार किए गए.

ये आंकड़े स्पष्ट करते हैं कि भारत आतंकवाद के विरुद्ध अब केवल रक्षात्मक नहीं, आक्रामक और रणनीतिक दृष्टिकोण अपना रहा है. ऑपरेशन सिंदूर और महादेव जैसे अभियानों से यह संदेश गया है कि भारत आतंकवाद के स्रोतों को केवल अपने भूभाग में ही नहीं, सीमा पार भी समाप्त करने की सामर्थ्य और इच्छा रखता है. आज यह पूरे विश्व को भारत सरकार की ओर से स्पष्ट कर दिया गया है इन कार्रवाइयों का उद्देश्य केवल बदला लेना नहीं, बल्कि यह स्पष्ट संदेश देना भी है कि आतंकवाद को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा.

बात अब 'ऑपरेशन महादेव' की, जब भारतीय सुरक्षा बलों ने पहलगाम आतंकी हमले (22 अप्रैल) के मास्टरमाइंड और अन्य आतंकवादियों को निशाना बनाने के लिए लगाया गया तो उक्त अभियान का नाम रखा गया 'ऑपरेशन महादेव.' जब कश्मीर के दचिगाम और लिडवास क्षेत्रों में तीन पाकिस्तानी लश्कर के आतंकी, जिनमें प्रमुख था सुलेमान शाह उर्फ़ हाशिम मूसा को 28 जुलाई को सुरक्षा बलों ने ढेर किया, तो ये ऑपरेशन सभी के बीच चर्चा का विषय बन गया. आखिर 'ऑपरेशन महादेव' ही क्यों? तब समझना होगा कि ऑपरेशन का नाम "महादेव" इसलिए रखा गया क्योंकि यह कार्रवाई महादेव चोटियों वाले जंगल क्षेत्र में हुई, जो श्रीनगर के पास है. लिडवास, हारवान, और दाचिगाम राष्ट्रीय उद्यान जैसे इलाके इस पर्वतीय क्षेत्र में आते हैं, जिसे स्थानीय लोग महादेव हिल्स या महादेव ट्रेक के नाम से जानते हैं. चूंकि आतंकवादियों का ठिकाना महादेव चोटी के आसपास के इलाके में था, इसलिए इस नाम को ऑपरेशनल कोड के तौर पर चुना गया. फिर ये नाम भारत की सांस्कृतिक पहचान का भी प्रतीक है, जो इसे केवल सैन्य कार्रवाई नहीं, बल्कि एक संदेशवाहक मिशन बनाता है. क्योंकि सतातन संस्कृति में 'महादेव' न्याय और संहार के देवता हैं. वे न्याय, संहार के साथ ही पुनर्सृजन के स्वरूप माने जाते हैं. फिर इस ऑपरेशन का उद्देश्य भी था, निर्दोषों की हत्या का बदला लेना, आतंकी साजिश को समाप्त करना और क्षेत्र में पुनः शांति स्थापित करना. इस सन्दर्भ में महादेव नाम अपने आप में न्याय के संकल्प और सच्चाई की विजय का प्रतिनिधित्व करता है. दूसरा कारण यह भी है कि ऑपरेशन का नाम 'महादेव' रखना सुरक्षा बलों की ओर से देश के दुश्मनों को एक मनोवैज्ञानिक और नैतिक संदेश देना भी था. भारत न केवल बदला लेता है, बल्कि धर्म, सिद्धांत और न्याय के आधार पर आतंक का अंत करता है. यह नाम आतंकियों और उनके समर्थकों के लिए एक चेतावनी है कि भारत की सैन्य कार्रवाई सिर्फ हथियार नहीं, संवेदनशील उद्देश्य लेकर आती है.

पीएम मोदी ने 2014 से ही हर मंच पर यह दोहराया है कि आतंकवाद मानवता के लिए सबसे बड़ा खतरा है. उन्होंने संयुक्त राष्ट्र, जी20, एसीओ और अन्य मंचों पर पाकिस्तान को स्पष्ट रूप से आतंकवाद का प्रायोजक बताया है.

कहना होगा कि मोदी सरकार ने आतंकवाद से निपटने के लिए कोई समझौता नहीं की नीति अपनाई है. इसका अर्थ है कि आतंकियों से किसी भी प्रकार की बातचीत, नरमी या समझौता की गुंजाइश नहीं रखी जाएगी, चाहे वे देश के भीतर हों या सीमा पार. पीएम नरेंद्र मोदी ने 2014 से ही हर मंच पर यह दोहराया है कि आतंकवाद मानवता के लिए सबसे बड़ा खतरा है. उन्होंने संयुक्त राष्ट्र, जी20, एसीओ और अन्य मंचों पर पाकिस्तान को स्पष्ट रूप से आतंकवाद का प्रायोजक बताया है.

यही कारण है कि जब भी पाकिस्तान ने भारत पर आतंकी हमला किया, उसे मुंहतोड़ जवाब मिला, फिर वह 2016 की उरी हमले के बाद की गई सेना की एलओसी पार जाकर आतंकियों के लॉन्च पैड्स को नष्ट करने की सर्जिकल स्ट्राइक हो या पुलवामा हमले के बाद बालाकोट एयर स्ट्राइक, जिसमें 26 फरवरी को वायुसेना ने पाकिस्तान के बालाकोट में जैश-ए-मोहम्मद के आतंकी शिविरों पर हमला किया था. वस्तुतः यह नीति दर्शाती है कि मोदी सरकार आतंकी हमले के बाद केवल चेतावनी देने तक सीमित नहीं रहती, बल्कि निर्णायक जवाब देने की क्षमता और इच्छाशक्ति रखती है. देश में इस वक्त आतंकवाद पर भारत की निर्णायक कार्रवाई होते हुए चहुंओर देखा जा सकता है. फिर वह जिहादी, इस्लामिक आतंकवाद हो, नक्सली माओवादी आतंक हो या अन्य किसी प्रकार का आतंकवाद.

आज का इतिहास

1492: इटली का नाविक क्रिस्टोफर कोलंबस भारत की खोज के लिए रवाना हुआ.
1886: हिंदी के विद्वान मैथिली शरण गुप्त का जन्म.
1900: फर्स्ट वन टायर एंड रबर कंपनी बनी.
1914: पहला समुद्री जहाज पनामा नहर से गुजरा.
1957 : अब्दुल रहमान को मलेशिया का नेता चुना गया. ब्रिटेन से मलेशिया को आजादी मिली.
1960 : पश्चिम अफ्रीकी देश नाइजर ने फ्रांस से स्वतंत्रता हासिल की.
1985 : बाबा आम्टे को जनसेवा के लिए रेमन मैगसेसे पुरस्कार प्रदान किया गया.
2003: अमेरिका के एंग्लिकन चर्च में समलैंगिक को बिशप बनाने का फ़ैसला.
2004 : अमेरिकी अंतरिक्ष यान मैसेंजर बुध ग्रह के लिए रवाना.
2007: रूसी अंतरिक्ष यान प्रोग्रेस एम-61 सफलतापूर्वक अपनी कक्षा में पहुंचा.
2007 : लोकतांत्रिक गणराज्य कांगो में एक ट्रेन दुर्घटना में 100 लोगों की मृत्यु.

दूसरों से तुलना करोगे, तो हमेशा दुखी ही रहोगे

चिंतन

पट्टू तोता उदास बैठा था. मां ने पूछा, क्या हुआ बेटा तुम उदास क्यों हो? मैं अपनी इस चोंच से नफरत करता हूं, पट्टू बोला. तुम अपनी चोंच से नफरत क्यों करते हो? सुंदर तो है! मां ने समझाया. नहीं, बाकी पक्षियों की चोंच कहीं अच्छी है. बिरजू बाज, कालू कौवा, कल्कि कोयल की चोंच मुझसे अच्छी है. पर मैं ऐसा क्यों हूं? मां को भी लगा कि शायद पट्टू सही कह रहा. तभी उसे सूझा कि क्यों न पट्टू को ज्ञानी काका के पास भेज दे, जो जंगल में सबसे समझदार तोता थे. ज्ञानी काका एक पुराने पेड़ पर रहते थे. पट्टू जाकर बोला- काका, मेरी एक समस्या है. प्यारे बच्चे क्या दिक्कत है,बताओ मुझे, काका बोले. पट्टू बोला- मुझे मेरी चोंच पसंद नहीं है. वहीं मेरे दोस्त, बिरजू बाज, कालू कौवा, कल्कि कोयल की चोंच किनती सुंदर है. काका बोले, सो तो है, उनकी चोंचें तो अच्छी हैं. खैर! तुम ये बताओ कि क्या तुम्हें खाने में केंचुए और कीड़े -मकौड़े पसंद हैं? छी ऐसी बेकार चीजें तो मैं कभी न खाऊं. पट्टू ने जवाब दिया. अच्छा छोड़ो, क्या तुम्हें मछलियां खिलाईं जाएं? काका ने पूछा. या फिर खरगोश और चूहे परोसे जाएं. काका, मैं तोता हूं मैं ये सब खाने के लिए नहीं बना. पट्टू तुनक कर बोला. बिलकुल सही, काका बोले-यही तो मैं समझाना चाहता था. ईश्वर ने तुम्हे कुछ अलग बनाया है, जो तुम्हें पसंद है, वो तुम्हारे दोस्तों को पसंद नहीं आएगा,और जो तुम्हारे दोस्तों को पसंद है वो तुम्हे नहीं भाएगा. सोचो अगर तुम्हारी चोंच जैसी है वैसी नहीं होती तो क्या तुम अखरोट खा पाते,नहीं न. इसलिए ये सोचने में मन न लगाओ कि दूसरे के पास क्या है--क्या नहीं, बस ये जानो कि तुम जिन गुणों के साथ पैदा हुए हो उसका अच्छा उपयोग कर सकते हो. पट्टू काका की बात समझ चुका था,वह खुशी--खुशी लौट गया. पट्टू तोते की तरह ही बहुत से लोग अक्सर अपनी अच्छी चीजों को देख कर के खुश होने की बजाये दूसरों की योग्यताएं देख कर तुलना में लग जाते हैं. दोस्तों, दूसरों को देख कर कुछ सीखना और कुछ कर गुजरने के लिए प्रेरित होना तो ठीक है पर बेकार की तुलना कर किसी से ईर्ष्या करना हमें निराश करता है. हमें अपनी अच्छाइयों से सीखना चाहिए.

इंडिया पर ट्रेंडिंग

1. #StressfreeLife
2. #PMKISAN
3. #நலம்_காக்கும்_ஸ்டாலின்
4. Saint Dr MSG
5. #NalamKakkumStalin
6. #PingaliVenkayya
7. Vedic Wisdom
8. Glory Of Sanatan Dharma
9. పింగళి వేంకయ్య
10. शनि देव

बहुरंग

डायरेक्टर एटली ने शाहरुख खान के नेशनल अवॉर्ड को बताया भगवान का आशीर्वाद

शाहरुख खान ने अपने 33 साल के शानदार करियर में कई हिट, सुपरहिट और ब्लॉकबस्टर फिल्में दी हैं। उन्होंने बेहतरीन अभिनय के लिए फिल्मफेयर समेत कई प्रतिष्ठित अवॉर्ड अपने नाम किए हैं। हालांकि, अब तक उन्हें कभी राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार नहीं मिला था. लेकिन इस बार उनकी फिल्म 'जवान' के लिए उन्हें पहली बार नेशनल अवॉर्ड से नवाजा गया है. यह जीत सिर्फ शाहरुख के लिए नहीं, बल्कि फिल्म के निर्देशक एटली के लिए भी गर्व का पल है. एटली की इस ब्लॉकबस्टर फिल्म ने शाहरुख को वह सम्मान दिलाया है, जिसका इंतज़ार फैन्स सालों से कर रहे थे.

फिल्म 'जवान' के लिए शाहरुख खान को मिला नेशनल अवॉर्ड न केवल उनके फैन्स के लिए बल्कि निर्देशक एटली के लिए भी बेहद खास है. एटली ने इस खुशी के मौके पर सोशल मीडिया पर 'जवान' के सेट से शाहरुख के साथ ली गई तस्वीरें शेयर कीं और एक भावुक पोस्ट भी लिखा, ₹शाहरुख सर, मैं बेहद खुश हूं, हमारी फिल्म 'जवान' के लिए आपको राष्ट्रीय पुरस्कार मिला. यह मेरे लिए गर्व और भावुकता से भरा पल है. आपके साथ इस सफर का हिस्सा बनना मेरे लिए बेहद प्रेरणादायक रहा. मुझ पर भरोसा करने और इस फिल्म का ज़िम्मा देने के लिए तहे दिल से शुक्रिया. यह आपके लिए मेरा पहला लव लेटर है और सर, अभी तो बस शुरुआत है!₹ एटली का यह संदेश उनके और शाहरुख के बीच की रचनात्मक बॉन्डिंग और सम्मान को खूबसूरती से दर्शाता है.

एटली ने आगे लिखा, ₹गौरी खान मैम और रेड चिलीज़ एंटरटेनमेंट का दिल से शुक्रिया, जिन्होंने मुझे यह फिल्म बनाने का मौका दिया. शाहरुख सर, आपके साथ होना मेरे लिए किसी आशीर्वाद से कम नहीं है. एक फैनबॉय के तौर पर आपके साथ काम करना और एक फिल्म बनाना, मेरे लिए यह भगवान का सबसे बड़ा तोहफा है. इससे ज़्यादा मैं कुछ नहीं मांग सकता. मैं हमेशा से आपका सबसे बड़ा फैन रहा हूं। आपसे दिल से प्यार करता हूं, सर... ढेर सारा प्यार!

शाहरुख खान की ब्लॉकबस्टर फिल्म 'जवान' साल 2023 में सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी और इसने रिलीज के साथ ही तहलका मचा दिया था। फिल्म का निर्देशन साउथ के चर्चित डायरेक्टर एटली ने किया, जिन्होंने इसी फिल्म के ज़रिए हिंदी सिनेमा में डेब्यू किया. नयनतारा और विजय सेतुपति भी अहम भूमिकाओं में नजर आए थे. 'जवान' ने ना सिर्फ बॉक्स ऑफिस पर बल्कि ओटीटी प्लेटफॉर्म पर भी शानदार प्रदर्शन किया. सैकनिल्क की रिपोर्ट के मुताबिक, नेटफ्लिक्स पर रिलीज होने के बाद भारत में इस फिल्म ने 640.25 करोड़ रुपये की कमाई की, जबकि वर्ल्डवाइड कलेक्शन 1,160 करोड़ रुपये तक पहुंच गया था.

अजित अरोरा की 'रेड लेटर' का इंतजार खत्म, 9 अगस्त को ओटीटी पर होगी स्ट्रीम

फिल्ममेकर अजीत अरोरा की बहुचर्चित मिनी-फीचर फिल्म 'रेड लेटर' अब ओटीटी पर दर्शकों के लिए उपलब्ध है. यह 9 अगस्त को ओटीटी पर स्ट्रीम होगी. कश्मीर की खूबसूरत वादियों में फिल्माई गई इस थ्रिलर ड्रामा को न सिर्फ आलोचकों की तारीफ मिली है, बल्कि अंतरराष्ट्रीय दर्शकों ने भी इसकी कहानी, निर्देशन और सिनेमाई प्रस्तुति को खूब सराहा है. 'रेड लेटर' एक ऐसे सामाजिक मुद्दे पर रोशनी डालती है, जिसे समाज अक्सर अनदेखा करता आया है. फिल्म न केवल मनोरंजन करती है, बल्कि एक गहरी और जरूरी बात भी कहती है, जो दर्शकों को सोचने पर मजबूर कर देती है.अजीत अरोरा, जो 'रेड लेटर' के लेखक, निर्देशक और मुख्य अभिनेता हैं, ने इस फिल्म को एक बेहद जरूरी सामाजिक कथा बताया है, जिसे उन्होंने पूरी संवेदनशीलता और समर्पण के साथ पर्दे पर उतारने की कोशिश की है. अजीत अरोरा ने कहा, यह महज़ एक फिल्म नहीं, बल्कि एक गहराई से भरा अनुभव है. हर सीन, हर फ्रेम को बेहद ध्यान से गढ़ा गया है, ऐसा कि वो सीधे दर्शकों के दिल को छू सके.फिल्म की एक शख्स के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसका सामना उसके अतीत के एक ऐसे राज़ से होता है जो समाज में आज भी ज़िंदा है. खामोशी, पीड़ा, घुटन और न्याय पाने की जद्दोजहद के बीच यह कहानी एक ज़रूरी सवाल उठाती है. फिल्म में म्यूज़िक का भी अहम रोल है. खासकर जावेद अली की आवाज़ में फिल्माया गया एक गीत जो इस फिल्म के इमोशनल टोन को और गहराई देता है.फिल्म 'रेड लेटर' को अब तक सात से अधिक अंतरराष्ट्रीय फिल्म समारोहों में ऑफिशियल सेलेक्शन, नॉमिनेशन या अवॉर्ड का सम्मान मिल चुका है. इसकी अंतरराष्ट्रीय यात्रा अब भी जारी है, और भारत में भी यह फिल्म सिनेप्रेमियों के बीच तेजी से लोकप्रिय हो रही है. फिल्म 'रेड लेटर' 9 अगस्त से ओटीटी प्लेटफॉर्म शेमारू मी पर स्ट्रीम होने जा रही है. यह फिल्म न केवल मनोरंजन का ज़रिया बनेगी, बल्कि एक अहम सामाजिक मुद्दे को उजागर कर दर्शकों को सोचने पर मजबूर कर देगी.

'सैयारा' का बॉक्स ऑफिस पर जलवा बरकरार

'सैयारा' ने 18 जुलाई को सिनेमाघरों में दस्तक दी थी और तभी से यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा रही है. जहां एक ओर फिल्म की कमाई का जलवा दुनियाभर में देखने को मिल रहा है, वहीं दूसरी ओर अहान पांडे और अनीत पड्डा को इस फिल्म ने रातों-रात स्टार बना दिया है. हर दिन नए रिकॉर्ड बना रही 'सैयारा' ने अपने रिलीज के 15वें दिन भी शानदार प्रदर्शन कर यह साबित कर दिया कि इसका जादू अभी थमा नहीं है.

'सैयारा' बॉक्स ऑफिस पर लगातार शानदार प्रदर्शन कर रही है. रिलीज़ के 15 दिन बाद भी फिल्म को दर्शकों का भरपूर प्यार मिल रहा है. फिल्म ने अपने 15वें दिन 4.25 करोड़ रुपये की कमाई की है, जिससे इसकी कुल कमाई अब 284.75 करोड़ रुपये तक पहुंच चुकी है. इस फिल्म ने अनीत पड्डा और अहान पांडे को बड़े पर्दे पर अपनी प्रतिभा दिखाने का बेहतरीन मौका दिया, जिसे दर्शकों ने खूब सराहा है.

'सैयारा' के साथ अनन्या पांडे के चचेरे भाई अहान पांडे ने बॉलीवुड में अपना डेब्यू किया है, वहीं अनीत पड्डा की भी यह बतौर लीड एक्ट्रेस पहली फिल्म है. फिल्म की कहानी कृष कपूर (अहान) और वाणी बत्रा (अनीत) के इर्द-गिर्द घूमती है कृष जहां एक गायक बनने का सपना देखता है, वहीं वाणी एक सफल राइटर बनना चाहती है. सपनों की तलाश में साथ काम करते हुए दोनों को एक-दूसरे से प्यार हो जाता है, लेकिन फिर आती है जिंदगी की एक ऐसी कठिन परीक्षा, जिसने दर्शकों को भावुक कर दिया. फिल्म के संगीत ने भी खूब धमाल मचाया है और चार्टबस्टर गानों की वजह से इसे और भी पसंद किया जा रहा है.

तेहरान' का ट्रेलर रिलीज, एक्शन मोड में दिखे जॉन अब्राहम

अभिनेता जॉन अब्राहम लंबे वक्त से अपनी आने वाली फिल्म 'तेहरान' को लेकर सुर्खियों में हैं. इस थ्रिलर फिल्म का निर्देशन अरुण गोपालन ने किया है और इसकी कहानी एक सच्ची घटना से प्रेरित है. 'तेहरान' में जॉन के साथ पूर्व मिस वर्ल्ड मानुषी छिल्लर नजर आएंगी. यह पहली बार है जब ये दोनों कलाकार बड़े पर्दे पर एक साथ दिखाई देंगे. अब फिल्म का ट्रेलर रिलीज कर दिया गया है, जिसमें जॉन का दमदार एक्शन और इंटेंस लुक फैंस को खूब पसंद आ रहा है. ट्रेलर में उनका रौबदार अवतार देखने लायक है.जॉन अब्राहम की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'तेहरान' अब सिनेमाघरों में नहीं, बल्कि सीधे ओटीटी प्लेटफॉर्म जी5 पर रिलीज होगी. यह देशभक्ति से जुड़ी थ्रिलर फिल्म स्वतंत्रता दिवस के खास मौके पर, यानी 14 अगस्त 2025 को स्ट्रीमिंग के लिए उपलब्ध होगी.फिल्म के ट्रेलर के साथ मेकर्स ने लिखा, क्या वह एक सच्चा देशभक्त था या देशद्रोही? इस स्वतंत्रता दिवस, सच सामने आएगा. जॉन और मानुषी छिल्लर के साथ इस फिल्म में नीरू बाजवा भी अहम भूमिका निभा रही हैं. फिल्म को दिनेश विजान ने प्रोड्यूस किया है.

आचार्य प्रणव मिश्रा
मोबाइल नंबर
8210075897

मेष : शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे. स्वास्थ्य उत्तम रहेगा. परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी. व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी. बुरी संगति से बचें. नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें. अपनों का सहयोग प्राप्त होगा. अर्थपक्ष मजबूत रहेगा. शुभांक-3-5-7

वृष : अपने अधीनस्थ लोगों से कम सहयोग मिलेगा. बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी. सलाह उपयोगी सिद्ध होगी. विपरीत परीस्थितियों में भी हानि नहीं होगी. आवेश में आना आपके हित में नहीं होगा इसलिए व्यवहार व वाणी पर नियत्रंण रखें. पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी. शुभांक-5-6-9

मिथुन : व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी. आलस्य का त्याग करें. कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी. आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा. शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी. परिवार में किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी. स्वास्थ्य उत्तम रहेगा. लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं. स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा. शुभांक-2-6-8

कर्क : समय पक्ष का बना रहेगा. कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी. लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे. धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा. अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा. ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं. पुराने मित्र से मिलन होगा. शुभांक-4-6-7

सिंह : पैतृक सम्पत्ति से लाभ. मेहमानों का आगमन होगा. राजकीय कार्यों से लाभ. पुरानी गलती का पश्चाताप होगा. विद्यार्थियों को लाभ. दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा. परिवारजनों का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा. कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा. शुभांक-3-5-8

कन्या : जीवनसाथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा. एकाकी वृत्ति त्यागें. हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी. अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे. साथ ही आगे के लिए रास्ता भी बन जाएगा. कार्य सफल होंगे. शुभांक-2-5-7

तुला : प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे. मनोरथ सिद्धि का योग है. सभा-गोष्ठियों में सम्मान मिलेगा. प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे. कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच आनन्ददायक दिन रहेगा. आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी. शुभांक-6-8-9

वृश्चिक : स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी. ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा. कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे. व्यर्थ की दौड़-भाग से यदि बचा जाए तो अच्छा है. प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा. आय के अच्छे योग बनेंगे. संतान की उन्नति के योग हैं. शुभांक-5-6-8

धनु : आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी. आगे बढने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे. कोई प्रिय वस्तु या नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे. सभाओं में मान-सम्मान बढ़ेगा. धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी. माता पक्ष से विशेष लाभ. पुराने मित्र से मिलन होगा. आत्मचिंतन करें. शुभांक-4-6-8

मकर : लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे. धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा. कारोबारी काम में बाधा बनी रहेगी. स्वास्थ्य मध्यम रहेगा. व्यापार में स्थिति नरम रहेगी. शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे. संतोष रखने से सफलता मिलेगी. शुभांक-3-6-9

कुंभ : पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे. जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी. ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं. महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा. आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी. स्वास्थ्य मध्यम रहेगा. मित्र से मिलन होगा. शुभांक-1-5-8

मीन : धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी. लाभ में आशातीत वृद्धि तय हैं मगर नकारात्मक रुख न अपनाएं. किसी पुराने संकल्प को पुरा कर लेने का दिन हैं. "आगे-आगे गौरख जागे" वाली कहावत चरितार्थ होगी. निष्ठा से किया गया कार्य पराक्रम व आत्मविश्वास बढ़ाने वाला होगा. इच्छित कार्य सफल होंगें. शुभांक-1-6-9

ब्रीफ न्यूज

एनडीए के कार्यकाल में विकास धरातल पर दिखता है: सांसद

फारबिसगंज/अररिया। अररिया जिले के भरगामा प्रखंड में मुख्यमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के तहत 43 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाली 10 नई सड़कों का शिलान्यास किया गया। इस अवसर पर अररिया के सांसद प्रदीप कुमार सिंह, स्थानीय विधायक जय प्रकाश यादव, रानीगंज विधायक अचमित ऋषिदेव और विभागीय अधिकारी मौजूद रहे। शिलान्यास के दौरान लोगों में भारी उत्साह देखा गया. सांसद प्रदीप कुमार सिंह ने कहा कि "गांवों की कनेक्टिविटी से ही विकास की गति तेज होती है। एनडीए सरकार में विकास अब फाइलों तक सीमित नहीं, बल्कि गांव-गांव में दिखता है।"43 करोड़ की इस राशि से भरगामा प्रखंड अंतर्गत सुकेला मोड़ से खजुरी होते हुए हरपुर कलां जाने वाली सड़क का चौड़ीकरण व निर्माण, रोड से चौहान टोला पैकपार तक, रोड से कुजरा टोला तक, हसनपुर से आदिवासी टोला, रोड से सोनापुर, अकेला मोड़ से हरूआ टोला , सरपंच टोला से हिंगुआ गोद ईस्ट टोला, जयनगर से राम टोला, नया भरगामा से रतनपट्टी एवं मवेशी हाट से नंदग्राम तक की इन सभी सड़कों बक सुदृढ़ीकरण किया जाएगा,इन सभी सड़कों के बनने से भरगामा प्रखंड के सुदूर गांवों की मुख्य सड़कों से कनेक्टिविटी बेहतर होगी, जिससे आवागमन, व्यापार, शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाएं सुलभ होंगी.

धूमधाम से मनाई गई प्रफुल्ल चंद्र राय की जयंती

भागलपुर। सरस्वती विद्या मंदिर, भागलपुर के केशव सभागार में शनिवार को महान समाज सुधारक, अद्वितीय वैज्ञानिक, प्रेरक शिक्षाविद, विश्वविख्यात रसायन विज्ञानी एवं सुप्रसिद्ध उद्यमी आचार्य प्रफुल्ल चंद्र राय की जयंती धूमधाम से मनाई गई. कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के प्रधानाचार्य सुमंत कुमार, उप प्रधानाचार्य अशोक कुमार मिश्र, विज्ञान विभाग से श्वेता झा, कुंदन कुमार और अजय कुमार ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया. उक्त अवसर पर भैया क्रिस्टोफर एवं मयंक ने क्रिया आधारित प्रयोग का प्रदर्शन कर जयंती को सफल बना दिया.

सीएम ने पटना में 272 करोड़ 27 लाख की दो परियोजनाओं का किया शिलान्यास

- शिलान्यास के बाद निर्माण स्थल का निरीक्षण कर अधिकारियों को दोनों परियोजनाओं को जल्द पूरा का निर्देश दिया गया

संवाददाता। पटना

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शनिवार को पटना जिलान्तर्गत आशियाना दीघा रोड में राजीव नगर के पास बने कार्यक्रम स्थल से करोड़ों रुपये की लागत से बनने वाली दो परियोजनाओं का शिलान्यास किया.

शिलान्यास के बाद उन्होंने निर्माण स्थल का निरीक्षण किया और अधिकारियों को दोनों परियोजनाओं को जल्द पूरा करवाने का निर्देश दिया.मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने आज 272 करोड़ 27 लाख की लागत वाली जिन दो परियोजनाओं का शिलान्यास किया, उनमें 181 करोड़ रुपये लागत की कुर्जी नाला (राजीव नगर नाला) निर्माण योजना तथा 91.27 करोड़ रुपये लागत की आनन्दपुरी नाला निर्माण योजना शामिल हैं.मुख्यमंत्री ने शिलान्यास करने के बाद कुर्जी नाला (राजीव नगर नाला) और आनंदपुरी नाला का निरीक्षण किया. निरीक्षण के दौरान उन्होंने कहा कि योजना के अंतर्गत नाले का पक्कीकरण किया जाएगा और इसके ऊपर सड़क बनाई जाएगी. उन्होंने मौके पर मौजूद अधिकारियों को इन कार्यों को तेजी से पूरा करने का निर्देश दिया.शिलान्यास कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रगति यात्रा के दौरान हमने 21 फरवरी, 2025 को पटना जिले के विकास कार्यों का जायजा लिया था और उस दौरान जिले की कई विकास योजनाओं की घोषणा की थी.

उसी समय आनन्दपुरी नाला तथा कुर्जी नाला (राजीव नगर नाला) का निरीक्षण किया था, जिसमें काफी संख्या में स्थानीय लोग भी उपस्थित थे. उनकी समस्याओं को देखते हुए मैंने निर्देश दिया था कि इन नालों को ठीक करते हुए इसके ऊपर सड़क निर्माण किया जाए, ताकि लोगों को आवागमन में सुविधा हो.मुख्यमंत्री ने कहा, मुझे खुशी है कि आज नगर विकास एवं आवास विभाग द्वारा इन 2 महत्वपूर्ण योजनाओं का शिलान्यास तथा कार्यारंभ किया गया है. उन्होंने कहा कि इन योजनाओं के पूर्ण होने पर जलजमाव की समस्या से निजात मिलेगी और नाले के ऊपर टू-लेन सड़क निर्माण से लोगों को सुगम यातायात की सुविधा उपलब्ध होगी. शहर भी साफ-सुथरा और व्यवस्थित दिखेगा.

कार्यक्रम में राज्य के उप-मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, जल संसाधन सह संसदीय कार्य मंत्री विजय कुमार चौधरी, नगर विकास एवं आवास मंत्री जीवेश कुमार, पथ निर्माण मंत्री नितिन नवीन, विधायक डॉ. संजीव चौरसिया सहित बड़ी संख्या में विभागीय अधिकारी और स्थानीय लोग उपस्थित थे.

मुख्यमंत्री ने हरी झंडी दिखाकर 71 पुलिस वाहनों का किया लोकार्पण

यातायात नियंत्रण एवं सुरक्षा व्यवस्था सुदृढ़ करने में मिलेगी मदद

संवाददाता। पटना

मुख्यमंत्री ने शनिवार को 01 अणे मार्ग से पुलिस उपाधीक्षक यातायात और यातायात थानों के लिए 71 पुलिस वाहनों का लोकार्पण किया. इस दौरान मुख्यमंत्री ने हरी झंडी दिखाकर पुलिस वाहनों को रवाना किया.मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा लोकार्मित पुलिस वाहनों के माध्यम से राज्य के विभिन्न जिलों के राष्ट्रीय राजमार्गों (नेशनल हाईवे), राज्य राजमार्गों (स्टेट हाईवे) और शहरों में यातायात नियंत्रण तथा सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने में मदद मिलेगी. साथ ही प्रभावी ढंग से यातायात निगरानी (ट्रैफिक मॉनिटरिंग) , दुर्घटना नियंत्रण और ट्रैफिक नियमों के पालन पर भी कड़ी नजर रखी जा सकेगी.मुख्यमंत्री ने पुलिस वाहनों के लोकार्पण के पूर्व उसका निरीक्षण किया और उसकी कार्य प्रणाली के संबंध में अधिकारियों से जानकारी ली. इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि इन पुलिस वाहनों की उपलब्धता से राज्य में पुलिसिंग की कार्य क्षमता तथा दक्षता और बढ़ेगी. साथ ही विधि-व्यवस्था को बनाए रखने में सहूलियत होगी.

राज्य के विभिन्न जिलों में यातायात व्यवस्था इससे और सुदृढ़ होगी. साथ ही सड़क सुरक्षा एवं यातायात प्रबंधन और बेहतर होगा.कार्यक्रम की शुरूआत में राज्य के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) विनय कुमार ने मुख्यमंत्री को हरित पौधा भेंटकर वरीय पदाधिकारी उपस्थित थे.

न्यूज अपडेट

74 लाख किसानों के खाते में रविवार को आएंगे दो-दो हजार रुपये

पटना। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आज पीएम किसान सम्मान निधि की 20वीं किस्त जारी करेंगे. इसके तहत बिहार के 74 लाख किसानों के खाते में पीएम किसान सम्मान निधि की 20वीं किस्त के तहत दो-दो हजार रुपये सीधे खाते में ट्रांसफर होंगे.प्रधानमंत्री मोदी उत्तर प्रदेश के वाराणसी में आयोजित कार्यक्रम के माध्यम से पीएम किसान सम्मान योजना की 20वीं किस्त जारी करेंगे. यह कार्यक्रम सुबह 11 बजे के बाद होगा. बिहार की राजधानी पटना में भी राज्य स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया है. जैसे ही प्रधानमंत्री इस किस्त को जारी करेंगे, लाभार्थियों के खाते में धनराशि ट्रांसफर होना शुरू हो जाएगी.केंद्र सरकार ने बिहार के किसानों को विधानसभा चुनाव से पहले बड़ी राहत देते हुए पीएम किसान योजना की 20वीं किस्त जारी करने से पहले फार्मर रजिस्ट्री की शर्त हटा दी है. यह कदम उन हजारों किसानों के लिए फायदेमंद साबित होगा जो अभी तक फार्मर रजिस्ट्री नहीं करवा पाए थे. बिहार में अब तक केवल 4 लाख किसान ही रजिस्ट्री करवा सके थे, जबकि योजना के तहत लाभार्थियों की संख्या 74 लाख है. इस बदलाव से अब राज्य के सभी मौजूदा लाभार्थियों के खाते में सीधे राशि ट्रांसफर की जाएगी.

सेप्टिक टैंक में दम घुटने से दो मजदूरों की मौत

मधेपुरा। के सिंहेश्वर थाना क्षेत्र में निर्माणाधीन मकान में काम के दौरान दो मजदूरों की मौत हो गयी. विजय भगत के निर्माणाधीन मकान में शनिवार को काम चल रहा था. इस बीच मजदूरों ने शौचालय के सेप्टिक टैंक की सेटरिंग खोलनी शुरू की. इस दौरान थोड़ी देर बाद दम घुटने से दो मजदूरों की मौत हो गई, जबकि दो अन्य की हालत गंभीर बनी हुई है. जिन्हें आनन-फानन में अस्पताल में भर्ती कराया गया है. मृतकों में लालपट्टी वार्ड संख्या 1 निवासी सहदेव यादव के पुत्र प्रमोद यादव (55) और बुढ़ाबे निवासी दिलीप चौहान (40) शामिल है. दोनों मजदूर शटरिंग खोलने के लिए टैंक में उतरे थे. जब काफी देर तक वे बाहर नहीं आए तो दो और लोग टैंक में उतरे, जिनमें से दोनों की हालत गंभीर है. उन्हें मधेपुरा मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है.

तेज प्रताप के बाद यू ट्यूबर मनीष कश्यप को बिग बॉस से आया बुलावा

- बिग बॉस 19 की थीम इस बार राजनीति से प्रेरित है. सलमान खान शो के प्रोमो में नेता के लुक में दिखाई दिए हैं और इस सीजन में घर के अंदर सियासी रंग भी देखने को मिलेगा

संवाददाता। पटना

लोकप्रिय रियलिटी शो बिग बॉस को लेकर बिहार में चर्चा का बाजार गर्म है. इस बार वजह हैं बिहार के चर्चित यूट्यूबर और पत्रकार मनीष कश्यप. सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर मनीष कश्यप द्वारा शेयर की गई एक ऑडियो क्लिप ने उनके बिग बॉस 19 में एंट्री की संभावनाओं को हवा दे दी है.

इस ऑडियो में एक शख्स खुद को 'आदिल' बताता है और दावा करता है कि वह बिग बॉस की कास्टिंग टीम से जुड़ा हुआ है. बातचीत के दौरान आदिल मनीष कश्यप से एक घंटे की ऑनलाइन मीटिंग का वक्त मांगता है और यह भी कहता है कि मनीष का बोलने का अंदाज़ शो के लिए परफेक्ट है.इससे पहले राष्ट्रीय जनता दल (राजद) सुप्रीमो लालू यादव के बड़े बेटे और विधायक तेज प्रताप को बिग बॉस के घर में आने का ऑफर मिला है. बताया जा रहा है कि खुद सलमान खान चाहते हैं कि तेज प्रताप बिग बॉस में शामिल हों.

इसके लिए उन्होंने तेज प्रताप को फोन भी किया है. इस बाबत तेज प्रताप ने मीडिया से बातचीत में कहा कि हमने फिलहाल इस पर समय मांगा है.ऑडियो में मनीष कश्यप कहते सुनाई देते हैं, मिलकर बात करनी होगी, जिस पर आदिल उन्हें एक घंटे की मीटिंग के लिए मनाने की कोशिश करता है. वहीं जब आदिल उनसे चुनाव लड़ने के बारे में पूछता है, तो मनीष स्पष्ट रूप से कहते हैं, मैं चुनाव लड़ रहा हूं. उल्लेखनीय है कि बिग बॉस 19 की थीम इस बार राजनीति से प्रेरित है. खुद सलमान खान शो के प्रोमो में नेता के लुक में दिखाई दिए हैं और घोषणा की है कि इस सीजन में घर के अंदर सियासी रंग देखने को मिलेगा. ऐसे में मनीष कश्यप जैसे सामाजिक-राजनीतिक मुद्दों पर मुखर रहने वाले चेहरे की संभावित एंट्री को लेकर चर्चाएं तेज़ हो गई हैं.

38 जिलों में भारी बारिश और तेज आंधी की चेतावनी, ऑरेंज अलर्ट जारी

संवाददाता। पटना

बिहार में तेजी से बदले मौसम के बीच शनिवार को मानसून अपना प्रचंड रूप दिखाने वाला है. राजधानी पटना समेत गया, भागलपुर, मुजफ्फरपुर और समस्तीपुर जैसे प्रमुख शहरों में सुबह से ही मूसलाधार बारिश हो रही है. कई इलाकों में जलजमाव की स्थिति उत्पन्न हो चुकी है. पाटलिपुत्र रेलवे स्टेशन और पटना जंक्शन के बाहर 2 से 3 फीट तक पानी भर गया है, जिससे यातायात प्रभावित हुआ है. समस्तीपुर और नालंदा में भी लगातार बारिश जारी है.भारत मौसम विज्ञान विभाग ने राज्य के सभी 38 जिलों में भारी बारिश और तेज आंधी की चेतावनी के साथ ऑरेंज अलर्ट जारी किया है. खासकर उत्तर-पूर्वी बिहार के जिलों में बहुत भारी से अत्यंत भारी बारिश की आशंका जताई गई है. आम लोगों से सावधान रहने की अपील की गई हैमौसम विभाग के अनुसार, शनिवार को राज्य के 28 जिलों में आंधी और बिजली गिरने की भी आशंका है. तेज हवाएं 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चल सकती हैं, जिससे पेड़ों और बिजली के खंभों को नुकसान पहुंच सकता है. अररिया, किशनगंज, कटिहार, मधेपुरा और पूर्णिया में भारी से अत्यंत भारी वर्षा की चेतावनी जारी की गई है. वहीं समस्तीपुर, बेगूसराय, सुपौल, खगड़िया,

मुंगेर और भागलपुर में भी भारी बारिश की संभावना है.आईएमडी के अनुसार, मानसून ट्रफ (द्रोणिका) इस समय बिहार के दरभंगा के ऊपर से गुजर रही है. इसके प्रभाव से राज्य में 5 अगस्त तक नमी युक्त हवाओं के कारण भारी बारिश जारी रहने की संभावना है. शनिवार को बक्सर, भोजपुर, रोहतास, भभुआ, औरंगाबाद और अरवल जिलों में भी झमाझम बारिश की संभावना है.

बिहार में 31 दिन में हुई 171 हत्याएं : रेखचंद जैन

संवाददाता। जगदलपुर

कांग्रेस के पूर्व विधायक व एआइसीसी द्वारा नियुक्त बिहार के पर्यवेक्षक रेखचंद जैन के नेतृत्व में शनिवार को पटना के शहीद भगत सिंह चौक में बिहार में कानून-व्यवस्था की बदहाल स्थिति का आरोप लगाकर बिहार के मुख्यमंत्री नितीश कुमार का पुतला फूंका गया. जैन ने कहा कि पिछले 31 दिन में 171 लोगों की हत्या से स्पष्ट है, कि बिहार में कानून का राज काम नहीं कर रहा है. उन्होने व्यापारियों, बच्चों, महिलाओं समेत समाज के सभी वर्गों की रक्षा करने में राज्य सरकार के विफल होने की बात कही. जनता के द्वारा राहुल गांधी व तेजस्वी यादव के नेतृत्व वाले महा-गठबंधन की ओर देखने की बात पर्यवेक्षक जैन ने कही . पटना कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि राज्य के हालात बेहद खराब हैं. आए दिन हत्याएं हो रही हैं. बिहार सरकार को भंग करने की मांग उन्होने राष्ट्रपति से करते हुए मुख्यमंत्री से इस्तीफा भी मांगा गया.पुतला दहन के दौरान बस्तर जिला कांग्रेस महासचिव विजय सिंह, शमीम अख्तर, सुजीत कसेरा व पटना (बिहार) के अन्य कांग्रेसजन बड़ी संख्या में मौजूद रहे. शनिवार को पर्यवेक्षक रेखचंद जैन ने कांग्रेसजनों के साथ पटना साहिब विधानसभा क्षेत्र के मारुगंज मण्डी में व्यापारियों से भेंट की. उन्होने आगामी विधानसभा चुनाव के मद्देनजर व्यापारियों से पार्टी व गठबंधन का सहयोग करते समर्थन भी मांगा.

कारोबार

नई टेलीकॉम पॉलिसी का ड्राफ्ट हुआ जारी

नई दिल्ली। दूरसंचार विभाग (DoT) ने नई टेलीकॉम पॉलिसी का ड्राफ्ट जारी किया है। नेशनल टेलीकाम पालिसी 025 में वर्ष 2030 तक प्रत्यक्ष व परोक्ष रूप से 10 लाख नई नौकरियों का सृजन करने और हर साल इस सेक्टर में एक लाख करोड़ रुपए के निवेश का लक्ष्य रखा गया है। इस पॉलिसी का उद्देश्य 5G, 6G, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, इंटरनेट ऑफ थिंग्स, क्वांटम कम्युनिकेशन, सैटेलाइट नेटवर्क और ब्लॉकचेन जैसी उभरती टेक्नोलॉजी के क्षेत्र के रिसर्च और इनोवेशन में दुनिया के 10 ग्लोबल हब में भारत को शामिल कराना है। गुरुवार को जारी इस ड्राफ्ट पॉलिसी ("नयी टेलीकॉम पॉलिसी) में कहा गया है, "नेशनल टेलीकॉम पॉलिसी 2025 (एनटी पी 2025) का लक्ष्य सबके लिए 'यूनिवर्सल कनेक्टिविटी' उपलब्ध कराना और भारत की जीडीपी में इस सेक्टर का योगदान दोगुना करना है।"इस पॉलिसी के मध्य में 6 रणनीतिक मिशन हैं। पहला यूनिवर्सल कनेक्टिविटी, दूसरा इनोवेशन को बढ़ावा, तीसरा घरेलू मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा, चौथा सुरक्षित और भरोसेमंद नेटवर्क सुनिश्चित करना, पांचवां ईज ऑफ लिविंग तथा ईज ऑफ़ डूइंग बिजनेस को बढ़ाना और छठा सस्टेनेबल डेवलपमेंट को आगे बढ़ाना.

ट्रंप ने दबाव बनाने के लिए 14 देशों को भेजी चिट्ठी

नई दिल्ली। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रेसिप्रोकल टैरिफ स्थगित करने की डेडलाइन 8 जुलाई से बढ़ाकर 31 जुलाई कर दी है. इन तीन हफ्तों में जो देश अमेरिका के साथ टैरिफ पर डील नहीं करेंगे, उनके निर्यात पर 1 अगस्त से ट्रंप प्रशासन बढ़ी हुई दरें लगाएगा. डेडलाइन बढ़ाने के साथ ट्रंप डील के लिए दबाव भी डाल रहे हैं. इसका संकेत देते हुए उन्होंने सोमवार को 14 देशों को चिट्ठी भेजी और कहा कि अगर वे डील करने में नाकाम रहते हैं तो उन पर टैरिफ (ट्रंप टैरिफ) की नई दरें लागू होंगी। कुछ और देशों को इस हफ्ते चिट्ठी भेजे जाने की संभावना है अभी भारत के साथ ट्रंप प्रशासन की बात चल रही है और 14 देशों की सूची में भारत नहीं है.

अमेरिकी टैरिफ के दबाव से एफपीआई का रुख बदला

बाजार से निकाले 17741 करोड़

एजेंसी। अमेरिका

विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक (एफपीआई) ने जुलाई में भारतीय बाजारों से कुल 17,741 करोड़ रुपये निकाले. इसी के साथ वे इक्विटी बाजार में शुद्ध विक्रेता बन गए हैं. एनएसडीएल के आंकड़ों से यह जानकारी मिली.

जुलाई के आखिरी हफ्ते में हुई भारी बिकवाली:अप्रैल, मई और जून के दौरान लगातार तीन महीनों के सकारात्मक निवेश के बाद यह एफपीआई द्वारा नकारात्मक निवेश का पहला महीना है. जुलाई के आखिरी हफ्ते में अचानक हुई बिकवाली के चलते धारणा में यह भारी बदलाव आया. 28 जुलाई से 1 अगस्त के बीच, विदेशी निवेशकों ने भारतीय शेयर बाजारों से 17,390.6 करोड़ रुपये निकाले. इससे कुल मासिक आंकड़ों पर गहरा असर पड़ा और जुलाई का निवेश नकारात्मक दायरे में चला गया.

एफपीआई ने 2025 में अब तक 1,10,795 करोड़ रुपये निकाले: यह बिकवाली दबाव मुख्य रूप से अमेरिका की ओर से लगाए गए ने टैरिफ शुल्कों के कारण है. इसका असर कई अन्य देशों के साथ भारत पर भी भारी पड़ा. जुलाई में हुई हालिया बिकवाली के साथ, कैलेंडर वर्ष 2025 में एफपीआई द्वारा कुल शुद्ध बहिर्वाह अब 1,01,795 करोड़ रुपये को पार कर गया है.

मई में एफपीआई का प्रदर्शन अब तक सबसे अधिक रहा : आंकड़ों से यह भी पता चला कि मई में 2025 में अब तक सबसे अधिक एफपीआई प्रवाह देखा गया. वहीं जनवरी में सबसे बड़ी बिकवाली देखी गई. इसमें 78,027 करोड़ रुपये की शुद्धि बिक्री हुई.

टैरिफ और भू-राजनीतिक तनाव का पड़ेगा असर : एफपीआई के रुझान में बदलाव से भारतीय इक्विटी बाजार के लिए चिंताएं बढ़ गई हैं. इसे पिछले महीनों में विदेशी निवेशकों से मजबूत समर्थन मिल रहा था. हालांकि, अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प की ओर से पारस्परिक टैरिफ और अमेरिका और रूस के बीच भू-राजनीतिक तनाव जैसे वैश्विक आर्थिक घटनाक्रम आने वाले हफ्तों में एफपीआई व्यवहार को प्रभावित करते रहेंगे .

पिछले महीनों का प्रदर्शन :पिछले महीने जून में, एफपीआई ने भारतीय बाजार में 14,590 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश किया था. मई में, विदेशी निवेशकों ने 19,860 करोड़ रुपये का निवेश किया. इससे एफपीआई प्रवाह के लिहाज से यह साल का अब तक का सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाला महीना बन गया. हालांकि, इस साल की शुरुआत में, एफपीआई ने भारतीय शेयर बाजारों से अच्छी-खासी रकम निकाली थी. उन्होंने मार्च में 3,973 करोड़ रुपये, जबकि जनवरी में 78,027 करोड़ रुपये और फरवरी में 34,574 करोड़ रुपये के शेयर बेचे थे.

विकास में बाधा बनी उद्योगों पर दादागीरी सीएम देवेंद्र फडणवीस ने दी चेतावनी

एजेंसी। महाराष्ट्र

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा है कि पुणे में कुछ तत्वों द्वारा उद्योगों पर खास लोगों को नौकरी देने या ठेके दिलाने का दबाव बनाया जा रहा है. उन्होंने इसे दादागीरी करार देते हुए कहा कि यह प्रवृत्ति शहर के विकास की राह में सबसे बड़ी रुकावट बनती जा रही है. यह निवेशकों की व्यवहार्य और किफायती विकल्प चुनने की स्वतंत्रता को सीमित करती है. फडणवीस ने शुक्रवार को पुणे मेट्रोपॉलिटन रीजन ग्रोथ हब (पीएम आर जी- एचयू बी) की शुरुआत के दौरान यह बयान दिया.

फडणवीस ने दी चेतावनी: मुख्यमंत्री ने चेतावनी दी कि अगर इस मानसिकता को खत्म नहीं किया गया तो राज्य का दूसरा बड़ा शहर और देश के प्रमुख आर्थिक केंद्रों में एक पुणें अपनी वास्तविक विकास क्षमता को प्राप्त नहीं कर पाएगा.

केवल सरकारी स्तर पर बदलाव काफी नहीं : उन्होंने जोर देकर कहा कि सिर्फ सरकारी स्तर पर परेशानी मुक्त माहौल सुनिश्चित करना ही काफी नहीं है. व्यापक सामाजिक और राजनीतिक पारिस्थितिकी तंत्र भी व्यवसायों के लिए अनुकूल होना चाहिए.

स्वतंत्र रूप से काम नहीं कर पाएंगे निवेशक : मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि इस तरह के दबाव उद्योगपतियों की लागत और व्यावसायिक रणनीति को प्रभावित करते हैं, जिससे वे वैश्विक प्रतिस्पर्धा में टिक नहीं पाते. अगर निवेशकों को स्वतंत्र और किफायती सेवाएं नहीं मिलेंगी, तो वे न तो लंबे समय तक टिक पाएंगे और न ही वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा कर पाएंगे.

एफसीआरए के उल्लंघन का मामला हुआ दर्ज

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने केरल के कासरगोड स्थित एक चैरिटेबल ट्रस्ट पर विदेशी मुद्रा अंशदान विनियमन अधिनियम (एफसीआरए) के उल्लंघन का मामला दर्ज किया है. इस ट्रस्ट पर एफसीआरए का उल्लंघन कर विदेश से 220 करोड़ रुपये प्राप्त करने का आरोप है. ईडी के मुताबिक इस ट्रस्ट को अनिवासी भारतीय इब्राहिम अहमद अली से 2021 के बाद से 220 करोड़ रुपये से अधिक प्राप्त हुए, जो असुरक्षित ऋण के रूप में खातों की पुस्तकों में परिलक्षित हुआ था. कासारगोड स्थित कुन्हाहमद मुसलियार मेमोरियल ट्रस्ट और उसके अध्यक्ष इब्राहिम अहमद अली के खिलाफ जांच के तहत यह कार्रवाई की गयी है. ईडी ने इस मामले में गुरुवार को कासारगोड में दो स्थानों पर छापेमारी की थी.

होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया ने की जुलाई 2025 में बड़ी बिक्री

रांची। होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया ने जुलाई 2025 में कुल 5,15,378 यूनिट्स की बिक्री दर्ज की. जून 2025 की तुलना में यह आंकड़ा 20 प्रतिशत की मंथ-ऑन-मंथ ग्रोथ दर्शाता है. जुलाई 2025 की प्रमुख झलकियां: रोड सेफ्टी: एचएमएसआई ने देशभर के 13 शहरों में रोड सेफ्टी को लेकर जागरूकता अभियानों का आयोजन किया. इन अभियानों का मुख्य उद्देश्य युवाओं को ट्रैफिक नियमों और सुरक्षित ड्राइविंग के प्रति जागरूक करना था. यह पहल होंडा इंडिया फाउंडेशन के आत्मनिर्भरता की बुनियादी क्षमताओं को विकसित करने के मिशन को और मजबूत बनाती है.

पेज एक का शेष...

ग्रामसभा और पंचायत : साझा नेतृत्व की ओर लौटता ग्रामीण लोकतंत्र....

पंचायत में 'ग्राम संचालन मंच' या 'ग्राम नेतृत्व समन्वय समिति' बनाई जाए, जिसमें मुखिया, उपमुखिया, वार्ड सदस्य और मांझी, परगनैत, पाहन सभी शामिल हों. यह समिति पंचायत की बैठकों की तैयारी, ग्रामसभा की रूपरेखा, और योजनाओं के सामाजिक दृष्टिकोण पर कार्य करेगी. मांझी-परगनैत स्थानीय परंपरा और सामाजिक अनुशासन की दृष्टि से सलाह दें. मुखिया-वार्ड सदस्य विकास योजनाओं और प्रशासनिक संवाद की दृष्टि से भूमिका निभाएं. दोनों मिलकर प्रस्ताव तैयार करें और उसे ग्रामसभा में प्रस्तुत करें. पंचायत के कानूनी कार्य जैसे योजना पास करना, बजट खर्च करना — निर्वाचित प्रतिनिधि देखें. सामाजिक-सांस्कृतिक और पर्यावरणीय पहलुओं की निगरानी — पारंपरिक नेतृत्व करे. ग्रामसभा की बैठकों की अध्यक्षता वैकल्पिक रूप से मांझी और मुखिया करें.

क्यों जरूरी है यह मॉडल ?

झारखंड का लोकतांत्रिक बल उसकी परंपरा में छुपा है. ग्रामसभा और पंचायत अगर सहयोग से काम करें तो यह सिर्फ प्रशासनिक सुधार नहीं, बल्कि सांस्कृतिक न्याय और स्थानीय स्वशासन की संपूर्णता है. यह व्यवस्था गांव की आत्मनिर्भरता, न्याय और समावेशन की भी गारंटी बनती है. झारखंड के अनुभवों से स्पष्ट है कि एक के बिना दूसरा अधूरा है. ग्रामसभा और पंचायत — दोनों लोकतंत्र की दो आंखें हैं; मांझी और मुखिया, गांव के दो मजबूत कंधे. साझा नेतृत्व का झारखंडी मॉडल देश के सभी अनुसूचित क्षेत्रों के लिए आदर्श दिशा बन सकता है और 'ग्राम स्वराज' को वास्तविकता के धरातल पर उतार सकता है. जब पारंपरिक दृष्टि और संवैधानिक जिम्मेदारी एक मंच पर आती है, तभी पंचायत जन-जन का तंत्र बनती है.

कृषि-डेयरी क्षेत्रों के लिए अमेरिका को रियायत देने को तैयार नहीं भारत

एजेंसी। अमेरिका

भारत ने अमेरिका के साथ प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) में कृषि उत्पादों, डेयरी और जीएम खाद्य पदार्थों पर शुल्क रियायत बढ़ाने पर अपना रुख साफ कर दिया है. अमेरिका और भारत के साथ अभी तक कोई समझौता नहीं हुआ है और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गुरुवार को घोषणा की है कि 7 अगस्त से अमेरिकी बाजारों में प्रवेश करने वाले भारतीय सामानों पर 25 प्रतिशत अतिरिक्त आयात शुल्क लगाया जाएगा. इससे पहले यह शुल्क एक अगस्त से लगाया जाना था. हालांकि, राष्ट्रपति ने यह भी नहीं बताया कि रूस से कच्चा तेल और सैन्य उपकरण खरीदने पर उन्होंने भारत पर कितना जुर्माना लगाने की घोषणा की है. भारत के रुख के पीछे के कारणों और श्रम-प्रधान क्षेत्रों पर अमेरिकी टैरिफ के प्रभाव को समझाने के लिए जरूरी है कुछ सवालों के जवाब जानना.

भारत-अमेरिका द्विपक्षीय व्यापार समझौता (बीटीए) क्या है ?

भारत और अमेरिका ने मार्च 2025 में एक निष्पक्ष, संतुलित और पारस्परिक रूप से लाभकारी बीटीए के लिए वार्ता शुरू की, जिसका लक्ष्य 2025 के अक्तूबर-नवंबर तक समझौते के पहले चरण को पूरा करना है. अब तक पांच दौर की बातचीत पूरी हो चुकी है. अगले दौर के लिए, दक्षिण और मध्य एशिया के लिए सहायक अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि ब्रेंडन लिंच के नेतृत्व में अमेरिकी टीम 25 अगस्त से भारत दौरे पर आ रही है.

बीटीए का मकसद क्या है ?

आमतौर पर किसी व्यापार समझौते में, दो व्यापारिक साझेदार अपने बीच व्यापार की जाने वाली अधिकतम वस्तुओं पर आयात शुल्क या तो काफी कम कर देते हैं या उसे पूरी तरह से समाप्त कर देते हैं. इसके अलावा, वे सेवाओं में व्यापार को बढ़ावा देने और दोतरफा निवेश बढ़ाने के लिए मानदंडों को आसान बनाते हैं. भारत-अमेरिका बीटीए का लक्ष्य द्विपक्षीय व्यापार को वर्तमान के 191 बिलियन अमेरिकी डॉलर से दोगुना करके 2030 तक 500 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंचाना है.

बीटीए में दोनों देशों की एक दूसरे से प्रमुख मांगें क्या हैं ?

अमेरिका कुछ औद्योगिक वस्तुओं, ऑटोमोबाइल, विशेषकर इलेक्ट्रिक वाहनों, वाइन, पेट्रोकेमिकल उत्पादों, कृषि वस्तुओं, डेयरी वस्तुओं, सेब, वृक्ष नट्स और आनुवंशिक रूप से संशोधित फसलों पर शुल्क रियायत चाहता है. वहीं, भारत इस अतिरिक्त टैरिफ (वर्तमान में 25 प्रतिशत) को हटाने तथा इस्पात और एल्युमीनियम (50 प्रतिशत), ऑटो क्षेत्र (25 प्रतिशत), श्रम-प्रधान क्षेत्रों जैसे कपड़ा, रत्न एवं आभूषण, चमड़े के सामान, परिधान, प्लास्टिक, रसायन, झींगा, तिलहन, अंगूर और केले पर टैरिफ में कटौती की मांग कर रहा है.

वर्तमान में अमेरिका की ओर से भारतीय वस्तुओं पर कितना टैरिफ लगाया गया है ?

भारत का औसत आयात शुल्क लगभग 17 प्रतिशत है, जबकि अमेरिका का 3.3 प्रतिशत है. 2 अप्रैल को, अमेरिका ने 26 प्रतिशत शुल्क (16 प्रतिशत पारस्परिक शुल्क और 10 प्रतिशत आधारभूत शुल्क) लगाने की घोषणा की. वर्तमान में, केवल आधारभूत शुल्क ही लागू है. यह भारतीय वस्तुओं पर मौजूदा आयात शुल्क के अतिरिक्त है. उदाहरण के लिए, 2 अप्रैल से पहले, भारतीय वस्त्र उद्योग पर अमेरिका में 6-9 प्रतिशत शुल्क लगता था. बेसलाइन शुल्क के साथ, यह बढ़कर 16-19 प्रतिशत हो गया.

भारतीय टीम की विडंबना : भारत को अब तक नहीं मिला पुजारा का रिप्लेसमेंट, न मिल पाया कोई दूसरा राहुल द्रविड़ जैसा भरोसेमंद बल्लेबाज

करुण के बाद सुदर्शन भी नंबर 3 पर फेल, बनाए 140 रन

एजेंसियां। लंदन

भारत और इंग्लैंड के बीच पांच मैचों की टेस्ट सीरीज का पांचवां और आखिरी मुकाबला लंदन के ओवल में खेला जा रहा है. टीम इंडिया के कप्तान शुभमन गिल ने इस मुकाबले के लिए प्लेइंग-11 में चार बदलाव किए. जसप्रीत बुमराह, शार्दुल ठाकुर, अंशुल कंबोज और ऋषभ पंत यह मैच नहीं खेले. उनकी जगह प्रसिद्ध कृष्णा, आकाश दीप, करुण नायर और ध्रुव जुरेल को प्लेइंग-11 में शामिल किया गया. चेतेश्वर पुजारा को टीम से बाहर करने के बाद अब तक भारत को नंबर तीन पर कोई स्थाई खिलाड़ी नहीं मिल पाया है. इस दौरान टीम इंडिया ने कई खिलाड़ियों को आजमाया है, लेकिन बस नाकामी हाथ लगी है. सुदर्शन को पहले टेस्ट में तीसरे नंबर पर आजमाया गया, फिर करुण नायर को भी आजमाया गया, लेकिन दोनों तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए कुछ खास नहीं कर सके हैं. ऐसे में, नंबर तीन पर एक मजबूत बल्लेबाज की खोज जारी है.

सुदर्शन को पहले टेस्ट में तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी का का मौका मिला. हालांकि, उस टेस्ट में हार के बाद उन्हें अगले टेस्ट से बाहर कर दिया गया. हेडिंग्ले में सुदर्शन पहली पारी में खाता नहीं खोल सके थे, जबकि दूसरी पारी में 30 रन बनाए थे. इसके बाद करुण को तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी का मौका मिला. करुण ने एजबेस्टन में 31 और 26 रन की पारी और लॉर्ड्स में 40 और 14 रन की पारी खेली. इसके बाद मैनचेस्टर टेस्ट के लिए करुण को भी ड्रॉप किया गया और वापस से सुदर्शन पर भरोसा जताया गया. सुदर्शन पहली पारी में जरूर 61 रन बनाए, लेकिन फिर उनके बल्ले से रन ही नहीं निकले. मैनचेस्टर टेस्ट की दूसरी पारी में वह खाता भी नहीं खोल सके. फिर ओवल में पहली पारी में सुदर्शन 38 रन और दूसरी पारी में 11 रन बना सके.

इस तरह नंबर तीन पर सुदर्शन की पहली अंतरराष्ट्रीय सीरीज का अंत तीन टेस्ट की छह पारियों में 140 रन के साथ हुआ. इस दौरान उनका औसत 23.3 का रहा. वहीं, करुण ने नंबर तीन पर चार पारियों में 111 रन के साथ किया. जब विराट कोहली टेस्ट टीम का हिस्सा थे तो गिल को नंबर तीन स्थान दिया गया था. कोहली के संन्यास लेने पर नंबर चार पर कोहली के स्थान पर गिल को शिफ्ट किया गया और उन्होंने इतिहास रच दिया. वहीं, रहाणे के नंबर पांच पर पंत पिछले कुछ समय से काफी सफल रहे हैं. हालांकि, गिल के नंबर तीन से हटने के बाद से कोई स्थाई नंबर तीन नहीं मिल पाया है. पिछले 10 टेस्ट यानी ऑस्ट्रेलिया दौरे से बात करें तो भारत ने पांच खिलाड़ियों को अब तक नंबर तीन पर आजमाया है. इनमें गिल के अलावा देवदत्त पडिक्कल, केएल राहुल, साई सुदर्शन और करुण शामिल हैं. पडिक्कल को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले टेस्ट में खिलाने के बाद अगले टेस्ट में ड्रॉप कर दिया गया. वहीं, गिल ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे और तीसरे टेस्ट में नंबर तीन पर खेले, लेकिन चौथे टेस्ट में उन्हें बाहर कर दिया गया. चौथे टेस्ट में केएल राहुल को तीसरे स्थान पर बल्लेबाजी करने को कहा गया. फिर कंगारुओं के खिलाफ पांचवें टेस्ट में गिल ने नंबर तीन पर वापसी की. फिर इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट में सुदर्शन से नंबर तीन पर बल्लेबाजी करवाई गई. फिर दूसरे-तीसरे टेस्ट में करुण नायर तीन नंबर पर उतरे. चौथे और पांचवें टेस्ट में सुदर्शन से नंबर तीन पर बल्लेबाजी कराई गई. 21वीं सदी में टेस्ट में राहुल द्रविड़ और फिर उसके बाद चेतेश्वर पुजारा ने नंबर तीन पर राज किया था. द्रविड़ ने टेस्ट करियर में बनाए 13,288 रन में से 10,524 रन तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए बनाए थे. वहीं, उनके उत्तराधिकारी पुजारा ने टेस्ट करियर में बनाए 7195 रन में से 6529 रन तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए बनाए. हालांकि, द्रविड़ और पुजारा की तरह भारतीय टीम को अब भी भरोसेमंद नंबर तीन का इंतजार है.

ई-स्पोर्ट्स विश्व कप 2025

मैग्नस कार्लसन ने अलीरेजा फिरौजा को हराकर जीता खिताब

नयी दिल्ली । मैग्नस कार्लसन ने शुक्रवार को रियाद में ईस्पोर्ट्स विश्व कप में शतरंज स्पर्धा के फाइनल में अलीरेजा फिरोजा को हराकर अपने खाते में एक और ट्रॉफी जोड़ ली. कार्लसन ने अपने प्रतिद्वंद्वी को चार जीत, दो ड्रॉ और एक हार के कुल स्कोर से धूल चटा दी. नॉर्वेजियन खिलाड़ी ने शुरुआती सेट में शानदार प्रदर्शन किया, एक जीत और दो ड्रॉ जीतकर स्कोर 3-1 कर दिया और अपनी बढ़त मज़बूत कर ली. दूसरे सेट में जाने से पहले, फ़िरोज़ा के पलटवार के कारण कार्लसन 50 चालों के बाद अपना रूक ग़लती से खेल बैठे, जिससे फ़िरोज़ा को सीरीज़ की एकमात्र जीत मिली. कार्लसन ने दूसरे गेम में वापसी की और अपने सोचे-समझे खेल से फ़िरोज़ा को कड़ी टक्कर दी. फ़िरोज़ा दबाव में दिख रहे थे, और उन्होंने अपने प्रतिद्वंद्वी की तुलना में ज़्यादा समय बर्बाद किया. तीसरे गेम में फ़िरोज़ा की एक गलती ने सीरीज़ को 2-1 कर दिया, और कार्लसन मैच पॉइंट पर थे.

बुमराह की गैरमौजूदगी में सिराज का घातक प्रदर्शन जारी

पहली पारी में 4 विकेट लेकर स्टोक्स को पछाड़ा

एजेंसियां। लंदन

भारत और इंग्लैंड के बीच पांच मैचों की टेस्ट सीरीज का पांचवां और आखिरी मुकाबला लंदन के ओवल में जारी है. भारतीय टीम ने दूसरे दिन का खेल खत्म होने तक अपनी दूसरी पारी में दो विकेट गंवाकर 75 रन बना लिए हैं. आकाश दीप चार रन और यशस्वी जायसवाल 51 रन बनाकर नाबाद हैं. केएल राहुल सात रन और साई सुदर्शन 11 रन बनाकर आउट हुए. इससे पहले इंग्लैंड की पहली पारी 247 रन पर समाप्त हुई थी, जबकि भारत ने अपनी पहली पारी में 224 रन बनाए थे.

टीम इंडिया की बढ़त अब 52 रन की हो चुकी है. भारत के स्टार तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज का जलवा जारी है. जसप्रीत बुमराह की गैरमौजूदगी में उन्होंने एक बार फिर शानदार प्रदर्शन किया और पहली पारी में चार विकेट झटके. बुमराह की गैरमौजूदगी में सिराज बल्लेबाजों के लिए और घातक साबित होते हैं. ऐसा हम नहीं कह रहे, बल्कि उनके आंकड़े बता रहे हैं. इतना ही नहीं उन्होंने चार विकेट लेकर बेन स्टोक्स को भी पीछे छोड़ दिया है. शुक्रवार के दिन ओवल टेस्ट में 15 विकेट गिरे. यह इस सीरीज के एक दिन के खेल में सर्वाधिक है. इससे पहले लॉर्ड्स टेस्ट के चौथे दिन 14 विकेट गिरे थे. दरअसल, इस सीरीज में दो टेस्ट ऐसे आए, जिनमें बुमराह नहीं खेले. इससे पहले एजबेस्टन में दूसरे टेस्ट में बुमराह नहीं खेले थे. उस मैच को भारत ने 335 रन से जीता था और इतिहास रचा था. उस मुकाबले में भी सिराज ने गेंदबाजी आक्रमण का नेतृत्व किया था और घातक गेंदबाजी की थी. उस टेस्ट में सिराज ने पहली पारी में छह विकेट और दूसरी पारी में एक विकेट लिया था. अब उन्होंने कुछ ऐसा ही ओवल में आखिरी टेस्ट में किया है. ओवल टेस्ट की पहली पारी में सिराज ने कप्तान ओली पोप, जो रूट, हैरी ब्रुक और जैकब बेथेल के महत्वपूर्ण विकेट झटके. उनके अलावा प्रसिद्ध कृष्णा ने भी चार विकेट लिए, जबकि आकाश दीप को एक विकेट मिला. सिराज ने फ्रंट से लीड किया और इंग्लैंड के मुख्य बल्लेबाजों को पवेलियन का रास्ता दिखाया. सिराज ने अब तक 41 टेस्ट की 75 पारियों में 31.49 की औसत से 118 विकेट चटकाए हैं. इस दौरान उन्होंने चार बार पारी में पांच विकेट लिए, जबकि 15 रन देकर छह विकेट उनका सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी प्रदर्शन रहा है. इन 75 पारियों में से 28 पारियों में सिराज के साथ बुमराह नहीं थे. यानी बुमराह उन पारियों में सिराज के साथी गेंदबाज नहीं थे. वैसी 28 पारियों में सिराज ने 25.6 की बेहतरीन गेंदबाजी औसत से 44 विकेट चटकाए. वहीं, बुमराह के साथ उन्होंने टेस्ट की 47 पारियों में गेंदबाजी की है और 35 की गेंदबाजी औसत से 74 विकेट चटकाए. यानी बुमराह की गैरमौजूदगी में सिराज बेहद घातक साबित हुए हैं. चार विकेट लेने के साथ ही सिराज के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 200 विकेट भी पूरे हो गए. उन्होंने टेस्ट में 118 विकेट लेने के अलावा वनडे में 71 और टी20 में 14 विकेट लिए हैं. वह इस मुकाम को छूने वाले भारत के 15वें तेज गेंदबाज बने. इतना ही नहीं, सिराज ने मौजूदा एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी में 18 विकेट ले लिए हैं और बेन स्टोक्स को पीछे छोड़ इस सीरीज में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गए. उन्होंने 35.7 की औसत से ये विकेट लिए हैं. इस सीरीज में उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 70 रन देकर छह विकेट रहा है और ऐसा उन्होंने एजबेस्टन टेस्ट में किया था. स्टोक्स के 17 विकेट हैं, लेकिन वह इस मैच में नहीं खेल रहे हैं. इन दोनों के बाद जोश टंग का नंबर आता है, जिन्होंने 15 विकेट लिए हैं.

जो रूट के साथ हुई नोकझोंक पर प्रसिद्ध कृष्णा ने कहा-उनसे ऐसी प्रतिक्रिया की उम्मीद नहीं थी

एजेंसियां। लंदन

भारत के तेज़ गेंदबाज़ प्रसिद्ध कृष्णा ने ओवल टेस्ट के दूसरे दिन इंग्लैंड के दिग्गज बल्लेबाज़ जो रूट के साथ हुई ज़ुबानी जंग को हल्के-फुल्के मजाक के रूप में बताया है, हालांकि यह भी कहा कि रूट ने जो प्रतिक्रिया दी, उन्हें इसकी उम्मीद नहीं थी. दरअसल आमतौर पर शांत रहने वाले रूट इस बार प्रसिद्ध की एक टिप्पणी पर भड़क उठे और पलटकर तीखी प्रतिक्रिया दी.

मैच के दूसरे दिन जब इंग्लैंड की टीम भारत के पहली पारी के 224 रनों के जवाब में 129/2 पर मज़बूत स्थिति में थी, तब रूट बल्लेबाज़ी करने उतरे. इसी दौरान प्रसिद्ध ने ज़ाक क्रॉली को आउट कर भारत को बढ़त दिलाई और उसी ओवर में रूट को भी एक शानदार गेंद पर बीट किया. इसके बाद फॉलोथ्रू में उन्होंने रूट को कुछ कहा.

अगली ही गेंद पर रूट ने गली के पास से चौका जड़कर जवाब दिया और उन्होंने भी ज़ुबानी टिप्पणी की. ओवर खत्म होते ही अंपायर कुमार धर्मसेना ने प्रसिद्ध को पास बुलाकर समझाया.

मैच के बाद प्रसिद्ध ने कहा, "मैंने बस कहा कि 'आप बहुत अच्छी बल्लेबाज़ी कर रहे हैं', और फिर बात कुछ और ही बन गई. मुझे नहीं पता कि रूट ने इतनी तीखी प्रतिक्रिया क्यों दी." प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने बताया कि यह सब एक रणनीति का हिस्सा था — "हमने सोचा था कि उन्हें गेम से थोड़ा हटाया जाए, लेकिन मुझे नहीं लगा था कि मेरी दो-चार बातों से वो इतनी प्रतिक्रिया देंगे. लेकिन जब मैं गेंदबाज़ी का आनंद ले रहा होता हूं, तो थोड़ा बातचीत करना मेरी शैली है. अगर मैं बल्लेबाज़ पर असर डाल पाऊं तो उससे मुझे फायदा होता है." प्रसिद्ध ने रूट के प्रति सम्मान भी जताया — "मैं उन्हें बहुत पसंद करता हूं, वह खेल के दिग्गज हैं. जब दो खिलाड़ी मैदान पर जीत के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ दे रहे हों, तो ऐसा होना स्वाभाविक है."

इंग्लैंड के सहायक कोच मार्कस ट्रेस्कॉथिक ने भी इस घटनाक्रम को ज्यादा तूल नहीं दिया. उन्होंने कहा, "मुझे लगता है प्रसिद्ध ने कुछ कहा होगा, और रूट ने भी प्रतिक्रिया दी. आमतौर पर रूट ऐसी बातों पर मुस्कुरा देते हैं, लेकिन आज उन्होंने अलग रास्ता चुना. यह भी एक तरीका है उस स्थिति से निपटने का." दूसरे दिन के खेल के दौरान मैदान पर दो और हल्के विवाद सामने आए — पहला, जब तेज़ गेंदबाज़ आकाश दीप ने बेन डकेट को आउट करने के बाद उनके कंधे पर हाथ रखा; दूसरा, जब डकेट और साई सुदर्शन के बीच नोकझोंक हुई, जब रिव्यू के बाद भारत के नंबर 3 बल्लेबाज़ आउट करार दिए गए. इन घटनाओं पर प्रतिक्रिया देते हुए ट्रेस्कॉथिक ने कहा, "आकाश दीप ने कुछ कहा नहीं, लेकिन बल्लेबाज़ को आउट करने के बाद कंधे पर हाथ रखना थोड़ा असामान्य था. काउंटी क्रिकेट में ऐसे मौके पर कई खिलाड़ी कुछ कहते या कोहनी मारते हैं, लेकिन यहां ऐसा कुछ नहीं हुआ."

आरजे महवश संग डेटिंग अफवाहों पर बोले युजवेंद्र चहल

बुरा लगा जब उसे घर तोड़ने वाली कहा गया

एजेंसियां। मुंबई

भारतीय क्रिकेटर युजवेंद्र चहल पिछले कुछ समय से अपनी निजी जिंदगी को लेकर सुर्खियों में रहे हैं. खासकर जब से उनकी पत्नी धनश्री वर्मा से तलाक की खबरें सामने आईं, तभी से सोशल मीडिया पर उनके और आरजे महविश के बीच रिश्तों को लेकर तमाम तरह की अफवाहें उड़ने लगीं. अब जब वो धनश्री से तलाक ले चुके हैं तो उन्हें आरजे महवश के साथ अक्सर जोड़ा जाता है. हालांकि अब पहली बार चहल ने इन चर्चाओं पर खुलकर बात की है और उन ट्रोल्स को जवाब दिया है जिन्होंने महवश को 'घर तोड़ने वाली' तक कह डाला.

महवश संग वायरल तस्वीरों पर बोले चहल : इसके अलावा इंटरव्यू में युजवेंद्र चहल ने बताया कि क्रिसमस डिनर की जो तस्वीर सोशल मीडिया पर छाई थी, उसमें कुल पांच लोग थे. लेकिन उस फोटो को इस तरह से काटा गया जिससे लगे कि सिर्फ चहल और महवश ही डिनर पर गए थे. उन्होंने कहा, 'महवश पर सोशल मीडिया पर कीचड़ उछाला गया. उन्हें घर तोड़ने वाली कहा गया, गालियां दी गईं, ट्रोल किया गया. चहल ने कहा कि ये सब देखकर उन्हें बेहद बुरा लगा. इसके अलावा इंटरव्यू में चहल ने साफ किया वो किसी रिलेशनशिप में नहीं हैं.

महवश संग डेटिंग रूमर्स पर चहल ने दी सफाई

राज शमानी के पॉडकास्ट पर बातचीत करते हुए क्रिकेटर युजवेंद्र चहल ने साफ किया कि उनका और महवश का रिश्ता वैसा नहीं है, जैसा लोग सोचते हैं. उन्होंने कहा, 'लोग अपनी सोच के मुताबिक कुछ भी कह सकते हैं, लेकिन सच्चाई ये है कि मैं अभी भी खुद को संभाल रहा हूं. किसी नए रिश्ते में जाने की बात तो दूर है.' चहल ने बताया कि जब आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के फाइनल के दौरान उनकी और महविश की एक फोटो सामने आई थी, तभी से लोग उन्हें जोड़ने लगे. लेकिन हकीकत ये थी कि वो सिर्फ अच्छे दोस्त हैं.

मुश्किल वक्त में वो मेरे लिए मजबूत सहारा बनीं

युजवेंद्र ने बताया कि तलाक के मुश्किल दौर में महवश उनके लिए एक मजबूत सहारा बनीं. वो हर उस पल में उनके साथ थीं जब वो बिखरने के कगार पर थे. चहल ने बताया, 'जब सब कुछ खत्म होता महसूस होता है, तो कोई अगर आपका हाथ थाम ले, तो वो रिश्ता दोस्ती से कहीं बड़ा हो जाता है. लेकिन इसका मतलब ये नहीं कि उसमें रोमांस है. लोग बहुत जल्दी फैसला ले लेते हैं.'

जॉन सीना ने फिर मारी पलटी, विलेन के रूप को छोड़ अब अपनाया ये अवतार

एजेंसियां। नयी दिल्ली

डब्ल्यूडब्ल्यूई का सबसे बड़ा शो, समरस्लैम 2025, इस बार और भी खास होने वाला है. यह पहली बार दो दिन का होगा. 3 और 4 अगस्त को न्यूयॉर्क के मेटलाइफ स्टेडियम में यह शो होगा. मेन इवेंट में जॉन सीना और कोडी रोड्स डब्ल्यूडब्ल्यूई चैंपियनशिप के लिए स्ट्रीट फाइट में भिड़ेंगे. 17 बार के चैंपियन सीना का यह आखिरी समरस्लैम होगा. पहले वे रोड्स के खिलाफ विलेन के तौर पर उतरने वाले थे। लेकिन, स्मैकडाउन में एक चौंकाने वाला बदलाव आया.

जॉन सीना ने क्या कर लिया बेबीफेस टर्न : सीना ने रोड्स को धन्यवाद कहा और द रॉक पर भी निशाना साधा. उन्होंने कहा कि द रॉक की वजह से ही वे विलेन बने थे. उन्होंने द रॉक के डब्ल्यूडब्ल्यूई से गायब रहने पर भी बात की. उन्होंने कहा कि जिन लोगों को उनके साथ होना चाहिए था, उन्होंने उनका साथ छोड़ दिया. यह सीना का बेबीफेस टर्न हो सकता है, जिसका फैंस को इंतजार था. यह बदलाव एलिमिनेशन चैंबर में उनके विलेन बनने के पांच महीने बाद रोड्स को धन्यवाद देते हुए कहा कि 'मैंने तुमसे कहा था कि मैं थक गया हूं और समरस्लैम में मैच मेरे लिए बहुत मुश्किल होगा. तुमने मेरी बात नहीं सुनी. तुमने मुझ पर हमला किया. तुमने मेरे जाली सिग्नेचर किए और तुमने मुझे डब्ल्यूडब्ल्यूई के सबसे खतरनाक मैचों में से एक में इसके सबसे बड़े मंच पर, इसके सबसे बड़े चैंपियनशिप के लिए मजबूर किया. मेरे पास कहने के लिए सिर्फ एक बात बची है, धन्यवाद.' जॉन सीना और कोडी रोड्स के बीच होने वाले मुकाबले को लेकर डब्ल्यूडब्ल्यूई ने कई प्रोमो वीडियो जारी किए हैं. इन वीडियो में दोनों रेसलर्स एक-दूसरे को चुनौती देते हुए नजर आ रहे हैं. समरस्लैम 2025 का टिकट मिलना मुश्किल हो गया है. फैंस इस शो को देखने के लिए बेताब हैं.

डब्ल्यूसीएल में भारत ने दिखाया आईना, तो पाक की निकली हवा

देश के नाम को ले जारी किया बेतुका फरमान

एजेंसियां। इस्लामाबाद

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने विश्व चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स (डब्ल्यूसीएल) में भारतीय खिलाड़ियों के 'पाकिस्तान चैंपियंस' के खिलाफ खेलने से इनकार करने के बाद निजी क्रिकेट लीग में अपना प्रतिनिधित्व करने वाली टीमों में देश के नाम का इस्तेमाल करने पर प्रतिबंध लगा दिया है. टेलीकॉम एशिया स्पोर्ट की रिपोर्ट के मुताबिक, इंग्लैंड में चल रहे डब्ल्यूसीएल में भारत चैंपियंस की टीम ने शाहिद अफरीदी की अगुआई वाली पाकिस्तान चैंपियंस टीम को आईना दिखाया और लीग स्टेज के बाद सेमीफाइनल में भी खेलने से इनकार कर दिया. क्रिकेट जगत और दुनिया भर के मीडिया चैनल्स पर इसे भारत और पाकिस्तान के बीच टकराव बताया गया. इस बात की खूब चर्चा हुई कि भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ खेलने से इनकार कर दिया है. जैसे ही इस तरह के बयान सामने आए, पीसीबी ने बेतुका फरमान जारी कर निजी क्रिकेट लीगों में देश के नाम के इस्तेमाल पर रोक लगाने का फैसला ले लिया.

लोकप्रियता को नुकसान पहुंचा : सूत्रों ने टेलीकॉम एशिया स्पोर्ट को बताया, गुरुवार को निदेशक मंडल की बैठक में विस्तृत चर्चा के बाद यह निर्णय लिया गया. उच्च स्तर के अधिकारियों का मानना है कि भारतीय खिलाड़ियों का डब्ल्यूसीएल के दूसरे सत्र में पाकिस्तान के खिलाफ दो बार खेलने से इनकार करने से देश की क्रिकेट टीम और लोकप्रियता को नुकसान पहुंचा है. भविष्य में किसी भी निजी संगठन को निजी लीग के लिए देश का नाम इस्तेमाल करने की अनुमति नहीं दी जाएगी. हालांकि, पाकिस्तान चैंपियंस की मौजूदा टीम को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ होने वाले डब्ल्यूसीएल फाइनल में खेलने की स्वीकृति होगी.

निजी संगठनों पर होगी कार्रवाई : रिपोर्ट में कहा गया है कि विभिन्न निजी संगठनों ने जिम्बाब्वे, केन्या और अमेरिका में छोटी और लो प्रोफाइल लीग में खेलने के लिए पाकिस्तान के नाम का इस्तेमाल किया है. रिपोर्ट के मुताबिक, 'पाकिस्तान के नाम का इस्तेमाल करने पर सभी निजी संगठनों को कानूनी कार्रवाई का सामना करना पड़ेगा. पीसीबी के करीबी सूत्रों ने कहा, 'अगर पीसीबी को लीग और संगठन की प्रमाणिकता सही लगती है तो उसके पास क्रिकेट प्रतियोगिताओं के लिए इसके इस्तेमाल की अनुमति देने का एकमात्र अधिकार है.' यह भी पता चला है कि पाकिस्तान सरकार और देश में खेलों की देखरेख करने वाली आईपीसी (अंतर-प्रांतीय समन्वय समिति) ने पीसीबी को एक सलाह भेजी है कि भविष्य में निजी क्रिकेट लीग में देश के नाम के उपयोग को नियंत्रित किया जाए.

यूएई टी20 विश्व कप से पहले त्रिकोणीय सीरीज की मेजबानी करेगा : संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) अगले साल होने वाले टी20 विश्व कप की तैयारी के अंतर्गत इस महीने के अंत में एक ट्वेंटी20 त्रिकोणीय सीरीज की मेजबानी करेगा जिसमें अफगानिस्तान और पाकिस्तान भी शामिल होंगे.

पूर्व ब्राज़ीली डिफेंडर डेविड लुइज ने फोर्टालेज़ा क्लब छोड़ा

रियो डी जनेरियो । ब्राज़ील के पूर्व अंतरराष्ट्रीय डिफेंडर डेविड लुइज़ ने ब्राज़ीलियन सेरी-ए क्लब फोर्टालेज़ा से नाता तोड़ लिया है. क्लब के साथ उनका अनुबंध केवल सात महीने ही चला और दोनों पक्षों की आपसी सहमति से अनुबंध समाप्त कर दिया गया. 38 वर्षीय डेविड लुइज़ ने शुक्रवार को अपने साथियों और क्लब स्टाफ से विदाई ली.ग्लोबो एस्पोर्टे की रिपोर्ट के अनुसार, वह अब साइप्रस के शीर्ष क्लब पाफोस एफसी के साथ तीन साल के अनुबंध के लिए सिद्धांततः सहमत हो गए हैं. लुइज़ ने जनवरी में फोर्टालेज़ा में फ्री ट्रांसफर के ज़रिए शामिल होने के बाद से सभी प्रतियोगिताओं में केवल 16 मैच खेले थे. उनका अनुबंध दिसंबर 2026 तक था, जिसमें 12 महीने के विस्तार का विकल्प भी शामिल था.

रिपोर्ट में दावा एशिया कप टी20 में नहीं खेलेंगे बुमराह?

अगरकर और टीम कोच गंभीर को लेना है फैसला

एजेंसियां। लंदन

भारत के स्टार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह चाहे खेलें या न खेलें, वह अक्सर चर्चा में रहते हैं. उन्हें शुक्रवार को इंग्लैंड दौरे पर गई टीम से रिलीज कर दिया गया, क्योंकि वह पांचवें टेस्ट का हिस्सा नहीं हैं. अब उनको लेकर एक नई रिपोर्ट सामने आई है. इस रिपोर्ट के मुताबिक, अगले महीने शुरू होने वाले एशिया कप में बुमराह के खेलने पर सस्पेंस है. रिपोर्ट के मुताबिक, अगर वह एशिया कप टी20 टूर्नामेंट में खेलते हैं तो आगे की सीरीज में उनके खेलने पर संशय बना रहेगा. ऐसे में बुमराह को एशिया कप से आराम दिया जा सकता है. हालांकि, इस पर अंतिम फैसला मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर और मुख्य कोच गौतम गंभीर को लेना है. एशिया कप की शुरुआत नौ सितंबर से होने जा रही है. वहीं, भारत और पाकिस्तान के बीच महामुकाबला 14 सितंबर को है.

बुमराह को इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की सीरीज के दौरान तीन टेस्ट का कोटा पूरा करने के बाद शुक्रवार को राष्ट्रीय टीम से रिलीज कर दिया गया और अब भारतीय क्रिकेट के हितधारकों ने उनकी अगली अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता पर चर्चा शुरू कर दी है. 31 वर्षीय बुमराह ने तीन मैचों में 119.4 ओवर गेंदबाजी की और 14 विकेट लिए. बीसीसीआई ने शुक्रवार को विज्ञप्ति में कहा, 'जसप्रीत बुमराह को इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज के पांचवें टेस्ट के लिए भारतीय टीम से रिलीज कर दिया गया है. बुमराह ने हेडिंग्ले और लार्ड्स टेस्ट मैचों में पारी में पांच विकेट लिए. हालांकि, मैनचेस्टर में बुमराह ने अपने करियर में पहली बार एक पारी में 100 से ज्यादा रन भी खर्च किए. बुमराह के अब 48 टेस्ट में 219 विकेट हो गए हैं. भारत की लंदन रवानगी से पहले चयन समिति के प्रमुख अजीत अगरकर ने पुष्टि की थी कि अपने कार्यभार प्रबंधन को ध्यान में रखते हुए यह तेज गेंदबाज तीन से अधिक टेस्ट नहीं खेलेगा. अब सवाल यह उठता है कि बुमराह आगे कौन सा प्रारूप खेलेंगे? भारत को एशिया कप टी20 टूर्नामेंट में भाग लेना है और अगर बुमराह इसके लिए चुने जाते हैं तो उनके एशिया कप के बाद एक हफ्ते के अंदर वेस्टइंडीज के खिलाफ होने वाली टेस्ट सीरीज में खेलने की संभावना कम हो जाएगी. एशिया कप का समापन 29 सितंबर को होगा और वेस्टइंडीज के खिलाफ पहला टेस्ट दो अक्तूबर से अहमदाबाद में शुरू होगा. इसके बाद भारत को नवंबर में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की सीरीज खेलनी है. बीसीसीआई के एक सूत्र ने न्यूज एजेंसी पीटीआई को बताया, 'यह मुश्किल फैसला होगा. बुमराह को टेस्ट क्रिकेट पसंद है और विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के अंक दांव पर लगे हैं. जहां तक टी20 का सवाल है तो वह जनवरी में न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज में खेल सकते हैं, जो टी20 विश्व कप के लिए ड्रेस रिहर्सल होगा.' उन्होंने कहा, 'अगर बुमराह एशिया कप खेलते हैं और मान लीजिए भारत फाइनल खेलता है तो वह वेस्टइंडीज के खिलाफ अहमदाबाद में नहीं खेल सकेंगे.

नाकामुरा से मुकाबले में मिली हार

एजेंसियां। नयी दिल्ली

- ई स्पोर्ट्स वर्ल्ड कप 2025 : अर्जुन एरिगैसी तीसरे स्थान की प्लेऑफ में नाकाम

भारतीय ग्रैंडमास्टर अर्जुन एरिगैसी को शुक्रवार को रियाद में आयोजित ई स्पोर्ट्स वर्ल्ड कप 2025 की शतरंज स्पर्धा के तीसरे स्थान के प्लेऑफ मुकाबले में अमेरिका के दिग्गज हिकारु नाकामुरा के हाथों 2.5-3.5 से हार का सामना करना पड़ा. यह मुकाबला बेहद रोमांचक रहा और अंतिम छठे गेम में जाकर तय हुआ. दोनों ग्रैंडमास्टर्स लंबे समय तक बराबरी पर चल रहे थे, लेकिन निर्णायक गेम में काले मोहरों से खेलते हुए एरिगैसी एंडगेम में चूक गए. समय की कमी में उन्होंने लगातार गलतियां कीं, जिसका फायदा उठाकर नाकामुरा ने जीत दर्ज की और तीसरा स्थान अपने नाम किया.एरिगैसी ने मुकाबले की शुरुआत शानदार अंदाज़ में की थी. उन्होंने पहले गेम में सफेद मोहरों से जीत दर्ज की और दूसरा गेम ड्रॉ कराया. लेकिन नाकामुरा ने जोरदार वापसी करते हुए तीसरे और चौथे गेम में जीत हासिल कर बढ़त बना ली. हालांकि, पांचवें गेम में एरिगैसी ने जबरदस्त वापसी कर स्कोर 2.5-2.5 से बराबर कर दिया, लेकिन अंतिम गेम में चूक की वजह से वह तीसरा स्थान गंवा बैठे. इस जीत के साथ नाकामुरा को $145,000 की पुरस्कार राशि मिली, जबकि चौथे स्थान पर रहने वाले एरिगैसी को $115,000 मिले.

ब्रीफ न्यूज

अभाविप हजारीबाग नगर अध्यक्ष बने रंजन

हजारीबाग। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) हजारीबाग नगर इकाई का पुनर्गठन प्रावेश रिसोर्ट में संपन्न हुआ. कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्ज्वलन एवं स्वामी विवेकानंद तथा मां सरस्वती की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर की गई. कार्यक्रम में विभाग प्रमुख प्रो. मनोज कुमार, जिला प्रमुख प्रो. देवेन्द्र कुमार सहित कई नेता उपस्थित रहे. संचालन जिला संयोजक रुद्र राज एवं विभाग संयोजक बाबूलाल मेहता ने किया. प्रो. मनोज कुमार ने बताया कि अभाविप छात्र, समाज और राष्ट्र हित के लिए निरंतर कार्यरत है और हर क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है.

झापा पंचायत की मुखिया अन्नपूर्णा देवी सम्मानित

हजारीबाग। नगर भवन, हजारीबाग में आयोजित जिला स्तरीय कार्यशाला के दौरान ग्राम पंचायत झापा की मुखिया अन्नपूर्णा देवी को उनके उत्कृष्ट कार्यों के लिए सम्मानित किया गया. उप विकास आयुक्त इश्तियाक अहमद ने उन्हें प्रशस्ति पत्र प्रदान किया. अन्नपूर्णा देवी ने पंचायत क्षेत्र में विकास योजनाओं के सफल क्रियान्वयन, महिला सशक्तिकरण और जनसरोकार से जुड़ी पहलों के माध्यम से महत्वपूर्ण योगदान दिया है. उनकी कार्यशैली में पारदर्शिता और समर्पण की विशेष झलक देखने को मिलती है. कार्यशाला में जिले के विभिन्न पंचायत प्रतिनिधियों, अधिकारियों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने भाग लिया.

उपायुक्त ने किया विभागों का औचक निरीक्षण

कोडरमा। उपायुक्त ऋतुराज ने जिला समाहरणालय परिसर स्थित सहकारिता, कृषि, जेएसएलपीएस, एनआईसी एवं अपर समाहर्ता कार्यालय का औचक निरीक्षण किया. निरीक्षण के दौरान उन्होंने विभागीय कार्यों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को पारदर्शिता, समयबद्धता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए. कृषि विभाग को योजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी लाने को कहा, जबकि जेएसएलपीएस और एनआईसी के कार्यों का अवलोकन कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए.

कुजू में नमो फुटबॉल टूर्नामेंट का भव्य शुभारंभ

हजारीबाग। सांसद मनीष जायसवाल द्वारा आयोजित सांसद खेल महोत्सव-2025 के अंतर्गत छठे नमो फुटबॉल टूर्नामेंट का शुभारंभ शनिवार को मांडू विधानसभा क्षेत्र के कुजू पब्लिक हाई स्कूल मैदान में धूमधाम से हुआ. उद्घाटन मैच राज स्पॉटिंग क्लब रंगुबेरा और मरांगबुरू क्लब जोबला के बीच खेला गया, जिसमें मरांगबुरू क्लब जोबला ने 1-0 से जीत दर्ज की. टूर्नामेंट में कुल 48 टीमें भाग ले रही हैं. निर्णायक के रूप में विक्की वेदिया, इकबाल अंसारी, सूर्य हांसदा, संजय कुमार और उत्तम मिंज योगदान दे रहे हैं.

बार एसोसिएशन ने सौंपा 3.10 लाख का चेक

चतरा। चतरा बार एसोसिएशन की ओर से दिवंगत अधिवक्ता जगन्नाथ पंडित की पत्नी अनुपमा देवी को 3 लाख 10 हजार रुपये का चेक प्रदान किया गया. अधिवक्ता पंडित का हाल ही में लगभग 60 वर्ष की उम्र में निधन हो गया था. इस अवसर पर बार एसोसिएशन के अध्यक्ष श्री रमेश जायसवाल और सचिव श्री मुरली मनोहर मिश्रा ने संयुक्त रूप से चेक सौंपा. कार्यक्रम के दौरान पदाधिकारियों ने आश्वासन दिया कि दुख की हर घड़ी में पंडित के परिवार के साथ वे खड़े रहेंगे.

कृषि कार्यालय के सभागार में जिला स्तरीय खरीफ कार्यशाला में बोले डीसी

खेती में नई तकनीकों का उपयोग करें किसान

शुभम संदेश। कोडरमा

जिला कृषि कार्यालय के सभागार में शनिवार को जिला स्तरीय खरीफ कार्यशाला 2025 का सफल आयोजन किया गया. इस अवसर पर मुख्य अतिथि उपायुक्त ऋतुराज ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन किया.

उन्होंने किसानों को संबोधित करते हुए कृषि के महत्व और खेती में नई तकनीकों के उपयोग पर जोर दिया. कार्यशाला में जिला कृषि पदाधिकारी रविशंकर प्रसाद वर्णवाल ने किसानों को कृषि, उद्यान एवं आत्मा योजनाओं के बारे में विस्तृत जानकारी दी. उन्होंने बताया कि इस वर्ष वर्षा सामान्य से अच्छी रही, लेकिन अधिक वर्षा के कारण मक्का, मूंग, उरद एवं अरहर जैसी भदई फसलों की बुआई प्रभावित हुई है. इस स्थिति से निपटने के लिए आवश्यक सावधानियां बरतने की सलाह दी गई. कार्यक्रम में जिला गव्य विकास पदाधिकारी, जिला मत्स्य पदाधिकारी एवं कृषि विज्ञान केन्द्र जयनगर की डॉ. नूपूर ने फसलों में लगने वाले प्रमुख रोगों, उनके उपचार एवं रोकथाम के उपायों पर महत्वपूर्ण जानकारी साझा की. इससे किसानों को अपनी फसलों को बेहतर तरीके से स्वस्थ रखने का मार्गदर्शन मिला.

इस दौरान उपायुक्त ऋतुराज ने नव नियुक्त ब्लॉक टेक्निकल मेनेजर एवं असिस्टेंट टेक्निकल मेनेजर को नियुक्ति पत्र भी प्रदान किए. साथ ही किसानों के बीच मृदा स्वास्थ्य कार्ड का वितरण भी किया गया, जो मिट्टी की गुणवत्ता सुधारने में मदद करेगा. उपायुक्त ने किसानों से गुणवत्ता युक्त बीजों और उपयुक्त फसल के चयन की अपील की, ताकि बेहतर उत्पादन सुनिश्चित किया जा सके. उन्होंने सभी प्रखंड कृषि पदाधिकारियों और को निर्देश दिया कि वे 4 से 5 अगस्त 2025 के बीच प्रखंड स्तर पर खरीफ कार्यशाला का आयोजन अनिवार्य रूप से करें. कार्यशाला से किसानों को खेती में आधुनिक तकनीकों, रोग प्रबंधन और बेहतर पैदावार के लिए आवश्यक सुझाव प्राप्त हुए, जिससे जिले की कृषि स्थिति में सुधार की उम्मीद है.

हजारीबाग पुलिस ने किया अंतरराष्ट्रीय मानव तस्करी नेटर्वक का खुलासा, करोड़ों की ठगी

अमेरिका भेजने की साजिश नाकाम

शुभम संदेश । हजारीबाग

मानव तस्करी के अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क का हजारीबाग पुलिस ने खुलासा करते हुए पांच लोगों को गिरफ्तार किया है. पुलिस ने गिरोह के मास्टरमाइंड उदय कुमार कुशवाहा, दर्शन प्रसाद, लालमोहन प्रसाद, चोहान प्रसाद और शंकर प्रसाद को भी पकड़ा है. पूरे गिरोह ने पानी जहाज के माध्यम से मानव तस्करी का जाल बिछा रखा था. उक्त जानकारी हजारीबाग एसपी अंजनी अंजन ने शनिवार को प्रेसवार्ता में पत्रकारों को दी.

उन्होंने कहा कि टाटीझरिया के भराजो गांव निवासी सोनू कुमार द्वारा 30 जुलाई को एक सनसनीखेज शिकायत दर्ज कराई गई, जिसमें यह बताया गया कि गांव के ही रहनेवाले उदय कुमार कुशवाहा (जो पिछले 45 वर्षों से अमेरिका में रहकर व्यवसाय कर रहे हैं) ने उन्हें अमेरिका में नौकरी दिलाने का झांसा देकर, फर्जी दस्तावेजों और मानव तस्करी के डंकी रूट के माध्यम से वर्ष 2024 में ब्राजील के लिए रवाना किया. वहीं, गिरफ्तार उदय कुमार ने विकाश कुमार (दर्शन प्रसाद का पुत्र) और पिंटू कुमार दारू थाना के जरगा निवासी को भी अलग-अलग दिन दिल्ली से ब्राजील भेजा.

50 दिनों तक माफिया के कब्जे में थे तीनों पीड़ित युवक

एसपी ने कहा कि 50 दिन तक माफिया के कब्जे में तीनों पीड़ितों को रखा गया. इस दौरान गिरफ्तार उदय कुमार ने वादी के गरीब पिता को अमेरिका से कॉल कर और पैसे की मांग की. विवश होकर वादी के पिता ने अपनी पैतृक जमीन बेचकर लगभग 45 लाख की राशि उदय कुमार के रिश्तेदारों को अलग-अलग माध्यम से दी. वादी को मेक्सिको सिटी होते हुए सैन डियागो भेजा गया, लेकिन अमेरिकी बॉर्डर पर तीनों को पकड़ लिया गया.

ब्राजील पहुंचने पर इन तीनों को अंतरराष्ट्रीय डंकी माफिया के हवाले कर दिया गया, जिन्होंने उन्हें छिपाकर रोड और नदी मार्ग से वोल्विया, पेरु, इक्वाडोर, कोलंबिया, पनामा, कोस्टारिका, होंडुरस, गुवाटेमाला होते हुए अमेरिका पहुंचाने की कोशिश की, लेकिन कामयाबी नहीं मिली और अमेरिकी बॉर्डर पर चेकिंग में गिरफ्तार कर डिटेंशन सेंटर में डाल दिया गया, जहां वह लगभग चार महीने तक रहा. मार्च 2025 में उसे भारत डिपोर्ट कर दिया गया.

पैसा मांगने पर जान से मारने की धमकी दी : घर लौटने के बाद जब पीड़ित ने अपनी रकम की मांग की, तो आरोपी उदय कुमार और उनके भाई चोहान प्रसाद द्वारा गाली-गलौज, मारपीट करते हुए जान से मारने की धमकी दी गई. डर के कारण थाना में लिखित शिकायत दर्ज कराई, जिस पर टाटीझरिया थाना कांड संख्या 32/25 के तहत प्राथमिकी दर्ज कर आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है.

अब तक दर्जनों लोगों को डंकी रूट से भेजा गया है अमेरिका

हजारीबाग एसपी अंजनी अंजन ने बताया कि अब तक दर्जनों लोगों को डंकी रूट से अमेरिका भेजा जा चुका है. पूछताछ में मास्टरमाइंड ने अपनी संलिप्ता भी स्वीकार कर ली है. अमेरिका भेजे गए लोगों में दिगंबर कुशवाहा (2018), राजकुमार कुशवाहा (2013), नंदू कुमार (2022), पप्पू कुमार (2022), चंदन कुमार (2022), शंभू दयाल (2022), पृथ्वी राज कुशवाहा उर्फ सोनू (2022), संजय वर्मा (2022), सुमन सौरभ प्रसाद (2022), प्रवीण कुमार (2022), अरुण कुमार कुशवाहा (2019), धीरज कुमार (2019) शामिल हैं.

अरुण सिंह से भाजपा नेत्री शेफाली की मुलाकात

हजारीबाग। समाजसेविका एवं भाजपा नेत्री शेफाली गुप्ता ने दिल्ली में भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव सह राज्यसभा सांसद अरुण सिंह से औपचारिक भेंट की. वे ओम आरोहणाम संस्था की संस्थापिका एवं भारत सरकार की दिशा संगठन की सदस्य भी हैं. इस मुलाकात के दौरान झारखंड के सामाजिक सरोकार, महिला सशक्तिकरण, बालिकाओं के प्रशिक्षण और ग्रामीण विकास जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर गहन चर्चा हुई. शेफाली गुप्ता ने बताया कि अरुण सिंह का सादगीपूर्ण, मिलनसार और प्रेरणादायक व्यक्तित्व उन्हें विशेष रूप से प्रभावित करता है. उन्होंने यह भी आशा जताई कि भविष्य में भी उन्हें राष्ट्रीय नेतृत्व से इसी प्रकार का मार्गदर्शन एवं सहयोग प्राप्त होता रहेगा, जिससे वे समाज सेवा के अपने कार्यों को और प्रभावी ढंग से आगे बढ़ा सकें.

संयुक्त सचिव ने जनजातीय योजनाओं की समीक्षा की

हजारीबाग। भारत सरकार के जनजातीय कार्य मंत्रालय के संयुक्त सचिव बृज नन्दन प्रसाद ने शनिवार को हजारीबाग जिले का दौरा किया और समाहरणालय सभागार में एक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की. बैठक में उपायुक्त शशि प्रकाश सिंह समेत जिले के वरीय अधिकारी मौजूद थे.

सरोज सिंह ने संभाला चौपारण थाना का प्रभार

शुभम संदेश। चौपारण

नवपदस्थापित थाना प्रभारी सरोज सिंह ने शनिवार को औपचारिक रूप से पदभार ग्रहण किया. इस अवसर पर निवर्तमान थाना प्रभारी अनुपम प्रकाश ने उन्हें पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया और शुभकामनाएं दीं. थाना परिसर में एक सादे समारोह में यह जिम्मेदारी हस्तांतरण संपन्न हुआ, जिसमें पुलिस पदाधिकारियों के साथ स्थानीय जनप्रतिनिधि व गणमान्य लोग उपस्थित रहे. पूर्व थाना प्रभारी अनुपम प्रकाश ने अपने कार्यकाल के दौरान जनसंपर्क व प्रशासनिक समन्वय को मजबूत किया. उन्होंने क्षेत्र में कानून व्यवस्था बनाए रखने में उल्लेखनीय योगदान दिया. वहीं नए थाना प्रभारी सरोज सिंह ने पदभार ग्रहण करने के बाद मीडिया से बातचीत में कहा कि उनकी प्राथमिकता क्षेत्र में शांति, अपराध नियंत्रण और जनता से सीधा संवाद स्थापित कर जनविश्वास को सशक्त करना रहेगा. स्थानीय लोगों ने नए प्रभारी से अपेक्षा जताई कि वे क्षेत्र में शांति व्यवस्था को सुदृढ़ रखने के साथ-साथ जनसमस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करेंगे. उनके आगमन से आम लोगों में सकारात्मक उम्मीद देखी जा रही है.

विवेकानंद कॉलोनी जलमग्न, बच्चों की पढ़ाई बाधित

कोडरमा। नगर पंचायत क्षेत्र अंतर्गत दूधीमाटी स्थित विवेकानंद कॉलोनी में शनिवार सुबह से हो रही मूसलाधार बारिश ने जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया. कॉलोनी का अधिकांश हिस्सा जलमग्न हो गया, जिससे लोगों को भारी परेशानी उठानी पड़ी. घरों और गलियों में पानी भर जाने से स्कूली बच्चों का स्कूल जाना मुश्किल हो गया. जो बच्चे स्कूल जा चुके थे, उन्हें वापस लाने में अभिभावकों को काफी दिक्कत हुई. स्थानीय लोगों ने बताया कि बारिश का पानी मलमूत्र और गंदगी से भरा था, जिससे दुर्गंध फैल गई. बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों को गंदे पानी में आना-जाना पड़ा. निवासियों का कहना है कि यह समस्या पहली बार नहीं आई है. नगर पंचायत को कई बार अवगत कराने के बावजूद कोई स्थायी समाधान नहीं किया गया.

हजारीबाग में 22 थाना प्रभारी बदले गए

शुभम संदेश। हजारीबाग

पुलिस पदाधिकारियों को विधि-व्यवस्था, अपराध नियंत्रण एवं प्रशासनिक दृष्टिकोण से तत्काल प्रभव से स्थानांतरित करते हुए उनके नाम के सामने अंकित अंचल/ थाना/ ओ.पी./ईकाई में पदस्थापित किया जाता है.

नाम	कहां से	कहां गये
पु.नि. आभाष कुमार	पु.नि. सह थाना प्रभारी, बरही	साईबर थाना, हजारीबाग
पु.नि. अनिल कुमार	पु.नि. बड़कागांव अंचल	एस.टी.एफ. शाखा
पु.नि. ललित कुमार	एस.टी.एफ. शाखा	पु.नि. बड़कागांव अंचल
पु.नि. विनोद कुमार	पु.नि. पेलावल अंचल	पु.नि. सह थाना प्रभारी, बरही
पु.नि. शाहिद रजा	पु.नि. दारू अंचल	पु.नि. पेलावल अंचल
पु.नि. जगलाल मुण्डा	पु.नि. साईबर थाना	पु.नि. दारू अंचल
पु.अ.नि. सरोज सिंह चौधरी	थाना प्रभारी, टाटीझरिया	थाना प्रभारी, चौपारण
पु.अ.नि. राजदीप कुमार	पुलिस केंद्र, हजारीबाग	थाना प्रभारी, ईचाक
पु.अ.नि. प्रमोद कुमार राय	क.अ.नि. सदर थाना	थाना प्रभारी, कटकमदाग
पु.अ.नि. कृष्ण कुमार गुप्ता	क.अ.नि. कटकमदाग थाना	थाना प्रभारी बड़कागांव
पु.अ.नि. इंद्रजीत कुमार	क.अ.नि. बड़कागांव थाना	थाना प्रभारी टाटीझरिया
पु.अ.नि. शिवम गुप्ता	क.अ.नि. बरही थाना	थाना प्रभारी कटकमसांडी
पु.अ.नि. पंकज सिन्दुरिया	क.अ.नि. विष्णुगढ़ थाना	थाना प्रभारी, बरकट्ठा
पु.अ.नि. कुमार अश्विनी	कोअ.नि. गिद्दी थाना	थाना प्रभारी, चुरचू
पु.अ.नि. नितिश कुमार सिंह	थाना प्रभारी, चुरचू	थाना प्रभारी गोरहर
पु.अ.नि. सूर्यकांत कुमार	क.अ.नि. पगार ओ.पी.	थाना प्रभारी, चलकुशा
पु.अ.नि. निशांत केरकेट्टा	क.अ.नि. कटकमदाग थाना	थाना प्रभारी, लोहासिंघना
पु.अ.नि. ईकबाल हुसैन	क.अ.नि. सदर थाना	थाना प्रभारी, दारू
पु.अ.नि. दिनेश कुमार मंडल	क.अ.नि. बड़ाबाजार ओ.पी.	प्रभारी, पगार ओ.पी.
पु.अ.नि. सागेन मुर्मू	क.अ.नि. विष्णुगढ़ थाना	प्रभारी, डाडीकला ओ.पी.
पु.अ.नि. रामकुमार राम	पुलिस केंद्र, हजारीबाग	प्रभारी, सिकरी ओ.पी.
पु.अ.नि. पंकज कुमार	थाना प्रभारी, कटकमदाग	प्रभारी, बड़ाबाजार ओ.पी.

भवन निबंधन दरों में संशोधन, 1 अगस्त से लागू

कोडरमा। जिले के नगर परिषद झुमरी तिलैया और नगर पंचायत कोडरमा, डोमचांच तथा सेशंस टाउन क्षेत्र में फ्लैटों और भवन संरचनाओं के निबंधन दरों में किए गए संशोधन को लेकर आम जनता में राहत की भावना देखने को मिली है. इससे पहले निबंधन की उच्च दरों के कारण लोग भवन का पंजीकरण न कर केवल एग्रीमेंट के आधार पर मकान खरीदने को मजबूर थे, जिससे राजस्व की भारी हानि हो रही थी. अन्य जिलों के मुकाबले कोडरमा में निबंधन दरें काफी अधिक थीं, जो आम नागरिकों के लिए समस्या बनी हुई थीं. इस समस्या को देखते हुए उपायुक्त कोडरमा की अध्यक्षता में एक उच्चस्तरीय समिति का गठन किया गया. इस समिति में अपर समाहर्ता, भूमि सुधार उप समाहर्ता, जिला अवर निबंधक, अंचल अधिकारी, कार्यपालक अभियंता भवन निर्माण विभाग तथा नगर निकायों के कार्यपालक पदाधिकारी शामिल थे.

एक नजर

सावन स्पार्क्स उत्सव का रंगारंग आयोजन

रामगढ़। डीएवी पब्लिक स्कूल बरकाकाना एनटीपीएस में शनिवार को कक्षा 5 एवं 6 की माताओं के साथ सावन स्पार्क्स उत्सवस्र का भव्य आयोजन किया गया. कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन से हुई. सभी माताओं का पारंपरिक तरीके से तिलक और मांगटीका पहनाकर स्वागत किया गया. कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. मधुरिमा उपस्थित रहीं, जिनका स्वागत विद्यालय के प्राचार्य मोहम्मद मुस्तफा मजीद ने पौधा एवं प्रतीक चिन्ह भेंट कर किया. उत्सव के दौरान सांस्कृतिक प्रस्तुतियों, नृत्य, खेलकूद और फैशन शो ने सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया. माताओं ने उत्साहपूर्वक विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लिया. मुख्य अतिथि डॉ. मधुरिमा ने कहा कि ऐसे आयोजन छात्रों को भारतीय संस्कृति से जोड़ते हैं और पारंपरिक मूल्यों से परिचित कराते हैं.

पीएम किसान सम्मान निधि का सीधा प्रसारण

रामगढ़। चितरपुर प्रखंड सभागार में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की 20वीं किस्त के अंतरण कार्यक्रम का सीधा प्रसारण वाराणसी, उत्तर प्रदेश से किया गया. कार्यक्रम में दर्जनों लाभार्थी किसान उपस्थित हुए और उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का संबोधन लाइव टेलीकास्ट के माध्यम से देखा. कार्यक्रम की अध्यक्षता अंचल अधिकारी दीपक मिंज ने की. उन्होंने किसानों को पीएम किसान योजना के उद्देश्यों, लाभों और पात्रता की जानकारी दी और उन्हें सरकार की अन्य योजनाओं से भी जुड़ने हेतु प्रेरित किया. किसानों ने योजना के माध्यम से मिल रहे लाभ के लिए सरकार का आभार जताया.

कांवरियों का स्वागत सबसे बड़ा धर्मः रोशनलाल चौधरी

रामगढ़ (सांडी)। बड़कागांव से आए सैकड़ों कांवरियों का दल शनिवार को रजरप्पा स्थित मां छिन्नमस्तिका मंदिर पहुंचा, जहां विधिवत पूजा-अर्चना के बाद उन्होंने दामोदर-भैरवी संगम से पवित्र जल उठाया. इसके बाद कांवरिये लगभग 90 किलोमीटर दूर स्थित बड़कागांव के बुढ़वा महादेव मंदिर के लिए रवाना हुए, जहां वे भगवान शिव का जलाभिषेक करेंगे. इस पावन यात्रा के दौरान सांडी में भाजपा की ओर से कांवरियों का भव्य स्वागत किया गया. फल, चना व शर्बत का वितरण बड़कागांव विधायक रोशनलाल चौधरी के नेतृत्व में किया गया. उन्होंने कहा, कांवरियों की सेवा और स्वागत करना सबसे बड़ा धर्म है.

हेन्देगीर जंगल व तिलैया टोला पहुंचा हाथियों का झुंड

केरेडारी। केरेडारी थाना क्षेत्र के हेन्देगीर के जंगल में 22 हाथियों का झुंड पहुंचा. जिससे लोगो मे काफी दहशत का माहौल है. शुक्रवार के रात्रि पताल पंचायत के बुचाडीह गांव के तिलैया टोला निवासी कितनी देवी,मंगरा मुंडा व रानी देवी का घर तोड़ दिया, एवं खाने का चावल भी चट कर गए !वहीं देर रात्रि उक्त गांवों के ग्रामीणों ने मशाल जलाकर हाथियों को भगाने का प्रयास काफी किया फिर भी हाथियों का झुंड ने अभी तक हेन्डेगीर में ही डेरा डाले हुए हैं.उक्त गांवों के दर्जनों किसानों की धान, शकरकंद, आदि फसल रौंद कर हाथियों के झुंड ने बर्बाद कर दिया है. हाथियों के डर से क्षेत्र के आसपास के कई गांव के ग्रामीण शाम होते ही अपने अपने घरों में दूबक जाते है.

मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी ने किया ब्रास क्लस्टर का निरीक्षण

हजारीबाग। मुख्यमंत्री लघु एवं कुटीर उद्यम विकास बोर्ड के मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी राजीव रंजन कुमार ने शनिवार को ईचाक प्रखंड के करियातपुर स्थित ब्रास मैन्यूफैक्चरिंग क्लस्टर और पदमा प्रखंड के सरैया में लघु उत्पादन इकाई का भ्रमण किया. करियातपुर क्लस्टर सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय की 'स्फूर्ति योजना' के तहत स्थापित किया गया है. भ्रमण के दौरान क्लस्टर डायरेक्टर ने चल रहे कार्यों की जानकारी दी. सीईओ ने कारीगरों द्वारा निर्मित ब्रास व कांसे के बर्तनों की गुणवत्ता की सराहना की और क्लस्टर संचालन को और बेहतर बनाने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए. उन्होंने उत्पादन इकाइयों को स्वावलंबन और स्थानीय रोजगार का सशक्त माध्यम बताया.

विधानसभा के समक्ष धरना ऐतिहासिक होगीः उमेश

हजारीबाग। अपनी मांगों को लेकर झारखंड के पंचायत प्रतिनिधि 5 अगस्त को रांची विधानसभा के समक्ष धरना देंगे. धरना में जीप अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, जीप सदस्य, प्रमुख, उप प्रमुख, पंचायत समिति सदस्य, मुखिया और वार्ड सदस्य शामिल होंगे. हजारीबाग जीप अध्यक्ष उमेश प्रसाद मेहता ने जानकारी देते हुए बताया कि 5 अगस्त को रांची विधानसभा के समक्ष आयोजित धरना कार्यक्रम ऐतिहासिक होगा. इसमें 5 हजार से अधिक पंचायत प्रतिनिधि जुटेंगे और अपनी मांग से सरकार को अवगत कराएंगे. आगे कहा कि हमारी मांगों में मुख्य रूप से डीआरडीए का पूरी शक्तियों के साथ जिला परिषद में पूर्ण विलय, 15 वीं वित का पैसा छोड़ने, जीप अध्यक्ष उपाध्यक्ष को सुरक्षा मुहैया कराने, केरल राज्य के अनुसार झारखंड के सभी पंचायत प्रतिनिधि को मानदेय भुगतान करने की मांग शामिल हैं.

स्कार्पियो और टोटो की टक्कर में पांच घायल

कोडरमा। तिलैया थाना क्षेत्र अंतर्गत झुमरी स्थित राधा कृष्ण मंदिर के पास शनिवार दोपहर स्कार्पियो और टोटो के बीच भीषण टक्कर हो गई. तेज रफ्तार स्कार्पियो ने टोटो को पीछे से टक्कर मारी, जिससे टोटो में सवार पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गए. घायलों में टोटो चालक सहित चार अन्य लोग शामिल हैं. प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, टोटो जे जे कॉलेज से सवारियों को लेकर तिलैया की ओर जा रहा था, तभी स्कार्पियो ने अचानक पीछे से टक्कर मार दी.

पेज-3 का शेष

जीनागोड़ा लोडिंग प्वाइंट पर वर्चस्व का विवाद....

हालात की गंभीरता को देखते हुए तीसरा थाना, अलकडीहा ओपी पुलिस व पीओ संजीव कश्यप मौके पर पहुंचे. पीओ ने एमओसीपी कार्यालय में सभी यूनियन प्रतिनिधियों से वार्ता की, लेकिन सभी अपने-अपने दावे पर अड़े रहे, जिससे बैठक विफल रही. अंततः प्रबंधन ने लोडिंग कार्य अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया.

गौरतलब है कि पूर्व में नॉर्थ तीसरा, साउथ तीसरा और जीनागोड़ा में अलग-अलग लोडिंग प्वाइंट संचालित थे, जहां वर्षों से स्थानीय नेता युद्धेश्वर सिंह, सतीश महतो, गौतम देव, विद्यार्थी सिंह और रामबाबू यादव समर्थक मजदूर ट्रक लोडिंग कर रहे थे.

जमसंघ (बच्चा गुट) के मृणालकांत सिंह ने कहा कि नया लोडिंग प्वाइंट एमडीओ के तहत विकसित हुआ है, इसलिए विस्थापितों को प्राथमिकता मिलनी चाहिए. दूसरी ओर पुराने यूनियन नेता एकीकृत प्वाइंट पर केवल पूर्ववर्ती मजदूरों को ही लोडिंग का अधिकार देने की मांग पर अड़े हैं.

स्थिति अभी भी तनावपूर्ण बनी हुई है.

एमपीएल के सभी गेटों पर बैठा....

विधायक ने कहा कि एमपीएल प्रबन्धन तानाशाही रवैया अपना लिया है. मजदूरों व हाईवा एसोशिएसन में फूट डालो राज करो कि नीति अपनाकर काम निकलना चाहती है वैसा नही होगा. मजदूर और हाईवा एसोशिएसन की जायज मांगें पूरी करनी होगी. प्रबन्धन सकारात्मक वार्ता करती है तो ठीक अन्यथा धरना अनिश्चित कालीन चलेगा.

यूनियन का कहना है कि पिछले वर्ष एमपीएल प्रबंधन ने अपने कर्मचारियों को बोनस के रूप में गिफ्ट दिया था लेकिन एमपीएल के अधीन कंपनियों के कामगारों को कुछ भी नहीं दिया. बोनस भी नहीं दिया गया, जिससे कामगारों में काफी आक्रोश है. एमपीएल प्रबंधक को दिए गए मांग पत्र में मुख्य रूप से दुर्गा पूजा का बोनस 8.33 %से बढ़ाकर 20% करने, 21000रू से अधिक वेतनमान वाले कामगारों का जिनका ईएसआई नहीं है उसे स्वास्थ सुविधा उपलब्ध कराना, सभी कामगारों को प्रमोशन, इंडवेल कंपनी में 15000 बेसिक पर पीएफ फिक्स किया गया है, जो नियम अनुसार वर्तमान बेसिक का 12% पीएफ काटना चाहिए जो नहीं काटा जा रहा है उसे ठीक किया जाए, सभी कामगारों को रात्रि भत्ता दिया जाए आदि शामिल हैं.

इधर निरसा हाईवा परिवहन स्वावलंबी सहकारी समिति लिमिटेड का भी 11 सूत्री मांग पत्र प्रबंधन को दिया गया इसमें आपसी समन्वय से एमपीएल कामगार यूनियन और समिति के द्वारा संयुक्त रूप से बंदी किया गया है. इसको लेकर यूनियन के तरफ से समिति के अधिकारियों से बात करके सहमति ले ली गई है और एमपीएल का चारों गेट बंद करने का निर्णय लिया गया.

दौरा संयुक्त सचिव, जनजातीय कार्य मंत्रालय ने किया रामगढ़ जिले का दौरा

संचालित योजनाओं की प्रगति की हुई समीक्षा

शुभम संदेश। रामगढ़

भारत सरकार के जनजातीय कार्य मंत्रालय के संयुक्त सचिव बृजनंदन प्रसाद ने शनिवार को रामगढ़ जिले का दौरा किया. इस दौरान उन्होंने समाहरणालय सभाकक्ष में उपायुक्त फैज अक अहमद मुमताज, उप विकास आयुक्त आशीष अग्रवाल, वन प्रमंडल पदाधिकारी नीतीश कुमार समेत अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक की. बैठक में जिला कल्याण पदाधिकारी सिद्धार्थ शंकर चौधरी ने प्रधानमंत्री जनजातीय आदिवासी न्याय महा अभियान (पीएम जनमन), धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान एवं आदि कर्म योगी अभियान के तहत जिले में चल रहे विभिन्न कार्यों की विस्तृत जानकारी पीपीटी प्रेजेंटेशन के माध्यम से दी. इस दौरान योजनाओं की उपलब्धियों, चुनौतियों और आगे की रणनीतियों पर चर्चा हुई. संयुक्त सचिव ने प्रधानमंत्री जनमन योजना के तहत अनुसूचित जनजाति एवं आदिम जनजाति के लाभुकों को आवास योजना, जल जीवन मिशन, विद्युत आपूर्ति जैसी सुविधाओं की प्रगति की समीक्षा की. उन्होंने अधिकारियों को लक्ष्य के अनुरूप शत प्रतिशत लाभुकों को इन योजनाओं का लाभ सुनिश्चित करने के निर्देश दिए ताकि सभी हितग्राहियों तक योजनाओं की पहुंच सुनिश्चित हो सके. बैठक में वन पट्टा वितरण पर भी विशेष जोर दिया गया. संयुक्त सचिव ने सामुदायिक एवं व्यक्तिगत वन पट्टा के लाभों के बारे में जानकारी ली और अधिक से अधिक लाभुकों को वन पट्टा उपलब्ध कराने के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया.

इसके अलावा, जिला कल्याण पदाधिकारी ने संयुक्त सचिव को धरती आबा जनजातीय जन भागीदारी अभियान के तहत 15 जून से 15 जुलाई 2025 तक चलाए गए विशेष अभियान की रिपोर्ट दी. इस अभियान के तहत जनजातीय समुदायों के विकास के लिए अनेक प्रयास किए गए, जिन्हें संयुक्त सचिव ने सराहा. बैठक में आदि कर्म योगी अभियान की भी चर्चा हुई, जो हाल ही में भारत सरकार द्वारा अनुसूचित जनजाति एवं आदिम जनजाति के हित में शुरू किया गया है. इस योजना के अंतर्गत जिला, प्रखंड, पंचायत और गांव स्तर पर मास्टर ट्रेनरों का चयन कर उन्हें प्रशिक्षण दिया जाएगा, ताकि वे स्थानीय स्तर पर जनजातीय लाभुकों को सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं से जोड़ सकें. बैठक में गोपनीय प्रभारी श्री रविंद्र कुमार गुप्ता, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी इंदु प्रभा खलखो, जिला शिक्षा पदाधिकारी कुमारी नीलम, जिला यक्ष्मा पदाधिकारी डॉक्टर स्वराज समेत अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे. संयुक्त सचिव का यह दौरा रामगढ़ जिले में जनजातीय कल्याण और विकास के लिए सरकार की योजनाओं के क्रियान्वयन को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से महत्वपूर्ण माना जा रहा है. उन्होंने सभी अधिकारियों को जिले में तेजी से योजनाओं को लागू करने और जनजातीय समुदाय के समग्र विकास के लिए निरंतर प्रयास जारी रखने के निर्देश दिए.

न्यूज अपडेट

कर्नाटक में बजरंग दल कार्यकर्ता की हत्या के मामले में एनआईए का छापा

नई दिल्ली । राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने कर्नाटक में बजरंग दल के कार्यकर्ता सुहास शेट्टी की हत्या के मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए शनिवार को 18 ठिकानों पर छापेमारी की. यह कार्रवाई मंगलुरु, चिक्कमगलुरु और हासन जिलों में की गई. एनआईए के मुताबिक, छापेमारी के दौरान 11 मोबाइल फोन, 13 सिम कार्ड, 8 मेमोरी कार्ड और कई आपत्तिजनक दस्तावेज जब्त किए गए. जांच एजेंसी इस हत्या के पीछे की साजिश, नेटवर्क और अन्य कड़ियों की जांच में जुटी हुई है. इसी साल मई महीने में मंगलुरु में सुहास शेट्टी की हत्या कर दी गई थी. हत्या का आरोप अब्दुल सफवान और उसके साथियों पर है.

कुलगाम के अखल के जंगलों में मुठभेड़ में मारा गया एक आतंकी

कुलगाम । दक्षिण कश्मीर के कुलगाम ज़िले के अखल के जंगलों में आतंकवादियों के साथ जारी मुठभेड़ में सुरक्षाबलों ने एक आतंकवादी को मार गिराया है. सेना के एक अधिकारी ने कहा कि रात भर रुक-रुक कर और तीव्र गोलीबारी जारी रही. सैनिकों ने जवाबी कार्रवाई में एक आतंकी को मार गिराया. एक्स पर एक पोस्ट में सेना की चिनार कॉर्प्स ने शनिवार सुबह लिखा कि रात भर रुक-रुक कर और तीव्र गोलीबारी जारी रही. सतर्क सैनिकों ने संतुलित गोलीबारी से जवाब दिया और संपर्क बनाए रखते हुए घेराबंदी कड़ी कर दी. पोस्ट में पुष्टि की गई कि सुरक्षा बलों ने अब तक एक आतंकवादी को मार गिराया है. ऑपरेशन जारी है.

कोलंबिया के पूर्व राष्ट्रपति उरीबे को 12 साल की नजरबंदी की सजा

नयी दिल्ली । कोलंबिया के पूर्व राष्ट्रपति अलवारो उरीबे को गवाहों से छेड़छाड़ और रिश्वत देने के मामले में 12 साल की नजरबंदी (हाउस अरेस्ट) की सजा सुनाई गई है. यह फैसला शुक्रवार को आया और इसे देश के इतिहास का एक अहम कानूनी मुकदमा माना जा रहा है, जिसने इस दक्षिण अमेरिकी नेता की छवि को गहरी चोट पहुंचाई है. उरीबे को सोमवार को दोषी ठहराया गया था और उन्हें 12 साल तक जेल की सजा हो सकती थी, लेकिन अदालत ने उन्हें घर में नजरबंद रखने का आदेश दिया. यह मामला 1990 के दशक में अर्धसैनिक समूहों से कथित संबंधों को लेकर शुरू हुआ, जहां आरोप है कि उरीबे ने उन गवाहों को प्रभावित करने की कोशिश की जो उनके खिलाफ बयान दे रहे थे.

चीन में जापानी महिला पर हमला टोक्यो में दो चीनी नागरिक घायल

नयी दिल्ली । चीन के सूझोउ शहर में गुरुवार देर रात एक जापानी महिला पर एक व्यक्ति ने पत्थर जैसी वस्तु से हमला कर दिया. महिला को हल्की चोटें आईं, जबकि उसका बच्चा सुरक्षित है. इलाज के बाद महिला को अस्पताल से छुट्टी मिल गई है. जापानी मीडिया के मुताबिक, घटना सबवे स्टेशन में हुई और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है. इसी दिन जापान की राजधानी टोक्यो में दो चीनी नागरिकों पर भी हमला हुआ, जिनमें दोनों को गंभीर चोटें आई हैं. चार हमलावर मौके से फरार हो गए और अब तक उनकी पहचान नहीं हो पाई है. इस घटना के बाद दोनों देशों में विदेशियों के प्रति बढ़ती नफरत को लेकर चिंता जताई जा रही है. गौरतलब है कि पिछले एक साल में यह तीसरी बार है जब चीन में जापानी नागरिकों पर हमला हुआ है.

सैन्य सरकार के खिलाफ बोलने पर माली के पूर्व पीएम मूसा गिरफ्तार

नयी दिल्ली । माली में सैन्य सरकार के खिलाफ बोलने वालों पर कार्रवाई का सिलसिला जारी है. देश के पूर्व प्रधानमंत्री मूसा मारा को शुक्रवार को प्रीट्रायल हिरासत में भेज दिया गया. उन पर जेल में बंद सैन्य सरकार के आलोचकों के प्रति सहानुभूति जताने का आरोप है. मारा ने चार जुलाई को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा था कि उन्होंने सैन्य सरकार के आलोचकों से जेल में मुलाकात की. उन्होंने यह भी कहा, जब तक रात है, सूरज जरूर निकलेगा. हम पूरी ताकत से यह सुनिश्चित करेंगे कि वह जल्दी निकले.

राम मंदिर को आरडीएक्स से उड़ाने के लिए युवक को पाक से आया मैसेज

मुंबई । उत्तर प्रदेश के अयोध्या में श्री राम मंदिर को उड़ाने का मैसेज बीड जिले के एक युवक को सीधे पाकिस्तान से आया था. इस मामले में युवक ने शिरुर कासर पुलिस स्टेशन में शिकायत भी दर्ज कराई है. इस मामले की छानबीन शिरुर कासर पुलिस स्टेशन की टीम कर रही है. पुलिस अधिकारी ने शनिवार को बताया कि कथित तौर पर पाकिस्तान से इस मैसेज में शिकायतकर्ता युवक को मंदिर उड़ाने के लिए एक लाख रुपये की पेशकश की गई है और संदेश में यह भी उल्लेख किया गया है कि साजिश में शामिल होने के लिए 50 और लोगों की आवश्यकता है. इस पूरे मामले ने जिले में हड़कंप मचा दिया है. पुलिस अधिकारी ने बताया कि मैसेज की ऑडियो क्लिप में संदिग्ध ने कहा है कि बताओ, हमारा साथ दो, अपना मुंह खोलो, तुम्हे रकम चाहिए. अयोध्या के मंदिर को आरडीएक्स से उड़ाना है.

इंडोनेशिया में ज्वालामुखी विस्फोट 18 किलोमीटर दूर फैली राख

नयी दिल्ली । इंडोनेशिया के सबसे सक्रिय ज्वालामुखियों में से एक, माउंट लेवोटोबी लाकी लाकी, लगातार दूसरे दिन फटा, जिससे शनिवार तड़के ज्वालामुखीय पदार्थों और राख का एक गुबार 18 किलोमीटर के इलाके में फैल गया. इससे आसपास के गांव मलबे से ढक गए. अभी तक ज्वालामुखी विस्फोट में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है. इससे पहले शुक्रवार शाम को हुए विस्फोट ने राख के बादल आसमान में 10 किलोमीटर की ऊंचाई तक फैल गए थे. दोनों विस्फोट पांच घंटे से भी कम समय के अंतराल में हुए. ज्वालामुखी विस्फोट पर नजर रखने वाली इंडोनेशिया सरकार की एजेंसी ने बताया कि ज्वालामुखीय पदार्थ, जिसमें अंगूठे के आकार की गर्म बजरी भी शामिल है, ज्वालामुखी के गड्ढे से 8 किलोमीटर दूर तक उछला, जिससे आस-पास के गांव और कस्बे घने ज्वालामुखी अवशेषों से ढक गए. एजेंसी ने निवासियों से भारी बारिश के प्रति सतर्क रहने को कहा है. शनिवार का विस्फोट इंडोनेशिया में 2010 के बाद से सबसे बड़े विस्फोटों में से एक था, जब देश का सबसे अस्थिर ज्वालामुखी माउंट मेरापी, जावा के घनी आबादी वाले द्वीप पर फटा था. उस विस्फोट में 350 से ज्यादा लोग मारे गए थे और लाखों लोगों को घर खाली करने पड़े थे.

चार अंतरिक्ष यात्रियों को लेकर आईएसएस पर पहुंचा स्पेसएक्स

15 घंटे में किया सफर; छह महीने रहेंगे

एजेंसी । नयी दिल्ली

स्पेसएक्स कैप्सूल शनिवार को चार अंतरिक्ष यात्रियों को लेकर अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) पर पहुंचा. नासा के कैनेडी स्पेस सेंटर से लॉन्च होने के बाद से लेकर स्टेशन तक पहुंचने में कैप्सूल ने 15 घंटे का समय लिया. अंतरिक्ष स्टेशन पर गए चार अमेरिकी, रूसी और जापानी अंतरिक्ष यात्री स्टेशन पर छह महीने बिताएंगे और परिक्रमा करेंगे. इसके अलावा स्पेसएक्स आईएसएस में पहले से मौजूद अंतरिक्ष यात्रियों को लेकर बुधवार तक वापस आएगा. अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर नासा के जेना कार्डमैन और माइक फिन्के, जापान के किमिया युई और रूस के ओलेग प्लाटोनोव गए हैं. जैसे ही कैप्सूल ने दक्षिण प्रशांत महासागर के ऊपर डॉक किया तो फिन्के ने रेडियो पर कहा कि हैलो, अंतरिक्ष स्टेशन. अब अंतरिक्ष स्टेशन पर यात्रियों की कुल संख्या अस्थायी रूप से 11 हो गई. उनका स्वागत करने वाले अंतरिक्ष यात्रियों ने उनके लिए ठंडे पेय और गर्म भोजन की व्यवस्था की थी. बता दें कि जेना कार्डमैन और एक अन्य अंतरिक्ष यात्री को पिछले साल स्पेसएक्स की एक उड़ान से नासा ने भेजा था. जब बोइंग स्टारलाइनर परीक्षण के लिए पायलट बुच विल्मोर और सुनीता विलियम्स को भेजा गया तो कार्डमैन को वापस बुला लिया गया था. वहीं माइक फिन्के और किमिया युई को पहले स्टारलाइनर मिशन के लिए प्रशिक्षण लेने जाना था. लेकिन थ्रस्टर और अन्य समस्याओं के कारण स्टारलाइनर के 2026 तक उड़ान भरने के बाद दोनों स्पेसएक्स में चले गए. वहीं कुछ साज्ल पहले अज्ञात बीमारी के कारण प्लाटोनोव को सोयुज प्रक्षेपण दल से हटा दिया गया था.

286 दिन बाद लौटीं थीं सुनीता विलियम्स

पिछले साल पांच जून को बोइंग स्टारलाइनर कैप्सूल में खराबी आने के बाद सुनीता विलियम्स और उनके साथी बुच विल्मोर अंतरिक्ष में फंस गए थे. 18 मार्च को 286 दिन बाद उनकी पृथ्वी पर वापसी हुई. यह मिशन सिर्फ आठ दिन का ही था, लेकिन हीलियम लीक और थ्रस्टर में खराबी के कारण उनकी वापसी नहीं पाई. सुनीता विलियम्स और बैरी विल्मोर को एलन मस्क की कंपनी स्पेश एक्स के ड्रैगन क्रू कैप्सूल से वापस लाया गया था.

कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा-

कांग्रेस संविधान की रक्षा के लिए हर कीमत चुकाएगी

एजेंसी । नई दिल्ली

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने शनिवार को कहा कि संविधान में हिंदुस्तान की आत्मा निहित है. यही हर देशवासी की ताकत है जो उसे आगे बढ़ने और सम्मान से सिर उठाकर जीने का अधिकार देता है. हम इस आत्मा पर आंच नहीं आने देंगे. कांग्रेस हर कीमत पर संविधान की रक्षा करेगी. खरगे दिल्ली के विज्ञान भवन में कांग्रेस के कानून, मानवाधिकार एवं सूचना का अधिकार विभाग की ओर से आयोजित राष्ट्रीय कानूनी सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे. कांग्रेस अध्यक्ष ने सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि आज देश में विचारधारा की लड़ाई जारी है. एक तरफ कांग्रेस संविधान की रक्षा में खड़ी है, तो दूसरी ओर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) लगातार संविधान पर हमले कर रही है. उन्होंने कहा कि देश की लोकतांत्रिक संस्थाओं, न्यायपालिका और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर खतरा मंडरा रहा है. ऐसे समय में संवैधानिक मूल्यों को बचाना केवल कानूनी या राजनीतिक लड़ाई नहीं है, बल्कि यह देश की आत्मा बचाने की लड़ाई है.खरगे ने कहा कि स्वतंत्रता संग्राम से लेकर आज तक कांग्रेस ने हमेशा न्याय, समानता और लोकतंत्र की बात की है और यह संघर्ष आज भी जारी है. उन्होंने अधिवक्ताओं से आह्वान किया कि वे संविधान की भावना और देश की एकता को बनाए रखने के लिए आगे आएं.

सलमान खुर्शीद ने सोनिया गांधी का संदेश पढ़ा : सम्मेलन में वरिष्ठ कांग्रेस नेता सलमान खुर्शीद ने सोनिया गांधी का संदेश पढ़ा. इसमें उन्होंने कहा कि भारत का संविधान केवल एक कानूनी दस्तावेज नहीं है, बल्कि यह हमारे लोकतंत्र का नैतिक आधार है. यह हमारे स्वतंत्रता सेनानियों की दूरदृष्टि और बलिदानों से उपजा है. कांग्रेस ने स्वतंत्रता से पहले ही भारतीयों द्वारा, भारतीयों के लिए संविधान की कल्पना की थी. 1928 की नेहरू रिपोर्ट से लेकर संविधान सभा की मांग तक, कांग्रेस ने संविधान निर्माण की नींव रखी थी. डॉ. बीआर अंबेडकर ने संविधान को जिस दृष्टिकोण से तैयार किया, वह समान नागरिकता और सामाजिक न्याय पर आधारित था.

एससी-एसटी और ओबीसी को शामिल नहीं किया गया : पूर्व वित्त मंत्री पी. चिदंबरम ने कहा कि संविधान और सामाजिक न्याय के बीच संबंध जटिल है, लेकिन इनका समाधान जरूरी है.

खरगे बोले- आज देश में विचारधारा की लड़ाई जारी है

उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने 103वां संशोधन कर आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लिए आरक्षण लागू किया, लेकिन इसमें एससी-एसटी और ओबीसी को शामिल नहीं किया गया, जबकि देश के 81 प्रतिशत गरीब इन्हीं वर्गों से आते हैं. उन्होंने कहा चुनाव आयोग भी अब अनुच्छेद 320 के उद्देश्यों को कमजोर करने में लगा है. अगर बिहार की तरह विशेष गहन संशोधन की प्रक्रिया पूरे देश में लागू कर दी गई, तो करोड़ों लोग मतदान से वंचित हो सकते हैं और भारत एक मौन, आज्ञाकारी लोकतंत्र बन जाएगा.

कांग्रेस नेता अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा कि कांग्रेस ने ही भारत को लोकतंत्र की आत्मा दी और आज उसी आत्मा की रक्षा का दायित्व फिर से कांग्रेस के कंधों पर है. उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ने संस्थाओं को कमजोर किया है, न्यायपालिका की स्वतंत्रता को चुनौती दी है, असहमति को अपराध बना दिया है.

कांग्रेस सांसद अजय माकन ने कांग्रेस की विचारधारा के पांच स्तंभ बताए. उन्होंने कहा कि संविधानवाद, सामाजिक न्याय, समावेशी विकास, सर्वधर्म समभाव और संघीय ढांचे का संरक्षण ये पार्टी की विचारधारा के पांच स्तंभ हैं.

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने कहा कि सामाजिक न्याय को वास्तविकता में बदलना सरकारों की जिम्मेदारी है. उन्होंने कहा कि समाज के सबसे हाशिए पर मौजूद लोगों को संसाधनों में समान हिस्सेदारी मिलनी चाहिए, ताकि संविधान में निहित समानता और भाईचारे के उद्देश्य को पूरा किया जा सके.

तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने कहा कि कांग्रेस ने इस देश को स्वतंत्रता दिलाई, पाकिस्तान को विभाजित किया और तीन-तीन नेताओं ने देश के लिए प्राण न्योछावर किए. उन्होंने कहा कि राहुल गांधी पिछले 25 वर्षों से वंचित तबकों को न्याय दिलाने की लड़ाई लड़ रहे हैं.

हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने धर्म को अनादिकाल से मानव समाज के अस्तित्व के केंद्र में बताते हुए कहा कि धर्म हमारे जीवन का एक अहम हिस्सा है. धर्म अनादिकाल से मानव समाज के अस्तित्व के केंद्र में रहा है. जो लोग हमेशा हमारी प्राचीन सभ्यता पर गर्व करते हैं, वह हमारी धर्म निरपेक्षता और धार्मिक स्वतंत्रता के मौलिक औचित्य को क्यों नहीं समझ रहे?

कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने पूर्वोत्तर की उपेक्षा पर चिंता जताई और कहा कि कांग्रेस ने ही इस क्षेत्र की आकांक्षाओं को समझा है. मणिपुर जलता रहा, सैकड़ों जानें गईं, हजारों लोग बेघर हुए, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी ने वहां जाने की जरूरत नहीं समझी.

यूक्रेन के ड्रोन हमले में रूस में तीन की मौत

नयी दिल्ली । शनिवार रात में यूक्रेन के ड्रोन हमलों में रूस में तीन लोगों की मौत हो गई. रूस के सरकारी अधिकारियों ने भी इसकी पुष्टि की है. रूस के रक्षा मंत्रालय ने बताया कि उनके एयर डिफेंस ने क्रीमिया में आठ जगहों पर 112 ड्रोन्स को इंटरसेप्ट कर तबाह कर दिया. इस हमले में रोस्तोव, पेंजा और समारा इलाकों में एक-एक व्यक्ति की मौत हो गई. वहीं 11 लोग घायल हुए हैं. इससे पहले शुक्रवार को कीव पर रूसी हमले में 31 लोगों की मौत हो गई थी और 150 से ज्यादा घायल हो गए थे.

पुणे में हिंसा के बाद लगा कर्फ्यू, 15 गिरफ्तार

मुंबई । महाराष्ट्र के पुणे जिले के यवत में शुक्रवार को हिंसा के बाद कर्फ्यू लगाने के साथ अगले 48 घंटों के लिए पूरे इलाके में निषेधाज्ञा लागू कर दी गयी है. पुलिस और सुरक्षा बलों ने भी फ्लैग मार्च किया है. इसके साथ पुलिस ने इस मामले में अब तक 15 लोगों को गिरफ्तार किया है. जिलाधिकारी जीतेंद्र डूडी ने इसकी पुष्टि की है. उन्होंने कहा कि क्षेत्र में तनावपूर्ण शांति व्याप्त है और आज यवत पूरी तरह से बंद है. पुलिस ने शनिवार को यवत के सहकार नगर, इंदिरा नगर, स्टेशन रोड स्थित मस्जिद तक लांग मार्च किया और लोगों को शांत रहने की अपील की थी.

अंगदान को जनआंदोलन बनाइए : जेपी नड्डा

नई दिल्ली । केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा ने आज कहा कि अंगदान जीवन का कीमती उपहार है और यह एक परोपकारी, समतावादी और अनिवार्य रूप से नैतिक कार्य है, लेकिन लोगों में जागरुकता की कमी के कारण आज अंग प्रत्यारोपण के लिए जरुरतमंद लोगों को काफी लंबा इंतजार करना पड़ता है. इसलिए इसे जन आंदोलन बनाने की आवश्यकता है. नड्डा ने अंतरराष्ट्रीय अंबेडकर सेंटर में राष्ट्रीय अंग एवं ऊतक प्रत्यारोपण संगठन द्वारा आयोजित 15वें भारतीय अंगदान दिवस के अवसर पर 'अंगदान-जीवन संजीवनी अभियान' को संबोधित करते हुए कहा कि आज अंग प्रत्यारोपण की आवश्यकता बढ़ रही है.

भारत ने नेपाल में पेट्रोलियम पाइप लाइन विस्तार का काम शुरू किया

काठमांडू । नेपाल और भारत के बीच हुए समझौते के तहत भारत सरकार के आर्थिक सहयोग से पेट्रोलियम पाइपलाइन विस्तार के दूसरे चरण का निर्माण कार्य शुरू हो गया है. भारत के बिहार राज्य के मोतिहारी से नेपाल के अमलेखगंज तक पहले बनाए जा चुके पेट्रोलियम पाइपलाइन के काम को अब चितवन जिला के लोथर तक विस्तार किया जा रहा है. ईंधन की सहज आपूर्ति और ट्रांसपोर्टेशन के खर्चे में भारी कटौती लाने के लिए भारत सरकार की तरफ से नेपाल में अंतर्देशीय पाइपलाइन का निर्माण किया गया है. पाइपलाइन के विस्तार के साथ-साथ तीन महीने की भंडारण वाले एक पेट्रोलियम भंडारण सुविधा का निर्माण भी किया जा रहा है. यह पेट्रोलियम डिपो लोथर में बनाने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है. नेपाल ऑयल कॉर्पोरेशन ने पाइपलाइन विस्तार की औपचारिक शुरुआत को चिह्नित करते हुए लोथर में परियोजना के क्षेत्रीय कार्यालय का उद्घाटन किया.

गाजा में भूख मिटाने गए लोगों पर इस्राइल ने बरसाई गोलियां; 18 मरे

गाजापट्टी । गाजा में मानवीय संकट अब और भयावह हो गया है. शनिवार को इस्राइली फायरिंग में कम से कम 18 फिलीस्तीनियों की मौत हो गई, जिनमें आठ लोग केवल भोजन लेने के लिए मदद केंद्र पर पहुंचे थे. यह गोलीबारी उस समय हुई जब लोग गाजा ह्यूमैनिटेरियन फाउंडेशन के वितरण केंद्र के पास खाद्य सहायता पाने के लिए जुटे थे. वितरण केंद्र के वितरण स्थल के पास सहायता मांगने आए याहिया यूसुफ ने बताया कि उन्होंने तीन लोगों को गोली लगने के बाद बाहर निकाला. उन्होंने कहा कि यह अब रोज की कहानी बन गई है. हर दिन यहां खून और लाशें दिखती हैं. वहीं, एक अन्य व्यक्ति आबेद सलाह ने कहा कि वे सैनिकों के पास भी नहीं गए थे, फिर भी उन पर फायरिंग हुई. गाजा ह्यूमैनिटेरियन फाउंडेशन ने आरोपों से इनकार करते हुए कहा कि उनके साइट के पास ऐसी कोई घटना नहीं हुई.

खैबर पख्तूनख्वा में मोर्टार विस्फोट कई बच्चों की मौत, 12 लोग घायल

नयी दिल्ली । पाकिस्तान के अशांत खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में शनिवार को एक पुराने मोर्टार शेल के फटने से पांच बच्चों की मौत हो गई, जबकि इस घटना में 12 अन्य घायल हो गए हैं. यह घटना लक्की मरवत जिले में हुई जब बच्चों के एक समूह को पहाड़ियों में एक मोर्टार शेल मिला जो फटा नहीं था और वे उसे अपने गांव ले आए. पुलिस के अनुसार, जब वे उससे खेल रहे थे, तब उसमें विस्फोट हो गया, उन्हें पता ही नहीं था कि यह एक बम है. उन्होंने बताया कि विस्फोट में पांच बच्चों की मौत हो गई और 12 अन्य घायल हो गए. अधिकारियों ने बताया कि बचाव दल तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे और मृतकों और घायलों को पास के सिटी अस्पताल पहुंचाया. अस्पताल के प्रवक्ता के अनुसार, घायल हुए 12 लोगों में से ज्यादातर बच्चे हैं, जिनमें से कुछ की हालत गंभीर है. इस घटना से निवासियों में दहशत फैल गई है.

आफत : हिमाचल में भारी वर्षा से जनजीवन अस्त-व्यस्त, ऊना में बाढ़ जैसे हालात, शिक्षण संस्थान बंद

दुकानों और घरों में घुसा बरसाती पानी, जनजीवन प्रभावित

एजेंसी । शिमला

हिमाचल प्रदेश में शुक्रवार रात से लगातार हो रही भारी बारिश से जनजीवन पूरी तरह से प्रभावित हो गया है. ऊना जिले में स्वां नदी उफान पर है, जिससे बाढ़ जैसे हालात पैदा हो गए हैं. ऊना शहर में कई जगहों पर दुकानों और घरों में बरसाती पानी घुस गया है और सड़कें जलभराव के कारण बंद हो गई हैं. स्थिति को देखते हुए जिला प्रशासन ने ऊना जिले के सभी सरकारी और निजी स्कूलों, कॉलेजों, आईटीआई, प्रशिक्षण संस्थानों और आंगनवाड़ी केंद्रों में शनिवार को को अवकाश घोषित किया है. प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि वे अनावश्यक रूप से घरों से बाहर न निकलें और सतर्क रहें. कांगड़ा जिले के पौंग डैम में जलस्तर 1365 फीट तक पहुंच गया है. इससे किसी भी समय पानी छोड़ा जा

सकता है. प्रशासन ने इंदौरा और पंजाब के होशियारपुर क्षेत्र के लोगों को सतर्क रहने के लिए कहा है. बचाव और राहत के लिए स्वयंसेवकों की टीम तैयार रखने, स्थानीय युवक मंडलों को सतर्क रहने और मछुआरों तथा गोताखोरों की टीमों को किश्तियों सहित तैनात करने के निर्देश जारी किए गए हैं.

मनाली से केलंग और रोहतांग जाने वाली सड़कें अवरुद्ध : कुल्लू जिला की विख्यात पर्यटन नगरी मनाली के ऊपरी क्षेत्रों में बारिश का दौर जारी है. मनाली-केलंग सड़क अटल टनल के समीप वाहनों की आवाजाही के लिए बाधित है. वहीं मनाली-रोहतांग-केलंग मार्ग भी बंता मोड़ के पास भूस्खलन से बंद है. दोनों मार्गों को बहाल करने के प्रयास किये जा रहे हैं.

कुल्लू में फ्लैश फ्लड, मलाणा पावर प्रोजेक्ट का कॉफर डैम टूटा : कुल्लू जिले की पार्वती घाटी में अचानक आई बाढ़ से शुक्रवार शाम मलाणा-1 जल विद्युत परियोजना द्वारा बनाया गया कॉफर डैम आंशिक रूप से टूट गया. इस घटना में एक हाइड्रा मशीन, एक डंपर, एक रॉक ब्रेकर और एक कैंपर या कार पानी में बह गई. हालांकि राहत की बात यह है कि इस हादसे में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है. लगातार बारिश के चलते पार्वती नदी का जलस्तर बढ़ गया है और आसपास के क्षेत्रों में खतरा और भी बढ़ गया है. कुछ अस्थायी पुलों के बह जाने और कई सड़कों के टूटने की खबर भी सामने आई है. प्रशासन ने लोगों से नदी-नालों और भूस्खलन संभावित क्षेत्रों से दूर रहने की अपील की है.

लाहौल-स्पीति में भी फ्लैश फ्लड, सड़कें बंद : लाहौल-स्पीति जिले के जिस्पा के पास ग्रेफ कैंप के नजदीक फ्लैश फ्लड की वजह से केलांग-दारचा-सारचू-लेह मार्ग पर वाहनों की आवाजाही पूरी तरह से बंद हो गई है. सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) सड़क बहाली में जुटा हुआ है. इस घटना में भी किसी तरह के जान-माल के नुकसान की सूचना नहीं है, लेकिन इलाके में डर का माहौल है.

कई जिलों में बारिश जारी, मौसम विभाग का येलो अलर्ट : चंबा, कांगड़ा, शिमला, सिरमौर, सोलन, हमीरपुर और मंडी जिलों में भी बारिश लगातार जारी है. मौसम विभाग ने 5 अगस्त तक प्रदेश में कई जिलों के लिए भारी बारिश का येलो अलर्ट जारी किया है.

लैंड डील मामले में रॉबर्ट वाड्रा को राऊज एवेन्यू कोर्ट का नोटिस

नई दिल्ली । शिकोहपुर भूमि सौदे से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी के दामाद और व्यवसायी रॉबर्ट वाड्रा की मुश्किलें एक बार फिर बढ़ गई हैं. दिल्ली स्थित राऊज एवेन्यू कोर्ट ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की ओर से दाखिल चार्जशीट पर संज्ञान लेने से पहले वाड्रा समेत 11 लोगों को नोटिस जारी किया है. कोर्ट ने कहा है कि चार्जशीट पर विचार करने से पहले संबंधित पक्षों की दलीलें सुनी जाएंगी. अगली सुनवाई 28 अगस्त को तय की गई है. इस दिन वाड्रा की ओर से अपना पक्ष अदालत के समक्ष रखा जाएगा.

ईडी ने इस मामले में रॉबर्ट वाड्रा और उनकी कंपनियों के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग की जांच के बाद 37.64 करोड़ रुपए की 43 संपत्तियों को अटैच किया है.

सतना के युवक ने किया पोस्ट

संत प्रेमानंद महाराज को जान से मारने की धमकी

एजेंसी । मथुरा

मथुरा में संत प्रेमानंद महाराज को जान से मारने की धमकी मिली है. प्राप्त

सूचना के अनुसार सतना जिले के एक युवक ने फेसबुक पर पोस्ट डाली है. इस पोस्ट में युवक ने लिखा है कि ' मेरे घर के बारे में बोलता तो मैं प्रेमानंद की गर्दन उतार लेता'. पोस्ट के सामने आने के बाद मथुरा के साधु-संतों में आक्रोश है. दरअसल, संत प्रेमानंद महाराज के वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल होते हैं. हाल ही में संत प्रेमानंद महाराज का एक वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुआ था जिसमें उन्होंने युवाओं को मनमानी और गलत आचरण से बचने की सलाह दी थी. इस वीडियो में महाराज ने आजकल के समाज में बढ़ते बॉयफ्रेंड, गर्लफ्रेंड, ब्रेकअप और पैचअप जैसे चलन पर चिंता जताई थी. जिसे उन्होंने युवाओं के भविष्य के लिए हानिकारक बताया. इसी वीडियो को लेकर ही युवक ने संत को जान से मारने की धमकी दी है.

सतना जिले का है आरोपी : सतना निवासी शत्रुघ्न सिंह ने संत प्रेमानंद जी के बारे में फेसबुक पर धमकी भरा पोस्ट डाला है. इस पोस्ट में शत्रुघ्न सिंह ने लिखा है कि पूरे समाज की बात है. मेरे घर की बात में बोलता तो प्रेमानंद होता या कोई और मैं उसकी गर्दन उतार लेता.

स्वत्वाधिकारी लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड की ओर से मुद्रक, प्रकाशक प्रदीप कुमार सिंह, क्वार्टर नंबर सी-90, पोस्ट-नावागढ़, थाना-बरोरा, हरिणा कॉलोनी, धनबाद-828306, झारखंड द्वारा फ्लैट नंबर 2ए, सेकेंड फ्लोर, सिंगारो मेनन अपार्टमेंट,चूना भट्ठा, एचबी रोड कोकर, नियर डिस्टिलरी पुल, बिरसा समाधि स्थल) रांची-834001, झारखंड से प्रकाशित और शिवसाईं पब्लिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड, रातू, काठीटांड़, टेंडर बगीचा रातू, रांची - 835222 झारखंड द्वारा मुद्रित. **संपादक : संजय कुमार सिंह.*** फोन नंबर 0651-2913385, 9142897989 (***पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार**).

आरएनआई नं : JHAHIN/2023/84487, ई-मेलः shubhamsandeshnews@gmail.com धनबाद ब्यूरो : ओजोन सेंटर,थर्ड फ्लोर, कमरा नं-306 अशोकनगर, बैंक मोड़, धनबाद-828106. फोन नं – 9431145133.ई मेल-sandeshsubham23@gmail.com.